HRA AN USIUS The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

.स० 3

नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 19, 1980 (पौष 29, 1901)

No. 31

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 19, 1980 (PAUSA 29, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ लंख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it my be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

सं० पी०/1890- प्रणा०-I—संघ लोक सेवा श्रायोग की समसंख्यक ग्रिध्सूचना दिनांक 12 दिसम्बर, 1977 के श्रनुरूप क्रम में ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा इस कार्यालय में श्रवर सचिव डा० टी० रामासामी की नियुक्ति को संघ लोक सेवा श्रायोग (कर्मचारी) विनियम 1958 के विनियम 4 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन 1 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रौर 2 वर्ष की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागमी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, जारी रखने की श्रनुमित प्रदात की जाती है।

एस० बालचन्द्रन श्रवर सचिव (प्रशा०) **कृते** श्रध्यक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग

प्रवर्तन निदेशालय
(विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम)
नई दिल्ली-3, दिनांक 26 दिसम्बर 1979
सं० ए०-11/6/79--श्री इन्द्र मोहन भाटिया को प्रवर्तन
निदेशालय के मुख्यालय कार्यालय में प्रवर्तन श्रधिकारी के पद

1-416GJ/79

पर दिनांक 19-11-79 (उपराह्म) से श्रगले ग्रादिशों तक के लिए स्थानायम्म रूप से नियुक्त किया जाता है।

> डी० सी० मण्डल, उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

मं० 78 श्रार० सी० टी० 16—केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त एतद् द्वारा श्री के० जे० सिंह, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्) को केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में दिनांक 19-12-79 (पूर्वाह्म) से ग्रगले श्रादेण तक स्थाना-पन्न रूप से तकनीकी परीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होत्रा ग्रवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 27 दियम्बर 1979

सं० थ्रो० दो० 1032/75-स्यागना—महातिदेशक केन्द्रीय रिजर्वपुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमनी) ज्योतनामाई नायक को

(585)

3-12-79 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल में कनिष्ट चिकित्सा प्रिधकारी क पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

> बी० के० करकरा सहायक निदेशक (प्रणासन)

भारत सरकार दक्साल

<mark>ग्रलीपुर, कलकत्ता-53</mark>, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

सं० पी०-257—श्री श्रार० एन० नियोगी, जो स्थानापन्न रूप से भारत सरकार टकसाल, श्रलीपुर के बितयन रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत हैं, को दिनांक 1-12-1976 में इसी टकसाल के उक्त पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया गया हैं।

बी० एन० मिस्री टकमाल श्रधिकर्ता

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार--प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० प्रशा०-1/पी० एफ०/जी० एन० जी०/434—-श्री एन० जी० एन० घोष, स्थाई लेखा अधिकारी की, श्रविवाधिक की श्रायु हो जाने पर दिनांक 31-12-1979 को श्रपराह्म से शासकीय सेवा से, निवृत होने की श्रनुमित प्रदान की जाती है। ह० अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० भ्रो० एफ० मुख्यालय मित्रिल मेत्रा.

अर्डेनस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 24 दिसम्बर, 1979

सं० 21/79/ए०/ई०-1(एन० जी०)—-महानिदेशक धार्डनेन्स फैक्टरियां महोदय निम्निलिखन व्यक्तियों को प्रत्येक के सामने दर्शाए ग्रड में ग्रीर तारीखों में वर्तमान रिक्सियों में स्थानापन्न रूप में, नदर्थ श्राधार पर, प्रोन्नत करते हैं।

- श्री बी० के० नन्दी स्थानापन्न सहायक दिनांक 10-12-79 स्थायी सहायक। स्टाफ प्रक्षिकारी से प्रागामी (राजपित ग्रुप ग्रादेश न होते 'वी') नक।
- श्री गोवर्धन लाल -वही- -वही- स्थायी सहायक।
- स्थायी सहायक ।

 3. श्री एम० कें० खास्त- --वही- --वही
 िमर, स्थायी सहायक

ृडी० पी० चक्रवर्ती ए० डी० जी० ग्रो० एफ०/प्रणासन कृते महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फैक्ट्रियां पूर्ति तथा नियदान महानिदेणालय (प्रणासन प्रनुभाग---1)

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर, 1979

सं० प्र०-1/1(873)—-राष्ट्रपित, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-111) श्री आई० एस० गर्ग को दिनांक 10-12-79 के पूर्वाह्म से उसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप-निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-11) के पद पर नदर्थ श्राक्षार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ह्० अफटनीय उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रणासन ग्रनुभाग---6)

नई दिल्लीं, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

मं० ए०-17011/167/79-प्र०-6--महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में अवर श्रेव श्रिधकारी श्री के० एन० नागराज को दिनांक 22 नवम्बर,-1979 के पूर्वाह्म में श्रीर श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में नदर्य श्राधार पर सहायक निरीक्षण श्रिधकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर, 1979

सं० प्र० 6/247/492/III — राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, कलकता के कार्यालय में सश्यक निरीक्षण श्रिधिकारी (इंजी०) श्री ग्रार० मी० णर्मा को दिनांक 3-12-79 के पूर्वाह्न से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण ग्रिधिकारी (इंजी०) क रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री णर्मा ने सह्यक निरीक्षण श्रविकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया ग्रीर दिनांक 3-12-79 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण निदेणक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण श्रविकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

मं० ए०-17011/81/74-प्र० 6--राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता क कार्यालय म महायक निरीक्षण ग्रिधिकारी (इंजी०) श्री बी०के० मालाकार को दिनांक 3-12-79 के पूर्वीह्म मे श्रीर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उमी कार्यालय में निरीक्षण श्रिधकारी (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण में वा ग्रुप ए, इंजी० शाखा के ग्रेड-III) में नियुक्त करते हैं।

2. श्री मालाकार न सहायक निरीक्षण प्रविकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 3-12-79 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण प्रधिकारी (इंजी०) का पदभार सभाल लिया।

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन)

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

मं० ए-20012/14/70-प्र० (ए०) --- विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक, श्री एम० एन० गुष्ता की इस निदेशालय के श्रहमदाबाद स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय (बेन यूनिट) भें 12-12-79 (पूर्वीह्म) में अपने श्रादेश तक बिल्कुल श्रम्थायी रूप में तदर्थ श्राधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी उप-निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर, 1979

सं० ए० 35017/1/79-(एच० क्यू०) प्रणासन-1—राष्ट्रपति ने श्री जे०पी० रस्तोगी को 7 नवस्वर, 1979 के पूर्वाह्न में अागमी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक लेखा (भंडार) क पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुतर्निमणि मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदावाद, दिनांक 31 दिसम्बर, 1979

सं० ए० 19023/14/79-प्र० 111 — मंघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के ग्रनुसार श्री ए० एन० राव, सहायक विश्वान ग्रिधिकारी को इस निदेशालय के ग्रधीन बस्बई में तारीख 29-10-79 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेश होने तक स्थाना-पन्न विव्यान ग्रिधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

2. विषणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री राव ने तारीख 17-10-79 के अपाह्न को बंगलीर में महायक विषणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशामन कते कृषि विषणन सलाहकार

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान

कलकत्ता-700064,दिनांक 22 नवम्बर, 1979

सं वी० ई० मी०/मी०/पी० ई० म्रार०-डी० के० जी०/
11870---भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, बम्बई के म्रपर
निदेग ह ने श्री द्वीपेन्दु कुमार घोष, स्थायी वैज्ञानिक सहायक
(बी)/स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) परिवर्ती
कर्मा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
सलकत्ता का त्यागपन्न 13-11-1979 के अपराह्म से स्वीकार
कर लिया है।

म्रार० पी० हरण, प्रणासन म्रधिकारी-III

परमाणु ऊर्जा विभाग भारीं पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 29 दिसम्बर, 1979

सं० 05052/79 6948—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-प्रधिकारी, श्री द्विक्यालुर वास्यिथ राधाकुष्णन ग्रस्थायी फोर भैन, भारी पानी परियोजना (वडोदरा) को, उनी परियोजना म, एक श्रगस्त 1979 पूर्वाह्न से श्रागे आदेश होने तक के लिए स्थानापन वैज्ञानिक श्रधिकारी/ श्रिभयन्ता (ग्रड एन० वी०) नियुक्त करत ह।

मं० 05052/79/6949—भारी पानी परियोजना के, विशय कार्य-प्रधिकारी, श्री दिवन्दर कपूर, ग्रस्थायी फोरमैन (कार्यदेशक), भारी पानी परियोजना (बडोदरा), को, उसी परियोजना में, एक ग्रगस्त, 1979 पूर्वाह्म से श्रागे श्रादेश होन तक क लिए स्थानापन्न बज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रड एम० बी०) नियुक्त करत ह।

> म्रार०सी० कोटियनकर प्रशासन म्रधिकारी

भ्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय श्रन्तरिक्ष ग्रनुसंधान संगठन भ्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अह्मदाबाद-380053, 24 दिसम्बर, 1979

सं० ग्रं० उ० के० /स्थापना/ग्राई० एम० सी० ई० एस०/ 1410/79—प्रत्तिरक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक, इस केन्द्र म ग्रस्थायी इंजीनियर एम० त्री० श्री श्ररुण कुमार सक्सेना का संवा से त्यागपत्र दिनांक 24 दिसम्बर, 1979 के ग्रपराह्म से स्वीकार करते हैं।

एम० पी० ग्रार० पाणिकर, प्रशासन ग्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

सं० ए० 32013/2/77-ई०-І—इस विभाग की दिनांक 16 ग्रंप्रैल, 1979 की ग्रिध्सूचना सं० ए० 32013/2/77-ई०-І के कम में राष्ट्रपति ने श्री बी० रामासुब्रमण्यम, निदेशक प्रशिक्षण ग्रौर श्रनुज्ञापन नागर विमानन विभाग की नागर विमानन विभाग के वैमानिक मंचार संगठन में निदेशक (योजना श्रौर मूल्याकन) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 31-7-1979 के बाद 31-12-1979 तक या पद पर नियमिन नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति वे दी है।

सी० के० वत्म सहायक निदेशक प्रशासन **कृते** महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79-ईए--महानिदंशक नागर विमानन निम्निलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से एक वर्ष के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होते तक इनमें जो भी पहलेप्हो, तदर्थ ग्राधार पर सहायक विमानक्षेत्र ग्रिधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं। उन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र बमरोली (इलाहाबाद) में तैनात किया जाता है:--

कम नाम सं०			तारीख
			26-11-79
2. श्री ए म० एस० मलिक			26-11-79
 श्री सी० वी० रायसिंहानी 	,	-	26-11-79
4. श्री एस० नन्दन			26-11-79
5. श्री एन० आर० चौधरी	•		27-11-79
6. श्री एम० के० देव मोडल			27-11-79
7. श्री म्रार० वाई० पोल			30-11-79

दिनांक 20 दिसम्बर, 1979

सं० ए-32014/2/79-ईए—महानिदेशक, नागर विमानन निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से एक वर्ष के लिए प्रथवा पदों के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, सहायक विमानक्षेत्र ग्राध-कारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करने हैं:—

		-	_	
ऋम	नाम			 तारी ख
सं०				
		_		
1. প্র	ो धर्मपाल			17-9-79
2. শ্ব	ो एस० ए० कृष्णन	i		19-9-79
				(अपराह्न)
3. র্গ্ব	ो वाई०पी० साहनी			17-9-79
_4. গ	ो जे० सी० करतानिया			17-9-79

कम नाम सं०			नारी ख
5. श्री एन० के० जी० राव			19-9-79
			(श्राराह्र)
6. श्रीएच० बी० राय		•	25-9-79
 श्री एस० एन० सरकार 			17-9-79
8. श्रीजे० वी० सुभाराव		•	19-9-79
			(भ्रगराह्म)
9. श्रीएस० के० सेत गुप्ता	-		17-9-79
10. श्री एस० पी० रिखी			18-9-79
11. श्रीपी० एस० जसवाल			17-9-79
12. श्री पी० पी० सेनी			17-9-79
13. श्री ग्रमर चन्द			17-9-79
14. श्री म्रार० डी० बाजपेयी			17-9-79
15. श्री जी० बी० पुरोहित			17-9-79

दिनांक 22 दिमम्बर, 1979

मं० ए० 32014/2/79-ईए---महानिदेशक, नागर विमानन निम्निजिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से और श्रन्य श्रादेण होते तक सहायक विमानक्षेत्र श्रिधकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं:---

% म नाम सं॰			 तारीख
 श्री महान सिंह 			17-9-79
2. श्री एम० ज्ञानप्रगासम		•	24-9-79
_		वी० वी०	े जौहरी
	सहायक	निदंगक,	प्रगासन

नई दिल्ली दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० ए० 44012/1/79-ईएस--महानिदेशक, नागर विमानन ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक कार्यालय, सफदरजंग एग्ररपोर्ट, नई दिल्ली में केन्त्रिक्रेगा यूनिट के लाइसेंस प्राप्त इंजीनियर श्री ए० ए.५० वर्मा का दिनांक 6-12-79 (अपराह्म) से सरकारी मेत्रु से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। श्रार० एन० दास महायक निदेगक, प्रगासन

विदेश संचार सेता

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

संव 1/439/79-स्था०—विदेश संवार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी० पी० नासकर को तदर्थ श्राधार पर निस्तिवित अमिधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप मे उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं:—

 से			तक
1. 30-4-1979	. – .		30-5-79
2. 4-6-1979			21-7-79

दिनांक 10 दिसम्बर 1979

सं० 12/19/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा निम्नलिखन स्थानायन्न उप परियात प्रबन्धकों को खाना 3 में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से मूल रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं:—

		·
ऋमांक	नाम	मूल रूप में उप
		परियात प्रबन्धक की
		हैसियत से नियुक्ति
		की तारीख

3
13-3-75
1-6-77
2-6-77
1-7-77
1-1-78

दिनांक 20 दिसम्बर 1979

सं० 1/311/79-स्था०—-विदेश संचार मेत्रा के महानिदेशक एतदृहारा बम्बई शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री ए० एस० पाए स को 28-8-79 से 26-9-79 तक की श्रवधि के लिए तदर्य आधार पर उसी शाखा में स्थानापन रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 दिसम्बर 1979

सं० 1/258/79-स्था०—श्री जी० डी० वर्मा, स्यानापन्न सहायक ग्रमियंता, श्रनुसंधान व विकास एकक, मुख्य कार्यालय, बम्बई को 31 श्रक्तूबर, 1979 के श्रपराह्म मे श्रपनी नियुक्ति से त्यागपन्न देने की अनुमति दे दी गई।

सं० 1/455/79-स्था०—विदेण संचार सेवा के महानिदेणक एतदृद्वारा वि० सं० से० की देहरादून णाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री एस० डी० गर्ग को एक दम तदर्थ प्राधार पर 26-3-1979 से 30-6-1979 (दोनों दिनों समेत) तक की श्रवधि के लिए उसी णाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभ-यंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/84/79-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्धारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एस० तिर्के को 4-6-1979 से 4-8-1979 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० 1/9/79-स्था०—श्री पी० पी० पेक्सिल की, जिन्हें 2 मई, 1978 से तदर्थ श्राधार पर मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक ग्राभियंना नियुक्त किया गया था, 30 श्रप्रैल, 1979 के ग्रपराह्म से उसी शाखा में तकनीकी सहायक के उनके मूल पद पर परावर्तित कर दिया गया।

सं० 1/487/79-स्था०—-विदेश संचार सेत्रा के महा निदेशक एतद्द्वारा केन्द्रीय ग्रारक्षित आरक्षो बल, नई दिल्ली के महानिदेशालय के निरीक्षक, श्री केवल कृष्ण तलवार को 23 ग्रक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न से ग्रौर ग्रागामी ग्रादेशों तक प्रति-नियुक्ति के ग्राधार पर वि० सं० से० का देहरादून शाखा के ग्रहमद उपग्रह्भू-केन्द्र में स्थानापन्न का से सुरक्षा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० मलहोत्रा, उप निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

सं० 1/99/79-स्था०—विदेश मंचार सेवा के महानिदेणक एतद्वारा नई विल्ली णाखा के स्थानापन्न नकनीकी सहायक, श्री राजेन्द्र कपूर को 24 श्रान्स्त, 1979 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेणों तक श्रनुसंधान व विकास एकक, मुख्य कार्यालय बस्वई में नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/99/79-स्या०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेणक एतद्द्वारा नई दिल्ली णाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक श्री राजेन्द्र कपूर को एक दम तदर्थ श्राधार पर अल्पका-निक खाली जगहों पर नीचे लिखी श्रविधयों के लिए उसी गाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रभियंता नियुक्त करते हैं:—

- (1) 23-5-1978 से 11-8-1978 तक
- (2) 19-3-1979 से 28-7-1979 तक

पा० कि० गोविन्द नायर, निदेशक (प्रणा०), कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवंमहाविद्यालय देहरादून, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

मं० 16/333/79-स्थापना-I--ग्रध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री धर्म वीर सिंह, सहायक वनपाल, उत्तर प्रदेश वन विभाग, को दिनांक 15 अक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न के अगले आदेशों तक सहर्ष सहायक शिक्षक, उत्तरी वन राजिक महाविद्यालय, देहरादून नियुक्त करते हैं।

सं 16/339/79-स्थापना-I---प्रध्यक्ष, वन प्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री जगराम को दिनांक 26 प्रक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक सन्दल ग्रनु-संधान केन्द्र, वन ग्रनुसन्धान प्रयोगणाला, बंगलूर में सहर्ष ग्रनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन, कुल सचिव, वन ग्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० क्रमांक 12/79--मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुन् समाहर्तालय इन्दौर के प्रभागीय कार्यालय जबलपुर में तैनात श्री जॉर्ज ड्यूक, ब्राधीक्षक (निवारिक), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की ब्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 30-11-1979 के ब्रपराह्न से सेवामुक्त हो गए।

> शिविन किशिन धर, समाहर्ता

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

सं० 6/5/78-प्र०-2/—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एसद्द्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी 2) सेवा में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक ग्रिभि-यंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से ग्रन्य श्रादेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं:—

श्री के० एल० वरंदानी

22-10-79

2. श्री एस० एल० शर्मा

29-11-79

मन्तोष विश्वास, ग्रवर सचिव

यिधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य वालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बीर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैससं सीने लेखोरेटरीज एण्ड स्टुडीश्रोज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० 12551/560 (3)—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर मैंसर्स सीने लेबोरेटरीज एण्ड स्टुडीग्रोज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिवा न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० गुष्ता, कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आरती चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० जी/स्टेट/560/3156/9478—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में "एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आरती चिट फन्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कस्पनी श्रश्निनियम 1956 ग्रौर व्यास विट फन्ड एण्ड फाइ-नेन्सर्ज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० जी/स्टेट/560/2857/9480—कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपत्रारा (3) के प्रमुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस नारीख में तीन सास के अबसान पर ज्यास चिट फण्ड एण्ड फानेन्सर्ज प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू चोगड़ा चिट फन्ड एण्ड फाईनेन्शियर्ज कम्पनी प्राईवेट निमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

सं० जी/स्टेट/560/2743/9657—-कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुमरण में एतद्द्वारा यह सूचना की जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर न्यू चोपड़ा चिट फन्ड एन्ड फाइनेन्सियर्ज कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 श्रौर ग्रनन्त चिट फल्ड एन्ड फाइनेन्शियजं प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

सं० जी/स्टेट/560/2931/9659—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के अवसान पर अनन्त चिट फन्ड फाइनेशिन्यर्जे प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिस्जिटर से काट विया जाएगा और उकत कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाग तायल, ्रूकम्पनी रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कार्यालय, श्रायकर श्रायुक्त पटना, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

सं० जी० सी०-3/एक्स वी-1/78-79/42262—केन्द्रीय सरकार की राय में जनहित की दृष्टि से यह प्रक्षिप्रक एवं सनीवान हैं कि उन सभी व्यक्तियों तथा हिन्द ग्रविभक्त परिवारों के नाम तथा उनसे सम्बन्धित ग्रन्थ व्यौरे का प्रकाशन किया जाय जिनका निर्धारण दम लाख रुपए से ग्रधिक की सम्पत्ति पर किया गया है। में एतद्द्वारा सम्पत्ति कर ग्रधिनियम 1957 की धारा 42ए के ग्रन्तर्गत बिहार प्रभार-1 तथा 11 के उन निर्धारितियों के नाम तथा ग्रन्थ व्यौरे प्रकाशन के लिए ग्रधिस्चित करता हूं जिन पर वित्तीय वर्ष 1976-77 के श्रन्तर्गत दम लाख रुपए से ग्रधिक सम्पत्ति पर किया गया है। प्रविष्टिकम इस प्रकार है:—

- (क) हैसियन निर्देश-व्यक्ति के लिए 'व्यष्टि', हिन्दु श्रवि-भक्त परिवार के लिए हि० ग्र० प्र० (ख) निर्धारण वर्ष (ग) घोषित सम्पत्ति (घ) निर्धारित सम्पत्ति (च) निर्धारिती द्वारा देय सम्पत्ति कर तथा (छ) निर्धारिती द्वारा भुकाया गया सम्पत्ति कर ।
- (1) दी पी ० साव तथा अन्य (क) हि ० अ ० प ० (ब) 1973-74, 1974-75, 1975-76, 1976-77 (ग) 9,76,119 ६०, 10,34,898 ६०, 9,77,326 ६०, 10,35,751 ६०, असण: (घ) 11,71,200 ६० 12,29,600 12,04,800 ६०, 13,32,290 ६० असण: (घ) 20,136 ६०, 43,326६०, 51,389६०, 61,576६० असण: (छ) 6,149६०, 1,200६०, 26,300 ६०, 35,050६० असण:
- (2) श्री मिश्री लाल जैन, चाईबासा (क) व्यप्टि (ब्र)
 1972-73, 1973-74, 1974-75, 1975-76 (ग)
 36,43,600 ह०, 37,29,400 ह०, 34,55,100 ह०,
 66,56,900 ह० ऋमणः (घ) 68,99,372 ह०,
 70,46,906 ह०, 61,00,899 ह०, 98,87,229 ह०
 ऋमणः (च) 4,24,707 ह०, 4,36,96 ह०, 3,61,726
 ह०, 6,53,304 ह० ऋमणः (छ) 4,24,707 ह०, 4,36,096
 ह०, 3,61,726 ह०, 6,53,304 ह० ऋमणः।

सं० जी० सी०-3/एकम वी-1/78-79/42260—केन्द्रीय सरकार की राय में यह जनहित की दृष्टि से आवश्यक एवं समीचीन है कि उन निर्धारितयों के नाम तथा उनसे सम्बन्धित अन्य ब्यौरे प्रकाशित कर दिए जायें जिन पर कम से कम 5000/- २० या उससे अधिक अर्थदण्ड लगाया गया था । मैं एत्द्द्वारा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 287 के अधीन बिहार प्रभार-1 और-11 के उन निर्धारितियों के नाम तथा अन्य ब्यौरे प्रकाशन के लिए अधिमूचित करता हूं जिन पर वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान 5000/- २० या उससे अर्थदण्ड लगाया था। प्रविष्टियों का कम इस प्रकार है:--

- (क) हैसियत निर्देश-त्र्यक्ति के लिए 'व्यिष्टि' हिन्दु प्रवि-भक्त परिवार के लिए 'हि० ग्र० प०' फर्म के लिए 'फ', कम्पनी के लिए 'क' (ख) निर्धारण वर्ष (ग) ग्रर्थदण्ड की राणि।
- (1) मैंसर्स गुमला ट्रेडर्स, रांची (क) हि० ग्र० प० (ख) 1973-74 (ग) 5079/- २० धारा 271 (1) (ए)

- (2) युवराज बी० के० सिंह, डोरंडा, रांची (क) ^{'ठपिट} (ख) 1972-73 (ग) 9000/- क० धारा 271 (1) (ए)
- (3) मैमर्स लक्ष्मी नारायण रामनारायण, लालपुर, राँचा (क) 'फ' (ख) 1957-58 से 1965-66 (ग) 60 4 10/- कः, 23250/- कः, 36330/- कः, 30540/- कः 40110/- कः 19590/- कः 30230/- कः, 25580/- कः. 19650/- कः ऋमशः धारा 271 (1) (सी)
- (4) मैंसर्म सेलेऋडेड, झरिया कोल कं०, (प्रा०) लि० झरिया (क) 'क' (ख) 1973-74, (ग) 5736/- रु० धारा 271 (1) (बी)
- (5) श्री मेवराज अग्रवाल, बिलयापुर, धनबाद (क) 'व्यिष्टि' (ख) 1973-74, (ग) 14542/- ए० धारा 271 (1) (सी) ।
- (6) मैंसर्म स्रोम प्रकाश ए॰ड कं०, अरिया (क) 'फ' (खू 1973-74 (ग) 26936/- क०, 11146/- क०, 8318/- क० स्रौर 107000/- क० धारा 271 (1) (ए), 271 (1) (बी), 273 (बी), 271 (1) (मी) क्रमशः

संक जीक सीक-3/एवम बी-1/78-79/42256—केन्द्रीय सरकार की राय में यह जनिहुन की दृष्टि में आवश्यक एवं ममीचीन है कि उन मभी व्यक्तियों तथा हिन्दू प्रविभक्त परिवारों, जिनका निर्धारण 2 लाख रुपए से प्रधिक की आय पर हुआ था तथा उन फर्मी व्यक्ति संधी एवं कम्पनियों जिनका निर्धारण 10 लाख रुपए प्रधिक की आय पर हुआ था, के नाम तथा प्रन्य व्यौरे प्रकाणित किए जायें। में एतद्हारा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 287 के अधीन बिहार प्रभार- तथा- सि के निम्नलिखित निर्धारितयों के नाम तथा प्रन्य व्यौरे प्रकाशन के लिए अधिमूचिन करता हूं जिनका वित्तीय वर्ष 1977-78 के मध्य इस प्रकार का निर्धारण दुआ है। प्रविध्किम इस प्रकार है:-

- (क) हैसियन निर्देग-व्यक्ति के निए 'व्यक्टि' हिन्दु ग्रिविभक्त परिवार के लिए 'हि० ग्र० प०', फर्म के लिए 'फ' कम्मनी के लिए 'क' (ख) निर्धारण वर्ष (ग) विवरणी में बनाई गई श्राय (घ) निर्धारित श्राय (च) निर्धारिती द्वारा देव कर तथा (छ) निर्धारिती द्वारा चुकाया गया कर।
- (1) श्री गनपत राय जैन, जमशेदपुर (क) हि० प्र० प० (ख) 1976-77 (ग) 2319220/- २० (घ) 2319220/-२० (च) 1768639/-२० (छ) 1768639/-२०
- (2) मैसर्स तिवारी वेचार एण्ड कम्पनी, जमणेदपुर (क) 'क' (ख) 1974-75 (ग) 334375/- रु० (घ) 1135207/-रु० (च) 241509/-रु०।
- (3) मसर्स योदोगशास्टील वर्क्स लि० (जापान) जसगेद-पुर (क) 'क' (ख) 1977-78 (ग) 1503910/- ६० (घ) 1503910/- ६० (च) 791600/- ६० (छ) 791600/- ६०
- (4) मैसर्म स्टील सिटी बिवरेजेस (प्रा०) लि० जमशेद-पुर, (क) 'क' (ख) 1976-77 (ग) 878918/- ६०

- (ঘ) 1003590/- দ্০ (ঘ) 620834/- দ্০ (ফ) 620834/- দ্০
- (5) मैसर्स मेकौन, रांची (क) 'क' (ख) 1975-76 (ग) शून्य (घ) 10919510/- क० (च) 6959997/- क० (छ) 6061805/- क०
 - (6) मैसर्स मेकौन, रांची (क) 'क' (ख) 1976-77
- (ग) भूत्य (घ) 6638850/- ह० (च) 4061400/- ह०
- (ছ) 3549640/- হ০

(7) मैंसमं वेस्टर्न इन्डिया सेल्स एण्ड सर्विस, रोची (क) फर्म (ख) 1974-75 (ग) 810060/- रु० (घ) 1029692/-रु० (च) 351460/-रु० (छ) 100000/-रु०।

मुधाकर डिवेदी, ग्रायकर श्रायुक्त । बिहार-I पटना । ाक्ता बाई• टी॰ एत॰ एस॰-----

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन मुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० 257/79-80/एक्वि०--यतः मुझे, पि० रंगनाथन,

भायकर प्रधितियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जवित बाजार मृन्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 158/25 है, जो गूरिम, संगोलडा, तालुक बार्डेज, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बार्डेज ग्रंडर डाक्युमेंट नं० 236 तारीख 7-4-79 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम कि दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है धौर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिगत मधिक है, भौर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) बौर भन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाम स्या प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उच्त अन्तर्थ लिखित में बास्तविक क्य ये श्रवित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की वावत, उक्त श्रिष्ठित नियम, के श्रिष्ठील कर देने के शन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने पा उसमें बचने में मुक्ति के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनो भाष या किसी बन या भन्य भासिता की जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के किए;

भता, पन, उनत शिक्षनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निक्निबिखित व्यक्तियों, अर्जात :---2-416GI/79

- া. (1) थ्री जानिम मार्टन फनीडिस
- (2) स्रन्ना गुटिरीया विकटर फर्नाडीस बस्नोरा, नार्डेज, गोवा। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मारिया अयासिम डिसौजा पर्वोरिम बाउँज गावा। (ग्रन्तरिसी)

की यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के धर्वन के सम्बन्त में कोई भी बाजेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारा से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५२ भूचना की तामील से 30 दिन की धविध, बंग भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, यही भवें होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रमुष्

संपत्ति नं० एम० नं० 158/25 जिसका नाम है ''ग्ररिंड'' और जो ग्रिम, मंगोलडा, तालुक बार्डेज गोवा में स्थित है।

> पि० रंगनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड

नारीख: 12-10-1979

प्ररूप माई• टी॰ एन• एन•----

आप्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन म्बना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 31 दिसम्बर 1979 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/12--79/981---

ध्रत: मुझे, डी० पी० गोयल,

शायकर अधिनियात, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'जनत घितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वश्वर स्थाति जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- ६० े विभिन्न है

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 1660 है तथा जो कोटला मुबारक पुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 17-4-1979

को प्रविक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिक्तन के लिए प्रन्तरित की गई है मोर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशान अधिक है भौर अन्तरक (सन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिविया उद्देश्य में उन्तर अन्तरण निश्चित में वाद्य- विक जय मे किया नहीं दिया हुए है:---

- (क) जन्तरण से दूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर की के प्रमानक के दाधिस्थ में असी करने का उसके बचने में न्यूनधा के निष्; प्रीप/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी बत या अन्य भावित्यों की, किर्जू भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत श्रविनियम, या अन-कर श्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्तिरिती होता प्रकट नहीं किया प्रयाचा या किया जान काहिए का खिपाने में सुविश के लिए;

अतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अम्-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती मोहनी शंकर धर्म पत्नी विजय शंकर, निवासी—43-बी हनुमान रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सत्यनारायण गुप्ता पुत्र श्री नन्दलाल श्रौर नौरंग लाल पुत्र श्री गयारमीलाल निवास स्थान 1660, कोटला मबारकपुर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की घविध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवक्ष में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस ग्रहण्य में दिया गया हैं।

प्रमुस्षी

प्रोपर्टी नं० 1660 (पुराना नं० 880 ई० तब 1750 ग्रौर प्रव 1660) जो प्लाट फीहोल्ड 401 वर्ग गज जोकि स्थिति है। कोटला मुबारक पुर, नई दिल्ली जो निम्न प्रकार सें है)

र्डस्ट—मकान श्री शेरा श्रौर लाछू जो पोसीणन पर शहान चंद । वेस्ट—मकान श्री सुन्दर लाल, लाल चन्द नार्थ—ग्राम रास्ता। साऊथ—मकान हरगू लाल।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1979

त्रकप साईं० टी∙ एन० एस०--

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छार। 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

रायानिक, भड़ाकार जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निदेण सं० ए० सि०/रेंज-2/कल०/19--यतः, मुझे, के० सिन्हा,

ग्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु• से मिधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 97 है तथा जो धन देवी खान्ना रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विश्वत हैं, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 10-4-79

को पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिता (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नया है:---

- (क) बग्तरण से हुई किया प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो ग्राय या किसी घन या ग्रन्य भास्तियों भी, जिन्हें भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उनतः अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, इक्त अधिनियम की बारा 269-घुकी छपद्यारा (1) अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थातु:---

- 1. श्री मरोज कुमार पाल (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रभात सुर श्रौर मालविका घोष (ग्रन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्मबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अंबंज में कोई भी प्राक्षिप:---

- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अन्धिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अविश्व, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी मन्य क्यक्ति हारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास निखित में किए ज सन्ते ।

स्राब्दीकरण :--इसमें प्रमुक्त गब्दों घीर पदी का, जो उनत प्रीवितयम के प्रकार 20क में परिभाणित है, वही धर्य होगा, जा उस धक्याय में विया गया है।

प्रनुस्ची

जमीन परिमाण—2 कट्ठा 1 छटांक 28 स्कोयर फिट 97, धन देवी खान्ना रोड, थाना—वेलेंबाटा।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--II, कलकत्ता-16

तारीख: 31-12-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना ज्ञिथाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० के० एच० ग्रार०/6/79-80--भ्रतः, मुझे, ग्रार० के० मल्होता,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 222, फेज 7 है तथा जो मोहाली, तहसील खरण में स्थित है (श्रीर इससे उपावह श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्च- कारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन, नारीख अग्रैल 79

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित को गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है श्रीर प्रस्तरक (श्रस्तरकों) और श्रस्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बीच ऐसे श्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रस्तरण निख्नित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किती धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- श्रीमती बलिजन्दर कौर पुत्री श्री बावा सिंह, वासी 222, फोज 7, मोहाली, तहसील खरड़। (श्रन्तरक)
- श्रीमती मुरजीत कौर पत्नी भगत सिंह वासी रामगढ़ सैनीम्रां, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 222, फोज 7, जिसका क्षेत्रफल 6 मरले है श्रीर जो मोहाली, नहसील खरड़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्टीकर्ता श्राक्षकारी स्वयस के

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलख संया 362 श्रिप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्चार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्णन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एन०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, आयक्तर भवन, लिधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/25/79~80——म्रत., मुझे, म्रार० के० मलहोला,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ब्रौर जिसकी सं० मकान नं० 3570, चीमा पार्क, नजदीक माइल ग्राम स्टेणन है नथा जो लुधियाता में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ह्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, र्राज-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यपान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिबिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी स्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें स्राय-कर स्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रिधिनियम, या धन-कर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः म्रब, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभ्रारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथीत्:—

- 1. श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह, मकान नं 3570, चीमा पार्क, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मोहकम सिंह, श्रजीन सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह पुत्र विशन सिंह वासी 3290/2 बीर परवार कालोनी त्य माउन टाउन लुधियाना। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के श्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणित की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवित्र जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3570, जिसका क्षेत्रफल 337.79 वर्ग गज है ग्रीर जो चीमा पार्क, नजदीक माडल ग्राम स्टेशन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 187, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख : 7 दिसम्बर 1979

प्ररूप माई० टी० एन०एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० के० एच० पी०/7/79-80----प्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोत्रा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संगक्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं अम्हान नं 110, फेज 1, एरिया 262.5 वर्ग गज है तथा जो मोहाली तहसील खरड़, जिला रोपड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रिपेल, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अशीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधनियम, या धन-कर म्रिधनियम, या धन-कर म्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीतः—

- 1. श्रीमती हरदीप कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह वासी 3088, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जोध सिंह पुत्र ट्रुग्वर सिंह, श्रीमती प्रेम कौली पत्नी श्री जोध सिंह वासी मकान नं 110, फेज 1, मोहाली तहसील खरड़, जिला रोपड़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध , जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 प्रदेन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगें।

संब्दों हरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 110 फज 1, जिसका क्षत्रफल 262.5 वर्ग गज है श्रीर जो मोहाली, तहसील खरड़, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख सं० 367, श्रप्रल, 1979 में दर्ज हैं)

> श्रार० के० मल्होत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, <mark>लुधियाना</mark>

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एक० डी० एच०/ब्रार०/৪/79-80---क्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्ना,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रिपेल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- ंख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त भिधिनिमम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के भिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- सर्वश्री हरजीत सिंह, भ्रमेर सिंह पुत्र श्री चनन, गांव नन्यपुर, तहसील व जिला लुधियाना। (धन्तरक)
- 2. मैसर्स सागर इंजीनियरिंग वर्क्स, यिनट नं० 2, प्लाट नं० 419, इंडस्ट्रीयल एरिया 'ए', लुधियाना द्वारा श्री भ्रपाल सिंह पुत्र श्री श्रात्मा सिंह 418, इंडस्ट्रीयल एरिया 'ए', लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पर्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है ग्रौर जो गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 328, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्चार० के० मल्होत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रक्षप भाई० टी० एउ०एस०---

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 369म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायेंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लिधयाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/न्नार०/111/79-80--न्नतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्ना,

प्राप्तकर प्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- अपये से प्रधिक है

श्रीर जिमकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 2 मरले है तथा गांव नन्दपुर तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्द सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ब्रायमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृत्यबान प्रतिकल के पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलि बित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रमीन कर देने के प्रश्वरक के धायिक में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के सिप: और/या
- (ख) ऐसा किसो याय या किसो घन या अन्य आस्तियों को, किसे भारतीय आय-कर घषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिष्ठिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---

- सर्वश्री हरजीत सिंह, श्रजमेर सिंह पुत्र श्री चनन गांव नन्दपुर तहसील व जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्थ सागर इंजीनियरिंग वक्स यूनिट नं० 2, प्लाट नं० 419, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना द्वारा श्री सतपाल सिंह पुत्र श्री ब्रात्सा सिंह, 419, इडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना। (ब्रन्तरिती)।

को यह सूबता जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के प्रजैत के तिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई मी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जा भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा;
- (भा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणत की नारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्वे प्रयुक्त भव्यों मोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही भयें होगा, जो जन घड्याय में विया नेपा है।

अमुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 2 मरले है श्रीर जो गांव नन्दपुर, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2810, जून, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक **श्राय**कर **त्रायुक्त, निरीक्षण** ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रकल आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निवेश सं० ग्रार० पी० एन०/4/79-80-श्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोक्षा,

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 विधा 9 विसवा है तथा जो धनौरी, तहसील व जिला रोपड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रोपड़ में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण में हुई किमी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः त्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म एक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखितव्यक्तियों, ग्रर्थात् :---3--416GI/79

- श्रीमती कौशल्या पुत्री श्री राम किशन, श्रीमती काको विधवा श्री राम किशन वासी घनौरी, तहसील रोपड़। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री गुरवास, रामचन्द, कर्म चन्द, वर्शन चन्द पुत्र श्री प्रीतम चन्द, श्री प्रीतम चन्द पुत्र श्री सन्त राम, वासी घनौरी तहसील रोपड़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुमूची

भूमि जिसका श्रेत्रफल 19 विघा 9 विसवा है ग्रीर जो गांव घनौरी, तहसील रोपड़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, रोपड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 666, मई, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्ना सक्षम ग्रधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/24/79—80——ग्रतः मुझे ग्रार० के० मलहोत्ना,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० 27-ई, सराभा नगर, है तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और धन्तरक (श्राप्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण मे हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रघिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- श्री सुच्चा सिंह पुत्र श्री दलवारा सिंह बासी मकान नं० 22/9, दशमेण नगर, गली नं० 1, गील रोड़, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र रस्न सिंह, वासी 258, इंडस्ट्रीयल एरिया 'ए', लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकान की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों स्रौर पदों का, जी 'उक्त श्रधिनियम' के स्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रथं होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 27—ई, जिसका क्षेत्रफल 825 वर्ग गज है श्रौर जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 176, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज हैं)

> भ्रार० के० मलहोदा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर

प्रकप भाई• टी• एन• एस•~~

धायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के धावीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/59/79-80--म्रतः मुझे श्रार० के० मलहोत्रा,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं मकान नं बी-13-1409, सुखराम नगर है तथा जो लुधियाना में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्नमुची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख स्रोत, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई दे और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गए। प्रतिफल, निम्नलिएबन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ते कीचत नहीं किया गा। है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उकत भ्राध-नियम के भ्रश्नीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐनो कियो प्राय पा कियो धन या श्रम्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम को घारा 269-ग के श्रनुसरण मं, मं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नजिखित क्यक्तियों, शर्यात् !---

- 1. श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री काला सिंह मारफत मैसमं काला पिह बूटा सिंह, क्लाथ मर्चेन्टम, जेल रोड़, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती मत्या रानी पत्नी श्री हरीण चन्द्र वासी मकान नं० बी-13-1409, सृखराम नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में ममाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रष्ठयाय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ठगाय म दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ब्री-13-1409, सुखराम नगर, लुधियाना जिसका क्षेत्रफल 222.3/4 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 574 श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायत **ग्रा**यकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण**) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 7 दिसम्बर, 1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979 निदेश सं० ग्रार० पी० एन०/1/79-80--श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोस्रा,

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पप्रचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

शौर भूमि जिसका क्षेत्रफल 82 विधा 17 विसवा है तथा जो गांव नानोवाल नं० 77, तहसील रोपड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रोपड़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का गन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- , (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख्र) ऐसी किसी आय या किसीधन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

म्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- 1. श्री समपूरन सिंह पुत्र श्री पृथ्वी सिंह, 1223 सैंक्टर 18-सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री इन्दर पाल मिह व श्रमरपाल मिह पुत श्री गुरचरन सिंह वासी रोपड़। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के गम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 82 विद्या 17 विसवा है स्त्रीर जो गांव नानोवाल नं० 77, तहसील रोपड़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, रोपड़ के कार्यालय के विलेख सं० 23, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकत (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल डी एम/40/79-80--श्रतः मुझे, श्रार० के० मसहोत्रा,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 13-श्रार है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई हैं श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से श्रिषक हैं श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (भा) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिष्ठितयम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः शब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में. मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपभारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---

- श्रीमती जमबन्त कौर पत्नी श्री रत्न सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह 2264, नाई बाली गली, गली नं० 67, गुरह्वारा रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पुष्पा बन्ती पत्नी श्री मुन्शी राम, 603/1, न्यू जनता नगर, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, को भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:--
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **ख से**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'जक्त ग्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकाने नं० 13-भार, माङल टाउन, लुधियाना।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधिमाना के कार्यालय के विलेख मंख्या 429, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> आर० के० मलहोता सक्षम प्राधि**कारी,** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**धण),** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहरः

प्ररूप ध्राई० टी० एन० एस०——— श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल डी एन/42/79-80—-प्रतः मुझे, प्रार० के० मसहोता,

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 खा के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्राधिक है

प्रौर जिसकी सं 1/2 भाग मकान नं 13-प्रार, है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपा- बद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रोर अन्तरित (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बाहाबिक रूप में कथिन नहीं किया गया है: →

- (म) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा का लिए; भ्रौर/या
- (ख) एसी किसी बान या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रामीन निम्नलिखित स्थिकतयों, ग्रामीन:——

- 1. श्रीमती जसबन्त कौर पत्नी श्री रन्निसह पुत्र श्री रणजीत सिह, वासी 2264, गली नं० 67, नाई वाली गली, गुरहारा रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विषन कुमार पुत्र श्री मुन्गी राम, 604/1, न्यू जनता नगर, लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब अ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

1/2 भाग विहान तं व 13-प्रार, माल टाउन, लुधियाना । (जायेंदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संव 460, श्राप्रैल, 1979 में दर्ज हैं)।

> न्नार्० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 7 दिसम्बर, 1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

स्रायकर स्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के स्रधीन सुचना

भारत सरकार कार्पालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षय)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश मं० एल की एन/63/79-80--ग्रतः मुझे श्रार० के० मलहोताः

आयकर प्रधिनिय: 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधि कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मानस्ति जिसात उचित बाजार मूच्य 25,000/ रुपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी-2/1561/1 है तथा जो कूचा पं० देस राज, नजदीक कलौक टायर, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के श्रीन ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को 'जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 कुंका 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर भ्रधिनियम या धनकर भ्रधिनियम या धनकर भ्रधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं भतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:→→

- श्रीमती कान्ता संघड़ पत्नी श्री श्रमंबीर सेंघड़ वासी 66-मन्त नगर, सिविल लाईन, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कान्ता गोयल पत्नी श्री भीम सेन, वासी 33-बी, उधम सिंह नगर, लुधियाना। (श्रन्तरिती)
- 3. मैसर्ज मुकीम मेडिकल एजैन्सीज, शाप नं० बी-2-1561/1, कुण्चा पं० देम राज, लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्भव्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल बिलर्डिंग (कर्माणयल व रिहायणी) जिसका क्षेत्रफल 53.1/3 वर्ग गंज है और जो कुण्चा पं० देस राज नजदीक क्लोक टावर, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाय जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख मं० 636, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप गाई • टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961-कर 43) की प्रारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एस० प्रार० डी०/26/79-80---प्रतः सुझे, प्रार० के० मलहोत्रा.

भायकर अधिनियम, 1861 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत वाजार मृत्य 25,000/-र∗ से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 5 मरले हैं तथा जो गांव मतेवाली, नहमील सरहिन्द्र, जिला पटियाला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की पर्ड है पीर मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथ्णपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से रेसे दृश्यमान प्रविफल का पन्द्रह् पतिशत से अधिक है बीर अस्तरक (आन्तरकों) प्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त झिंबिस्थ के झिंबित कर देने के धन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे क्वने म सुविद्या के लिए; श्रीट/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन पा श्रन्य पास्तियों को जिन्हें भायकर पश्चितियम, 1922 ('922 का 11) पा एक्त प्रधितियम, या धन-कर प्रधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया पया वा किया जाना नाहिए था, छिपाने म सुनिद्धा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के अनुसरम में मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथीत:— श्री इन्दर सिंह पुत्र श्री श्ररुड़ सिंह, वासी गांव श्रतेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)

2. मर्बश्री दलीप मिह, जगीर मिह पुत्त श्री खजान मिह, बामी गाव अनेवाली, तहमील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यॉक्त पण्याचि के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र म प्रकाशन की तारी श्र से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिश्व, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्रविक दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्म होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 5 मरले है घोर जो गांव द्यतेवाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी, सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 501, मई, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्या श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुझियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोइर:

जच्य याहे≉ ही० एत≉ एस≉⊶---

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) हे भंधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस श्रार डी/27/79~80—-श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

भायकर उधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिये इसमें इसमें प्रथान, 'उन्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अ क्षेत्र भवन गाबिकारी की, यह जियबाय करने हा कारण है कि स्थावर सम्योग, जिसका उचित बाजार भ्रम 25,000/- का लिखका है

और जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव अतेवाली, तहसील सर्राहन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उविश्व बाजार मूल्य से अन्य के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में स्मृतिकृत अध्य व विश्वित में स्मृतिकृत अध्य व विश्वित में

- (क) अन्तरण से हुई किती थात की बाबत, तक्त पिश्वियम क मधीन कर वैने के धग्तरक के वाशित्य में कमी करने या उपने क्वने में मुक्किश के लिए। और/या
- (आ) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिम्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उक्त अधिनियम, या धन-कर एधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के सिए।

अतः धन, उक्त प्रश्नित्यम की धारा 269-म के मनुसरण में, में, उक्त प्रश्नितम की धारा 269-म की नपद्मारा (1) अधीन, निम्नलिखिन न्यक्तियों, अव्यत् :----4--416GI/79

- श्री इन्दर सिंह, बलकार सिंह पुत्र श्री श्ररु सिंह मःसी गांव प्रतेताली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- श्री दलीप सिंह, जगीर सिंह पुत्त खजान सिंह, गांव प्रतेवाली, तहमील मरिहन्द, जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्योक्त सम्पति **के मर्जन** के जिल्कार्यकाहियां **कर**ता हूं।

उत्त सम्यन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप !---

- (क) इस सूबता के राजराज में प्रकाशन की तारी आ से 45 बिन की अबिध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूबना की तामी खेसे 30 बिन की अबिध, जो ची धबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धीक्स अधिसयों में में किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सुवता क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थायर सम्प्रत्ति में दितक ह किसी अन्य व्यक्ति दारा, ग्रधोहस्ता करी के पास निखित में किए जा सकते।

स्वक्तिकरगः---इसमें प्रयुक्त जक्तों और पदों का, यो उक्त अक्रिक तियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होजा जी क्रम अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल 12 मरले है श्रीर जो गांव अतेवाली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 502, मई, 1979 में दर्ज है) ।

भार० कें० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रकप आई॰टी० पुन• एस•---

भागभर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीकण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांकः 7 दिसम्बर 1979

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द० से अधिक है

ष्रोर जिसकी सं० मनान नं० 40-डी, माडल टाउन, है तथा जो पटियाला में स्थित है (ष्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिणत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से किया नहीं किया गया है: ——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिष्ठियम के भ्रषीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुक्किया के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धव, उन्त भिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, सर्पात्:--

- 1. श्री ह्जारा सिंह पत्र श्री किरपा सिंह पुन्न श्री जवाहर पिंह वासी महान नं० 40-डी, माङल टाउन, पटियाला। (श्रन्तर्क)
- 2. श्री मुरजीत सिंह पुत्र गुरदित सिंह व श्री चरन पालिसिह पुत्र श्री मुरजीत सिंह वासी 40-डी, माडल टाउन, पटियाला। (अन्तरिती)

को यः त्रुवना जारी करके पूर्वीका सम्पन्ति के धर्णन के निये कार्यवास्त्रियां कपना तंत्र

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इन पूत्रा के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर धूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी अत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 नान निद्धा में किए जासकेंगे।

स्यध्योतरण:--डमर्ने प्रयुवत शक्दों श्रीर पदीं का, जो जनत प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रयोहीगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

महान नं० 40लडी, जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज् है और जो माइल टाउन, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 765, मई, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्री मक्षम प्राधिकारी, महाय ायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

मोहरः

प्रकृष प्रार्धे • टी • एन • एस • ---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रा<mark>युक्त (निरीक्ष</mark>ण)

> > **प्र**र्जन रेंज, लुधियाना

लुधियानाः, दिनां।: 7 दिसम्बर 1979

िनदेश सं० पी टी ए/17/79-80--ग्रतः भुझे, ग्राप्र० के० मलहोत्ना,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधक है

श्रीर जिनकी सं० प्राट न० 8, श्रजीत नगर है तथा जो पटियाला में स्थित है (श्रांर इनमे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिनस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, पटियाला कें रिनस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रकारित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत प्रस्तरण लिखित में वास्तविक ख्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, भ्रायकर भिधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के भिभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्वात् :---

- श्रीमती सितन्दर कौर पत्नी श्री जगदीश सिह फूतका, वासी गां० बेर खुरद जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राजदुलारी विधवा स्व० श्री देस राज, श्री ओम प्रकांग, श्री सुभाष चन्द, श्री ग्रनील कुमार पुत्र श्री स्व० देग राज, वासी श्रजीत नगर, पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तमकन्य में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की अवधि, जा भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तादारी के पास लिखित में किए, जा सकेंगे।

र हिटीकरण ---इपर्ने नयुक्त सध्दों स्रोर पद्मां का, जो उक्त भ्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्याद तंव 8 जिसाम क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है और जो स्रजीत नगर, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैपापिः रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 374, स्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

कार्यालय, सद्दायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निवेश सं० सी एच डी/20/79-80--ग्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोत्रा,

शायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उस्त प्रवितियम' कहा गयर है), की धारा 269-च के प्रशीन शंभन प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि म्थायर सम्पत्ति, जियका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- ४० में प्राधिक है और धौर जिसकी सं० प्लाट सं० 1571 है तथा जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (धौर इसमे उपाबड़ अनुसूची मों धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के

कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, अभेल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिन वाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल ऐसे, से दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तर्य के निए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित अदेश्य से उक्त अस्तर्य विश्वा में बाक्तिक कम से कथिय नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष भी गायत उपत अधिनपन, के अधीन कर देने के शासरण के अध्यय म कारी करने क उससे मजने में मुविधा क स्थिए; भीर/या

अतः, ग्रब, उक्त श्रीधिनिधन श्री श्रारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रीधिनियन की आरा 269-घ की उपधारा (1) के स्रवीन, निष्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

- 1. डा० श्रीमनी मेजर मरला शर्मा, कौमन्ड हस्पताल अलीपुर रोड, गलकता। (अन्तरक)
- 2. डा० डी० वी० वदेहरा व श्रीमती सुरिन्दर वदेहरा, वासी डब्ल्यू-4, सैंक्टर 14, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

स्वत सम्पत्ति के बर्जन के एम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस यूक्ता के इक्तक ने ब्रक्तका का नाराख ने 45 दिन की प्रवाद या तत्संबंधी व्यक्तियों पर यूतना का नागीन ने 30 दिन की प्रविध जो नो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर यूक्तिन व्यक्तियां में ये किया व्यक्ति द्वार:
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की सारीध से 45 किए हैं जीवर उका साजर सम्पत्ति में दिलाब किया जाना जीवर क्रीस भागति में दिलाब किया जिला के पास लिकिए के पित्र की पास लिकिए के पित्र का महींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें अवन्त मन्दों सोर पहीं का, जो उक्त अन्तिनियम है अन्वाय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो अस अठराय में दिया गया है।

धम्सुषी

प्लाट नं० 1571, जिसका क्षेत्रफल 631.37 वर्ग गज है श्रौर जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 87, अर्प्रैल, 1979 में दर्ज

> ग्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰—————— आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक प्रायकर **भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनां ह 17 दिसम्बर 1979

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चान 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मनित निकास जीवन बाजार मूल्य 25,000/- कपर्य से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 767, है तथा जो सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ख्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4/79 को पूर्वान्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकत के थिए अकिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिकत से, ऐसे दृश्यमान अतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें आयकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत्र, उबत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, तकत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री फुमन सिंह गिल पुत्र श्री सुन्दर सिंह गिल वास ी अमृतसर कैन्ट, द्वारा अटारनी श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी श्री मोहन सिंह वासी 767, मैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरत)
- श्री मुखदेव सिंह पुत्र श्री भोहन सिंह वासी 767, मैंक्टर 8-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- 3, श्रीमती ज्ञान कोर पत्नी श्री मोहन सिंह, वासी 767—सैंक्टर 8—बी, चण्डीगढ़ ।

(बहुब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 श्री इन्दरजीत सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह वासी 767-प्रैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ ।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयंहीया जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

1/2 भाग प्लाट नं० 767, जिसका क्षेत्रफल 999.4 वर्ग गज है फ्रौर जो सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 8, ग्रप्रल, 1979 में दर्ज है)।

> आर० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), प्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० CHD/2/79-80—यतः मुझे प्रार० कै० मल्होन्ना,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 माग प्लाट नं० 767 है, तथा जो मैंक्टर 8-बी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल,79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्थ से उनत श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) स्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिन नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसा िको प्राप्त पा किनो बा वा प्रत्य प्रास्तिनां को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :—

- 1. श्री फुमन सिंह गिंत पृत्र श्री सुन्दर सिंह गिंल बाँधी अन्तमर कैंन्ट, द्वारा अटाएमी श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी श्री मोहत सिंह वासी मकान तं० 767, मैक्टर 8-बी, चण्डीगड़। (अन्तरक)
- 2 श्री इत्दरजीत सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह वासी मकान नं० 767, सैस्टर 8-बी, चण्डीगढ़। (अस्तरिती)
- 3. श्रीमती ज्ञान कोर बस्ती श्री मोहत सिंह वासी मकान नं० 767, सैक्टर उन्त्री, नण्डीगढा (बह व्यक्ति, जिसके अधिसाम से मस्पति है।)
- 4. श्री गुजरत सिंह गुज जी जाहन सिंह, वासी मकान नं० 767, सैस्टर 8-बी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि यह अस्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके प्रतिश्व सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर सन्पति के अर्वन के सम्बन्ध में कोई सो आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रविध या तत्यम्बनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बारा;
- (ख) इस सूबना के राजात्र में प्रकारत का तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-वद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रत्रोहस्तालरी के पास लिखिन में किए जा सहेंगे।

स्वब्दोकरण:--इ.पर्ने प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्र**नु**सूची

(जायेदाद ।/2 भाग प्लाट नं० 767, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़, जिपका क्षेत्रफल 999.4 वर्ग गज है)

. (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 9 श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है) श्रार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरोक्षण),

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रका माई • टी० एत • एस • · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आस 269घ (1)' के अधीर एवन'

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयक्तर आपुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० ग्रार ए जे/34/79-80—-ग्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त वर्षेतिकर' उस् तथा है), को भारत ३८०० के प्रशीत वक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का एत्या वर्षेत्रकर के निवार के ति । त्रिकर के त्रिकर प्रवार पूर्व 25,000 - प्रवास अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० भूमि िति क्षेत्रकल 77 बनाल 10 गरलें है तथा जो गांव केड्र एक तर्सीत र अपुरा, जिल्ला पटियाला में लिया है (ग्रोर इससे उपायद अनुस्त्री में श्रीर पूर्ण क्ष से विभिन्न है), स्विल्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यातर, राजपुरा में, रिक्ट्रिकरण स्तिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारील मही, 1979 को

पूर्वोक्त संशित के अभिन वाजार नरूर से कम के दृष्टमान विकित्त के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे गह विष्यास का ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रयन्ति ता रचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित प्रयाप प्रतिकृत का पत्रह प्रतिशत जीति के गीर अन्तरित (अन्तरितियों) के गिर्व देश वन्तरित के निष् प्रयास प्रतिकृत सिन्तरितियों) के गिर्व देश वन्तरित के निष् प्रयास विकित में अस्तिकृत, निम्तिविज्ञित रहेष्य ने उत्तर अन्तरित में अस्तिकृत, निम्तिविज्ञित रहेष्य ने उत्तर अन्तरित में अस्तिकृत, निम्तिविज्ञित नहीं किया गया है ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाप की बानन, उदत वर्षा-मियम, के वर्षान हर की के चनन के किए: में कभी करने वा उससे बचने में तृबिधा के लिए: बंग्ड/या
- (खा ऐसो किसी पार मा किसी धन या अन्य आस्तिको का कर्न गार के अन्य शोवनियम 1932 (1932 का ६३) या उक्त मधिनियम मध्या कर स्थितियम, 1957 (1957 में 27) के प्रयोजनार अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया मध्य ना किया जाना भाक्षिए को, कियान में सुविधा के नाम

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम, की जारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्: —

- 1. श्री तात िंद पृत श्री उगर सिंह, सर्वश्री श्रजमेर गिह, गुरबबन निंह, गुरबबन पिंह, हरजीत निंह पुत श्री लाल निंह गुढ उगर सिंह बाही गांव केहर गढ़, तहसील राजपुरा, जिता परिवाला। (श्रन्तर्व)
- 2. तर्वश्री बहादुर विह, धनर सिंह, श्रमरीक सिंह, भूषिन्दर सिंह पृत्र श्री उन्दर निंह पृत्र श्री उत्तप सिंह वासी ग्राम पुरद्वितपुरा वताय नित्यं, तहसील राजपुरा, जिला परियाना। (श्रन्तिरिती)

को पह प्चता जारी करके प्रबंकित संपति के अर्जन के विष् अर्थितिया भरता है।

- ार तंपति इ प्रजेर ह यहा में राई भी आक्षेप:--
- (म) इन भूतना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि ए त्संचंत्री व्यक्तियों पर भूचना की तापील से 30 दिन को अन्यि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हीतां ता, मंभीतर एवंकिन क्यक्तियों में में कियी क्यक्ति तर
- ाधः इस स्वता के राजात्र में प्रकाशन की **तारीख दे** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव**ढ** किसी अन्य व्यक्ति में , प्रवोहस्ताक्षरों के पात विकित्त में किये जा किये ।

स्वड्टी हरण :-- इन वें नयुक्त ग्रब्दों और पदों हा, को छक्त श्रीक्षित्रम के श्रक्षाय 20-क में परिकाणित है, नजा पर्य होगा, जो तस सम्याप में दिया गया है

श्चनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 77 कनाल 10 मरलें है और जो गांव केड्रगढ़, तड्बीन राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है।

(त्रापेशक तैना कि रजिन्द्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यात्रय के विलेख संख्या 509, मई, 1979 में दर्ज है)

ग्नार० के० मलहोत्ना स**क्षम प्राधिकारी** महायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण</mark>) ग्रावेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिमम्बर, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर बिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घधीन सूचता

भारत सरकार

हामौत्रक, उहावत प्रायक्षश प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लक्षियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश मं० एस आए डी/10/79-80--श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पंति जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी गंख्या भिम जिमका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पिटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रशैल, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिका के लिए;

अतः भन, उक्त भिधितियम, की धारा 269-य के मनुसरण में, में, उत्त श्रीधितियम की धारा 269-य की उपचारा (1) के अधीन, निम्निकिबित व्यक्तियों, भर्मात्।——

- मेगर सुरिन्दरणाल िह, ध्रमरपाल सिंह पुत श्री राजित्दर सिंह वासी देहरादून, खेबटदार गांव नरैनपुरा उर्फ नेखपुरा, तहसील गरहिन्द जिला परियाला। (ध्रन्तरक)
- 2. मर्बश्री बरिन्दर मिह पुत्र श्री हरबक्स भिह, श्रजीत गिह पुत्र श्रात्मा मिह युत्र श्री जाता मिह वासी खानपुर, तहसील सरहिन्द जिता पटियाला। (श्रन्तरिती)

हो यह भूवना जारी करके पुर्वोक्त सम्मत्ति के भर्तन के लिए कार्मवाह्यमं करता हुं।

उनत पम्पति के प्रजैन के पम्बन्ध में कोई भी प्राञ्चेप:--

- (क) उन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज मे 30 विन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीकत व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजनक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद-बढ़ किसी प्रश्न का किन द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पडडोक्करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढों का, जो छक्त श्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिवा गया है।

अनस्ची

भूमि जिसका क्षेत्रकल 31 कनाल 11 मरले हैं श्रीर गांव नरैनपुरा उर्फ सेखारा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 171, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रकप साई•टी•एन•एत•---

भागकर विविवयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-व (1) के मधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'खक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 289-ख के प्रधीन संक्रम प्राप्तकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जायदाद व भूमि जो ऐडगेंबर्च के नाम से, जानी जाती है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला, जिला शिमला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिमला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रील, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है —

- (स) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उबत अधिनियम के अधील कर देने के घण्टरक के दायिस्य में कमी करने बाउनों बनों में मुक्तिया के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, धवौत:-5-416GI/79

- श्री करतार सिंह मलहोत्ना, श्राई० ए० व ए० एम० (रटैरड़) पुत्र स्व० श्री लाभ सिंह मलहोत्ना ग्राफ गुजरांवाला वासी ऐडगेवर्थ, छोटा णिमला (हि० प्र०)। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री कृष्ण गोपाल भासीन पुत्र स्व० श्री लच्छमन दास भासीन, श्रोम प्रकाश भासीन पुत्र श्री लच्छमन दास भासीन, श्री सुरिन्दर कुमार भासीन पुत्र श्री लच्छमन दास भासीन, श्रवण कुमार भासीन पुत्र श्री कृष्ण गोपाल भासीन सारे वासी न्यू एलीन्गम लॉज, कार्ट रोड़, शिमला-1 (हि० प्र०)।
- 4. श्री सुरेण चन्द भार्लेक व ध्रन्य, ऐडगेबर्घ, छोटा शिमला। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवत किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगें।

क्षक्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त क्रव्यों भीर पर्वो का, जो उक्त धर्षिनियम के ध्रक्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ध्रक्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि व बिल्डिंग जो ऐडगेबर्थ के नाम से जानी जाती है स्रोर जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, णिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 244, ग्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

श्रार० के० मलहोता सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुध्रियाना

ल्धियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एस एम एन/12/79-80--श्रतः मुझे श्रार० के० मलहोत्रा,

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/— रुपये से भ्रिधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 72 कनाल 16 मरले हैं तथा जो गांव बहमनां सब तहसील समाना, जिला पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, समाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपकारा (1) के श्रधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत:→

- 1. श्री गुरहरि मिह पुत्र श्री हरनाम सिंह, गांव बहमना मबतहसील समाना, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- श्री सेवा सिंह पुत्र श्री गरहिर सिंह, वासी गांव बहमनां, सब-तहसील समाना, जिला पिटयाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इममें प्रयुक्त मध्यों मौर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफैल 72 कनाल 16 मरलें है ग्रौर जो गांव बहमना, सब-तह्सील समाना, जिला पिटयाला में स्थित हैं।

(जायदाद जैसा कि रिजस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी, समाना के कार्यालय के विलेख संख्या 280, मई, 1979 में दर्ज है)

> न्नार० के० मलहोता सक्षम ग्रधिकारी सहायक न्नायकर भायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेंज, लुधियान।

तारीख: 7 विसम्बर, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

म्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एस भार डी/3/79-80---श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से भ्रधिक है

ष्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेंत्रफल 28 विघा 18 विसवा है तथा जो गांव बलाहड़ी तहसील सरिहन्द में स्थित है (श्रौर इससे उपाबश्च श्रनुसूची में श्रौर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सरिहन्द में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरिकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत् :—

- 1. श्री सुरजन सिंह पुत्र श्री महा सिंह वासी बलाहड़ी खुर्द, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)
- 2. सर्वश्री गमदूर सिंह, चरनजीत सिंह पुत्र राय सिंह वासी गांव बलाहड़ी, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 विघा 18 विसना है स्रौर जो गांव बलाहड़ी खुर्द, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 66, प्रप्रैन, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मल्होता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेंत्रफल 11 कनाल 12 मरले हैं तथा जो गांव को हगढ़, सब-तहसील डेंराबस्सी, जिला पिट्याला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रतस्ती में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, डेंरा बस्सी में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1979 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर प्रन्तरक (ग्रन्तरिकों) ग्रौर प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- श्रीमती घक्की वेवी पत्नी श्री द्वारका दास
 श्री संकर दास वासी भवात तहसील खरड़ जिला रोगड़।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हीरा लाल सिबल पुत्र श्री डी० डी० तिबन वासी 29, सैक्टर 5, चण्डीगढ़।

श्री श्रार० के० नन्दा पुत्र श्री एम० एल० नन्दा वासी 16 बेलबर्डेर रोड़, कलकता-27 (श्रन्तरिती) को यहीं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के सबंध में कोई भी भारतप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणित की तारीख से
 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की ग्रवधि जो भी
 ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरों के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 कनाल 12 मरले है और जो गांव लोहगढ़, सब-तहसीन डेराबस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेंरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 110, मई, 1979 में दर्ज हैं)

भ्रार० के० मलहीता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख:..7 दिसम्बर, 1979

प्रारूप धाई० टी० एन०एस०-

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की छारा 269-ष (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० डी० बी० एस०/22/79-80---ग्रत: मुझे, ग्रार० के० मलहोसा,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की छारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- क० से श्रिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 विधा है तथा जो गांव जड़ोत, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उना प्रन्तरण निजित्त में बास्निति हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुमरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- में सर्वश्री हाकम सिंह, राम करन, राम सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह श्राफ जड़ोत वासी गांव करघान, तहसील व जिला ग्रम्बाला। (ग्रम्तरक)
- 2. सर्वश्री रत्न सिंह, निर्मल सिंह, गुरमेल सिंह पुत्र श्री नारना सिंह, श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र भागींसह, वासी गांव बटोली, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त णश्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

धनुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 विघा है श्रीर जो गांव जड़ां। सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 254, मई, 1979 में दर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहावक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7-12-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस•---

षाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 7 विसम्बर 1979

निवेश सं० एनबीए०/34/79-80--ग्रतः मुझे, ग्रार० कें० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्तम प्रोधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संगति जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/- ४० से भिधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांध पैदन तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाधड़ ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1979

को बुबोंक्त सम्मंति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान अतिफन के निर् प्रत्तरित की गई है पौर मुझे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण निखित में बास्तरित का न कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत वक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (वा) ऐसी किनी पाप या जिसी वन या अग्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव भन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

झतः प्रवं, उत्तत अधितियम, सी आरा 289-ग के अनुसरण में, में, उत्तत प्रश्नितियम की आरा 269-ग की उपधारा (1) ये अधीन निम्नलिखित ग्यक्तियों, अर्थात् ।——

- श्री बलदेव सिंह पुत्र श्रीमती निद्गल कौर पत्नी श्री हरदित सिंह गांव बालपुर, नहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री परमजीत सिंह, सुरिन्दर सिंह, बलजीत सिंह बलजिन्दर सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र विगन सिंह, वासी गांव पैंदन, तहसील नाभा, जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टो हस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षेकरण :--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घट्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस घट्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है श्रीर जो गांव पैदन, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, नाभा के कार्थालय के विलेख संख्या 471, मई, 1979 में दर्ज हैं) ।

> श्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० ॅ्सीएचडी०/13/79—80—–प्रतः मुझे, श्रार० के० मसहोदाः

के० मलहोत्रा, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से ग्रधिक है मूल्य श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग ग्रधुरी बिल्डिंग नं० 73, इंडस्ट्री नं० 81 है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण 🙉 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के भीच

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या

ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निजित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रवः, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः—

- 1. सर्वश्री रघवीर सिंह, चतर सिंह पुत्र स्व० श्री जगत सिंह, वासी 240/9सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती सीता वन्ती पत्नी मोहन सिंह, श्रीमती बीबा बक्शी पत्नी ग्रमरजीत सिंह, गोविन्दसिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, वासी मकान नं० 120, सैंक्टर 36-ए, चण्डीगढ़।
- (2) श्रीमती गुरबिन्दर कौर पत्नी हरमोहिन्दर सिंह, श्री जितन्दर सिंह पुत्न श्री हरमोहिन्दर सिंह, वासी 141, सैक्टर 16-ए, चर्णडीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सभाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्जेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मञ्दों ग्रीर पवों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रिथं होगा, जो उन प्रश्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्रधूरी बिल्डिंग नं० 73, इंडस्ट्री नं० 81, इंडस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी, **वण्डीगढ़** के कार्यालय के विलेख सं० 50, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: ७ दिसम्बर, 1979

प्रकप आई • टी • एत • एत • ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 विसम्बर 1979

निदेश सं० डीएल एच०/1/79-80--म्रतः मझे, भार० के० मलहोत्रा,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूक्य 25,000/- क्यमें से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० दिवान लॉज, नार्थ ब्लाक, पंजपुल्ला रोड़ है तथा जो डल्हीजी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनु-सूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डल्होजी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1979

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकृत प्रधिक है और प्रकार (प्रम्तरकों) घीर प्रकारिती (प्रमारितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्राप्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रशिमियम, के प्रधीन कर देने के प्राप्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या हिसी घन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम या ध्रम-कर प्रक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियमः, की धारा 269 के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 क की उप-घारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

- 1. श्री इक्बाल नाथ खोसला पुन्न स्व० श्री प्रेम नाथ खोसला द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री सोम नाथ खोसला पुन्न स्व० श्री प्रेम नाथ खोसला, वासी दीवान लॉज, जी० पी० ग्रो० पंजपुल्ला रोड़, डल्होजी। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती कान्ता महाजन पत्नी श्री शोरी लाल महाजन,
 वासी दिवान लॉज, पुन्जपुल्ला रोड़, डल्हीजी। (श्रन्तरिती)
- 4. श्री मनमोहन नाय खोसला, श्री सोम नाथ खोसला पुत्र श्री प्रेम नाथ खोसला, वासी विवान लॉज, पंजपुल्ला रोड़, डल्हौजी। (हि० प्र०) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (व) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ता-बारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्णीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त कांध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिवादित हैं, वहीं वर्षे होगा, को उस प्रध्याय में दिवा नया है।

धनुसूची

दिवान लॉज, नार्थ ब्लाक, पंजपुल्ला रोड़, डल्हौजी। (जायदाद जैसा कि र्राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, डल्हौजी के कार्यालय के विलेख संख्या 62, प्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोता, सक्षम मधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रस्त आई० टी० एन० एन०----

मःयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979 निदेश मं० डीएलएच०/2/79-80--ध्रतः मुझे ूँधार० के० मलहोत्रा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उन्त श्रधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दिवान लॉज साउथ ब्लाक, पंजपुल्ला रोड़ है तथा जो डल्हौजी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय डल्हौजी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्राग्रेल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उम्रके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित ग्रीविकल, निम्नौलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित ग्रीविव स्था से क्ष्य से किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की याबत, छक्त मधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए, भौर/या
- (ख) एसी किसी थाय या किसी धन या थ्रान्य थ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय थाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, था श्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियाजाना चाहिए था, छिपाने में निया के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित ध्यक्तियों, श्रधीत :--6--416G1/79

- 1. श्री सोम नाथ खोसला पुत्र स्व० श्री प्रेम नाथ खोसला, दिवान लॉज, जी०पी०ग्रो०, पुन्जपुल्ला रोड़, डल्हौजी (हि० प्र०)। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती कांता महाजन पत्नी श्री शोरी लाल महाजन,
 विवान लॉज, पुन्जपुल्ला रोइ, डल्हौजी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यकाहियां फरता हूँ।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो तो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----ध्समें प्रयुक्त णश्दों श्रौर पदों का, की 'उक्स श्रिधिनियम', के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुमूची

दिवान लॉज, साऊथ ब्लाक, पुंजपुरुला रोड़, <mark>उल्होजी</mark> (हिं० प्र०) ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डल्होजी के कार्यालय के विलेख संख्या 63, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मल्होता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 7 विसम्बर, 1979

प्ररूप स्राई० टी० एन० एम०-----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुक्षियाना लुधियाना, दिमोक 7 दिसम्बर 1979

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव लोहगढ़, सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक्त श्रिधकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1979

(1908 का 16) के अधीन, तीरीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण कें, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—

- श्रीमती ग्रक्की देवी पत्नी श्री बयारका दास पुत्न श्री संकर याग बासी भयान तहसील खरड़, जिला रोपड़। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती श्राणा नन्द पत्नी श्री पी० के० नन्द, वासी 16-बैस बडेल रोड़, कलकत्ता-27, श्री हीरा लाल सिबल, वकील पुत्र श्री डी० डी० सिबल वासी 29/5, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहन्तावरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें अनुक्त णब्दों श्रीर पद्यों, का जो श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 33) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 कनाल 12 मरले हैं ग्रौर जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा वस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 65, मई, 1979 में दर्ज है)

> न्नार० के० मल्होत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

शरूप याई• टी॰ एन॰ एस०---

आयकर भ्रानियम, 1981 (1981 ना 43) की घारा 269-व(1) के भूषीत मूचना

भारत सरकार

हार्यालय, मज़्यिक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश मं० एस म्रार डी/9/79-80—म्रतः मुझे, म्रार० के० मल्होत्रा,

मायकर अधिनियम 1931 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्राधितयम कहा गर 🗈), को भारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर नम्पलि, जिसकः उत्तिर बाजार मृत्य 25.00% र० से भ्रधिक है श्रीर जिसकी गं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव नरेरनपुरा उर्फ नरेनपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपा**बद्ध** श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्राप्रैल, 1979 को पूर्वास्त सम्पात के उचित बाजार मुरा से कम के दुष्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यशभूवेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ५४४ एन प्रतिका ने, एँ रे दृश्यवान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अध्यक्त है भीत भन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के सर हुई अन्तरक ४ लिए तय अध्ययमा प्रतिकत्त निम्तलिबिस उद्देश्य य उत्तेत अन्तरम लिखित में सम्मधिक का से कथित नहीं किं। गया है:---

- (स अन्तरम ने दुई किसी आध का सक्त, छक्क आधि ान स्म के अधीन कर देने के अस्तरक के व्यक्ति में रही करों ज प्राप्त वचने में सूविधा के लिए∤ और या
- (अ) ऐसी किसी आय का किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था का किया जाना बाहिए था, खिणान में सुनिधा के लिए;

अतः अअ, उना प्रधिनियम को घारा 269ना के अनुसरण में, में, अन्त की प्रतिस्थ का भारा 269घ की उत्त्यारा (:) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मेजर सुरिन्दरपाल सिंह, भ्रमरपाल सिंह पुत्र श्री श्री राजिन्दर सिंह वासी देहरादून, खेबटदार गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सर्रहिन्द, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री सुखबीर सिंह, राजबीर सिंह, बिकमबीर सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह, वासी गांव खानपुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अस्मिन के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाजन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत गांक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्प्रांस में हितसद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, नो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है और जो गांव नर्नैनपुरा उर्फ सेखपुरा,तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 170, ग्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 7 विसम्बर, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियान लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस ग्रार डी/7/79-80--श्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-- क्पाए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरब हिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, सरिहन्द में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का उपरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ब्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेग्य से उक्त प्रतारण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के भ्राधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ध्रतः, भ्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- मेजर सुरिन्दर पाल सिंह, श्रमरपाल सिंह पुत्र श्री राजिन्दर सिंह वासी देहरादून खेबटदार नरैनपुरा उफ सेखपुरा, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला। (ग्रन्तरक)
- श्री जगदेव सिंह, हरभजन मिंह पुत्र मोहन सिंह वासी गांव खानपुर, तहसील सर्राहन्द, जिला पटियाला। (श्रन्तिरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सुवना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका वाकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदिशकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-रु में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 11 मरले है ग्रौर जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, सर्राहेन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 168, श्राप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्रार्० के० मलहोन्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रस्प प्राई० टी० एन० एन०----

बाप तर ब्रांधिनियम 1961 (1961 हा 43) की बारा 269य (1) के ब्रवीत सूचना

भारत सरकार कल्योतार, पहुलाह अलाहर अल्ला (निरीक्षणे)

श्चर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिसांक 7 दिसम्बर 1979 निदेश सं० एस आर डी/४/79—৪॥——श्रत: मजे, आर०

के० मलहोत्ना,

भागितर परिवेतिका, 193' (1931 हो 137 (जि. इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), की बारा 269 ख के अधीत सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास हरने हा हारण है कि स्वायर कालि, जाहा उतित याजार पृथ्य 25,000/ स्वाये से अधिक है

भीर जिसकी संव भूमि जिसका क्षेद्रपत्त 21 वनाल 12 मरल है तथा जे नरैनपुरा छर्फ केर्यपुरा तहसील सरहित्य जिला पटियाला में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहित्य में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने तम के दृष्यमान अतिफल के लिए श्रन्तरित को गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम तरने का जारण है कि यथापूर्वोक्त को गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम तरने का जारण है कि यथापूर्वोक्त को गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम तरने का जारण है श्रीर श्रम्वरित (श्रम्तिकों) और श्रम्वरित (श्रम्तिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम प्रधा था। प्रतिकत निम्निविधित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तिविध हम में एथिन नहीं किया गया है:—

- (ह) प्रतारण गाउँ कियो प्राप्त की बाबा, उक्त अधिक निवन के प्रतीत कर देने के प्रतारण के दायित्व में क्यो करने या उनल बजने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी हिसी आप या किसी धर या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, याधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यः। शब, इका अधिनियम की धारा 269-ग के वनुनरण में, मैं, उका प्रश्चितियम की धाः। 269घ को उधारा (1) के अर्धान, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः —ं मेजर मुरिन्दरपाल सिंह, भ्रमरपाल सिंह पुत थी राजिन्दर सिंह, बासी देहरादून खेवटदार गांव नैरनपुर। उर्फ सेखपुरा, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला। (भ्रन्तरक)

2 श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री हरवन्म सिंह, गांव खानपुर तहसील सरिहेन्द, जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह नुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापीज में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मिली व्यक्ति बारा;
- (ख) इन भूतता के राजात में प्रकाणन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर गमित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्डीकरण .→ -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 ह में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 12 मरले है स्रौर जो गांव नरैनपुरा उर्फ मेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसािक रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 169, श्रिप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> भ्रार० के० मलहोत्ना ृसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ार्ग्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस० श्रार० डी०/6/79—80——श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संव भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक कारी के कार्यालय, सरहिन्द, से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द, से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के निए ता पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था िपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रब, उका पधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, म, उकत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- मेजर सुरिन्दर पाल सिंह, ग्रमरपाल सिंह पुत श्री राजिन्दर सिंह बासी देहरादून खेबटदार नरैनपुरा उर्फ सेखपुरा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सतनाम सिंह पुत्र नच्छतर सिंह वासी गांव-खानपुर, तहसील सरहिन्द, जिलापटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचन। आरी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजँन के सिए कार्वगहियां करता हूं !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्गब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गर्या है।

श्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 12 मरले है और जो गांव नरेनपुरा उर्फ सेखपुरा तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, सर्राहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 167, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 19 मरले है तथा जो गांव डडो, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के बार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से धिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीज ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, या घनकर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए,

ग्रतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के ग्रधीन निक्निकिक व्यक्तियों अर्थात्: -- 1. श्री ांगीर सिंह पुत्र श्री विशान गिंह गांव उड़ी, तहसील पटियाला। (ग्रन्तरक)

 श्री मोहिन्दर सिंह, मल सिंह पुत्र श्री बचन सिंह वासी इडो, तहसील व जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना गारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति ने अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्यक्डीकरण :--इसमें प्रपुत्रन शब्दों प्रौर पदों का, जो आधिकर प्रधिनियम 1961(1961 का 43) के प्रक्र्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 19 मरले है श्रौर जो गांव डडो, तहसील व जिला पटियाला।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 81, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्चार० के०मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लिधयाना लिधयाना, दिनोक 7 दिसम्बर 1979 निदेण सं० पी टी ए∫8|79--80---श्रतः मुझे श्रार० के० मलहोवा,

प्रतिप्रदेश प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इति प्रवत् 'उस्त पश्चितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रजीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार भूला 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं और जिसकी संव भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कताल 19 मरले हैं और जो गांव डडो तहसील व जिला पटियाला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्जिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, र्जिस्ट्रीकरण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत, तारीख प्रप्रैल, 1979

को प्रतिश्व समात्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दूरागा गिकत के लिए प्रतिरत की गई है और मुझे यह तिरता होते को हा हारण हैं कि पंथापूर्वोक्षत समात्ति का उचित बाजार मूल्य में इस तिरता होते का हारण हैं कि पंथापूर्वोक्षत समात्ति का उचित बाजार मूला, उनके दूरगमान प्रतिकल में, ऐसे दूरमान गिकित हा पन्दह गिशात में श्राधिक है और प्रतिराह (श्रात्तरहों) और अन्तरिती (श्रात्तरितियों) के बीच एम श्रात्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश व उका प्रतर्भ निस्तित में बास्तिबक रूप से हथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण भे हुई किसी अप्य की बाबत उक्त प्रधि-निरम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायिष्य में क्षी करने यह उत्तो बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐने किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रत:, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उत्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री जंशीर भिट पृत्न श्री विशन सिंह बासी गांव इडी तहसील व जिला परियाला। (अन्तरक)

2. सर्गश्री ईशर सिंह, लाल सिंह पुत्र श्री बचन सिंह वासी गांव डंडो, तहसील व जिला पटियाला। (ग्रन्तश्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त ामानि के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इन सूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रवधि बाद में निमाण्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) उनस्वतः के राज्यव में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी प्रभा अभित शारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्व ब्ही करणः - - इतमें पाका णब्दों और पदों का, जो उक्त ऋधि-निगम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 19 मरले है श्रीर जो गाँव उड़ो, तहसील त जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 130, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोत्रा मक्षम प्राधिकरी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहरः

प्रकप भाई+ ही+ एन+ एत+----

यायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के अभीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निवेश सं० पी टी ए/20/79--80---श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोन्ना,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,900/- व० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दो मंजिल बुकान सं० 3482/2 है तथा जो सरिहन्द बाजार, पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 4/79

की वृबोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान पित्रक के लिये अम्तरित की गई है और मुझे बहु विक्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृहयमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए तय पाया जया प्रतिकल, निम्नसिक्चित उद्देश्य से सकत धन्तरण कि सिए तय पाया जया प्रतिकल, कि कि कि तहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कि ती आय की वाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर के के प्रकारक के दायित्व में कमी करते या उमने वचने में मृविधा के लिए। और/या
- (का) ऐसी किसी पाय या किसी बन या प्रश्न घास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किना बाता वादिने था, किनाने में सुनिया के निए;

अतः अव. उक्त पश्चितियम की धारा 26 9-य के अनुसरण में, में उक्त ग्रीवितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षांत :—— 7—416GI/79

- श्री रुलदूराम पुत्र श्री चरनजी लाल वासी सरिहन्दी बाजार, पटियाला। (भ्रन्तरक)
- 2⁻ श्रीमती गांता देवी पत्नी श्री दीपक मादान, रकेश मांदान पृत्र चेनन दास वासी सरहिन्दी बाजार, पटियाला। (भ्रन्तरिती)
- 3. श्री हन्स राज वासी दुकान नं० 3482/2, पहली मंजिल, सरहिन्दी बाजार, पटियाला। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

जक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस गुचना के राजपस में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की सर्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी धन्य स्थक्ति द्वारा, ब्रघोइस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्ववहीकरण:--इसमें प्रयुक्त जब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनिथम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस धक्याय में दिया गया है।

ग्रमुची

दूकान नं० 3482/2, सरिहन्दी बाजार, पटियासा। (जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, पटियासा के कार्याक्षय के विलेख संख्या 427, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज हैं

ग्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहरः

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•-

आयकर प्रतिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ(1) के समीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्रव, सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ानदश स० बा पा एन/92/79-80—श्रतः मुझः के० मलहोताः,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सम्माधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ल्याउर सम्मति, जिनका उचित बाजार मून्य 25,000/-चपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 2 मरले है तथा जो बरनाला, तहसील बरनाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्भित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मिन्छन के निए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भित का उचित बाजार मूला, उपके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का प्रत्यह प्रतिशत से प्रविक्त है भीर प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तय गया गया प्रतिकत निम्निताबत उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण कि जिल्ल में वास्तरिक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के भंधीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के निए: भीर/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी वन या जग्ब भारितयों की, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए वा, डिजाने में सुविका के निए;

भत: भव, उनत भिवित्यम की घारा 269-ग के धनुसरण में, भें, उनत भिक्षिनियम की घारा 269-घ की क्पधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र रुड़ सिंह, जन्डा वाला रोड, नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती सवरन कौर मारफत सुखदेव सिंह (क्लक, फूड व सप्लाई श्राफिस, पटियाला), वार्ड सं० 4, कच्चा कालेज रोड, नजदीक श्राफिस, बरनाला।
- (2) सर्वश्री कर्म सिंह, मंगल सिंह, श्रमरजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह टलर मास्टर, मकान नं० बी-10-376, बार्ड नं० 5, नजदीक बस स्टड, बरनाला।

- (3) श्री जीत सिंह पुत जगर सिंह, समार्ट टेलरज, चौड़ा मोर्चा बाजार, बरनाला।
- (4) श्री दर्शन सिंह केनथ पुत्र भाग सिंह, सन्धू पट्टी, मकान नं० बी-5-394, बरनाला
- (5) श्री राम गोपाल पुत्र श्री बाडू राम, ड्राईग टीचर, गा॰ हाई स्कूल, गांव धनौला, तहसील बरनाला।
- (6) श्री ज्ञान चन्व पुत्र बृज लाल गुप्ता, चीफ बुकिंग क्लर्क, रेलवे स्टेशन बरनाला।
- (7) श्री भूषन कुमार पुत्र ग्रोम प्रकाश पंडित मकान नं० बी-10-258, पुरानी सन्जी मण्डी, कालज रोड,
- (8) श्री मनीश कुमार पुत्र जगन नाथ , गोल्ड स्मीथ, मेन बाजार, गांव घनौला, तहसील बरनाला।
- (9) श्री प्रेम कुमार पुत श्री चेत राम, लबारिया मौहल्ला, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज, गांव धनौला।
- (10) श्रीमती इन्दिरा देवी पत्नी सरुप चन्द गांव व डा० हरिगढ़, वाया धनौलातहसील बरनाला।
- (11) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी दया कृष्ण अरनाला मारफत श्री जोगिन्वर सिंह पुत्र रुड़ सिंह, जन्डा वाला रोड, नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला।
- (12) श्रीमती स्वीती देवी पत्नी गोबिन्द राम घनौला मारफत श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र रुड़ सिंह, जन्डा बाला रोड, नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप ---(क) इस मूचना के राजण्डा में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक के किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नो इस्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्दों का, जो जनत घिनियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्य होगा जो उस घड्याय में दिया गवा है।

अनुसची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 2 मरले है श्रीर जो राधा स्वामी भवन, बरनाला में स्थित है।

(जायदाद असािक रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, बरनाला के कार्यालय के विलेख सं० 3884, जून, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक **श्रा**यकर **श्रायुक्त (निरीक्षण**), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

प्ररूप गाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

प्रायकर भिवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ए (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

प्रापकर प्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त प्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/-इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3-बी का भाग जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' एक्सटेंशन लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से श्रीवक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी माय की बाबत बक्त प्रक्रिनियम के घ्रधीन कर देने के घ्रग्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आदित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराः प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 269-म के अनुसर्भ में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: --

- सर्वश्री सुधीर कुमार भल्ला व रिजन्दर कुमार भल्ला पुत्र श्री धर्म प्रकाश भल्ला वासी 25 ग्रीन पार्क, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स राम सहाय ग्रग्नवाल एण्ड सन्स, दाल बाजार, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

्प्लाट नं ,3-बी का भाग जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है स्रोर जो इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए' ऐक्सटेंसन लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, लुधियाना, के कार्यालय के विलेख संख्या 395, श्रप्रैल, 1979 में दर्जे है)

> म्राप्त० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 7 विसम्बर 1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 7 दिसम्बर 1979

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-इपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 2—बी, क्षेत्रफल 400 वर्गगज है तथा जो गुप्ता रोड, इन्डिस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी स्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय स्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंब, उन्त ग्रंबिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, उन्त ग्रंधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रंधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:--- 1. श्री सन्तोख सिंह पुत्र जरनैल सिंह पुत्र बाबू सिंह वासी जेडियाला तह०-फिलौर, जिला जालंधर भ्रब जैनीलग रोड़, साउथ हाल मिडिल सैक्स द्वारा श्री पवित्तर सिंह पुत्र श्री मस्तान सिंह। (श्रन्तरक)

2. श्री गुरबक्श सिंह पुत्र श्री किशन सिंह द्वारा मैं० क्यालटी साईंटिफिक डायरज, गुप्ता रोड, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजप न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम, के ग्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 बी जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है श्रीर जो गुप्ता रोड इंडस्ट्रियल 'ए' लुधियाना में स्थित है। (संपत्ति जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के विलेख संख्या 532, अप्रल, 1979 में दर्ज है)

> भ्रार० के० म**ल्**होता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

मोहरः

प्रक्ष पाई• टी• एन• एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा

269 व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निवेश सं० लुधि०/172/79-80—-प्रतः मुझे, ग्रार० के० मल्होत्ना,

आयकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें एसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-व के मुजीत सक्षम प्रजिकारी की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संयक्ति, जिनका उचित बाजार मुक्य 25,000/- व • से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो गुप्ता रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना नं० 2 'ए' में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख जुन, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कन के बृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विषवाम करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिश्रत से मिल है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरिक्तिमों) के बीच ऐसे भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरिक्तिमों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया। प्रतिकत्त, निक्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त भिक्षतियम के भयीन कर केने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बधने में मुजिधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, अन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्यतियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः प्रज, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिंा म की बारा 269-व की जपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थीत् :--- श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री संतोख सिंह, वासी जिल्डियाला तहसील फिलौर जिला जालंधर खब 87-जैनी-लग रोड, साऊथ हाल, मिडल सैक्स द्वारा श्री पवित्तर सिंह पुत्र मस्तान सिंह। (श्रन्तरक)

श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री गुरबक्श सिंह पुत्र
 श्री किरन सिंह द्वारा में क्वाल्टी साईटीफिक श्रायरन,
 ए, गुप्ता रोड़, इण्डस्ट्रियल एरिया 'ऐ' लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वां न सात के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

बन्त संपति के अर्जन के संबव में कोई मां आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्वखड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा भिष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षें।

स्पक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुष्ची

प्लाट नं० 2-ए जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो गुप्ता रोड इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना में स्थित है। (सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 1858, जून 1979 में दर्ज है)।

> भ्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सह्रायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 7 विसम्बर 1979

मोहरः

प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

थारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एन बी ए/12/79-80---भ्रतः मुझे, म्रार० के० मलहोत्रा,

प्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की वारा 269-ख के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विघा 7 विसवा है तथा जो गांव ग्रमेती, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से क्रम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशठ से भिक्षक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्य से किंवत नहीं किया गया हैं।---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिनियम,
 के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिंधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त घंधिनियम, या धन-कर पश्चिमियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया जाना वाश्विए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः शव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्तलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्रीमती तारा रानी वनाम् तारा देवी पुत्री श्री बसंत राय ग्रव पत्नी श्री सरवजीत राय वासी गांव श्रमेती, द्वारा जनरल श्रटारनी श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री बसंत राय।
- (2) सरवेश कुमार वनाम् सुदेश कुमार पुत्र विश्वा-मितर पुत्र रत्न चन्द वासी गांव राहों जिला जालन्धर, द्वारा जनरल भ्रटारनी, श्री ज्ञान चन्द पुत्र बसंत राय,
- -(3) सवाराज कुमारी, सुरक्षा देवी गरेंड डोटरज श्राफ श्री बसंत राय व पुत्तियां श्री विण्वामितर पुत्न रत्न चन्द वासी राहों, जिला जालन्धर, ब्रारा श्री भ्रान चन्द पुत्न श्री बसंत राय। (ग्रन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, श्रजमेर सिंह, भाग सिंह, निर्भय सिंह पुत्र साधु सिंह वासी गांव श्रमेती, तहसील नाभा, जिला पटियाला। (श्रन्तरिती) को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां हरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस र्वात के राजनव में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की श्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोड्स्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त श्रिक्षित्यम के शब्दाय 20क में परिचाषित है, बही अर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विघा 7 विसवा है ग्रीर जो गांव ग्रमेती, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 220, मई, 1979 में दर्ज है)

> म्रार० के० मलहोसा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

प्ररूप साई०टी∙एत∙एस∙—

धायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मंग्रीन चुचना

भारत सरकार

कार्यानव, तहायक धायकर <mark>स्रायुक्त (निरीक्षण)</mark>

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० पी टी ए/13/79-80-म्नतः मुझे, म्नार० के० मलहोता,

भायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अश्रीत मक्षम ग्रीविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/-क्पए से ग्रीविक है

श्रीर जिसकी सं० जायदाद दुकान नं० 3475/2 है तथा जो सरिहन्दी बाजार, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/79 को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल खा पन्दर प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पया ग्या प्रतिफल निम्नितिया उद्देश्य के उनत अन्तरण लिखित में वास्नित हुन से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से तुई कियो बाय को बाबन उन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप या किसी घन या ग्रम्थ प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने मं सुविधा के निए

थतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- सर्वश्री ज्ञान चन्द, रमेश चन्द, धनी राम पुत्र
 श्री रोशन लाल गुप्ता, वासी सरहिन्दी बाजार. दर्शनी गेट,
 पटियाला।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रर्जन दास पुत्र श्री बलू राम, जनरल मरचेंट 3475/2, सरहिन्दी बाजार, पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में बकाशन की तारीख से
 45 दिन की धवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 भूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 धवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उत्तत ग्रहि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उन ग्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाव शाप नं ० 3475/2, सरिहन्टी बाजार, पटियाला।

(जायदाद जैसा कि र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 259, ग्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० ० एम० एल०/8/79—80——श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार महाय 25,000/- क्पये से मिनिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 10 विस्ता है तथा जो कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रश्नरित की नई है धौर मृत्रे यह तिश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार पूर्वा, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और प्रश्नरक (ग्रस्तरकों) भौर प्रश्नितित्वों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत प्रश्नरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रक्षितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व म कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या धन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रोधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अव, उपत प्रधिनियम की धारा 26 कर्म के धनुसरण में, में, अकृत प्रधिनियम की धारा 26 कर्म की उपधारा (1) के अधीन निस्तिस्थित व्यक्तियों, ग्रमीतः ----

- श्री लाभ सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह वासी गांव कुकड़ भाजरा, सब तहसील ग्रमलोह। (ग्रन्तरक)
- श्री बाबू सिंह पुत्र सन्ता सिंह वासी लाङ्पुर, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंज में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की घनिध, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, भ्रमोहस्ताभारी के पास लिश्रित में किए जा सकेंगे।

स्राध्शिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पवीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभावित है, वही प्रयंहीमा जो उन अध्याय में विया गया है।

अनुसृची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 10 विसवा **है ग्रीर** जो गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 74, ग्रप्रैल, 1979 में वर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

प्रकृप अहिं० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० पी टी ए/14/79-80--ग्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोत्रा,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 10 मरले हैं तथा जो गांव डिल, तहसील पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रतिरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करते का करण हैं कि यशार्त्रों ते समाति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिका मे ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है धौर प्रन्तरक (प्रत्तरकों) ग्रोर अन्त-रिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिकत, तिम्तिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्ः 8—416 GI/79

- 1. श्री हरमीत सिंह पुत्र श्री हरदियाल सिंह वासी 5-ई बारादरी, पटियाला। (अन्तरक)
- 2. श्री गुरजीत सिंह पुत्र राम नारायण व श्रीमती रमेश कुमारी पुत्री चिमन लाल वासी गांव झिल, तहसील पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षाः--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकारात को तारोब ने 45 दिन के भीतार उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिक्षितियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषितं हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 10 मरले है ग्रौर जो गांव क्षिल, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 339, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

ग्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायरक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधयाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रकार भाई० टी० एन० एस०-

म्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० ए एम एल/1/79-80--श्रमः मुझे, श्रार० के० मलहोता,

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-- रुपये से श्रिधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 12 विसवा है तथा जो गांव कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील स्रमलोह में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, समलोह में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उखित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में प्रविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म कि श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिधीन निकालिका व्यक्तियों, श्रयति :---

- 1. श्री तारा सिंह पुत्त प्रमर सिंह यामी कुकड़ पाजरा सब-तहसील श्रमलोह जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- श्री, बलदेव कुमार पुत्र श्री घनणाम दास वासी मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:----

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के अध्याय 20-या में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 12 विसवा है धौर जो गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 12 ग्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोस्रा मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहर∴

प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भाष्य सरकार

नार्यासय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस श्रार डी/15/79-80-अतः मुझे, श्रार० कॅ० मलहोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्यावर सम्पत्ति जिसका खचित वाजार मूक्य 25,000 - २० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विधा 1/2 विसवा है तथा जो गांव श्रजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सरिहन्द में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घिषक है मीर धन्तरक, (अग्लरकों) घीर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण किखित में वास्त्रकिक रूप से किखत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी धाम को बाबत, उक्त धिविनयम के ध्रमीन, कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसो बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

चतः धम, उन्त धिधिनियम की बारा 269-ग के घनुसरक में, में, उन्ध प्रविनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नजिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री कमल दस पुत्र श्री धर्मपाल पुत्र गन्छा मल, वासी गांव श्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला । (श्रन्तरक)
- 2. भी बचन सिंह पुत्र चनन सिंह पुत्र श्री रोड़ा सिंह वासी गांव ग्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्कत के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तिमों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना ने राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, को उक्त ग्राधि-नियम, के शब्याय 20-कं में यथापरिकाषित है, वहीं शबं होगा जी उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विघा 1/2 विसवा है भ्रौर जो गांव श्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, सर्राह्नेन्द के कार्यालम के विलेख संख्या 223, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोता स**क्षम ग्रीधकारी,** स**हा**यक ग्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण)**; ग्रर्जन रेंज, लिधियाना

तारीखाः ७ दिसम्बर, 1979

नौहर:

प्रकृष धार्ड र्टा ऽ एन० एस०+ ---

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2698(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कायोलय, सहायक भागकर भाग्यत (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम भ्रार डी/14/79-80--श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोता,

आधिकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनक दश्वास् 'उक्त शिक्षितियम' कहानवाहै), की घारा 269-ख क अत्रीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क् से प्रक्षिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विधा 1/2 विस्ता है तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क वृश्यमान प्रतिकल के लिए अल्डरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस के वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पम्छ्ड प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरण (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गन प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धक्तरण निख्त में वाह्यकि रूप ने कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के घंधीन कर देन के झन्तरक के दायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविश्वा के सिए; झौर/या
- (ख) ऐसी कियी भाउ या कियो छन या पत्य भ्रास्तिथीं को. जिन्हें भारतीय द्यायकर भ्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर अश्विनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः थ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयीत् :---

- 1. श्री धर्म पाल पुत्र श्री गन्डा मल पुत्र श्री जवाहर मल, वासी गांव श्रजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मलिकयत कौर पत्नी श्री बच्चन सिंह पुत्र चनन सिंह वासी गांव श्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सुबना आरी करके पूर्वीक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्संबंधी क्यन्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बार में मभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ संकेंगे।

हरब्दीकरण: --उसमें रवृक्त गड़दां और पदों का, जो उक्त स्विनियम क प्रध्याप 20-क में यथा-रिश्मापित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुनूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विघा 1/2 विसवा है ग्रौर जो गांव ग्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 222, ग्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस भ्रार डी/53/79--80--- अतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इपर्ने इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी में० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा है तथा जो गांव भ्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अर्धानयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 5/79

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबा, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आत्र या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर स्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नकिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री बदरी नाथ पृत्र श्री मस्त राम, गांव ध्रजनाली तहसील सर्राहेन्द्र, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री दरवारा सिंह, वासी कुकड़ माजरा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (अन्तरिती) हा यह पुत्रा जारी करते पुत्रीम सम्मित ह प्रजी के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त प्रसत्ति के श्रवंत के परवत्व में काई भी प्राप्तेतः →-

- (क) इन प्तार के राजात में पारिता को तारीख में 45 दिर को प्रक्रियों पर सूचना की तामीत में 30 दिर को प्रक्रियों पर प्रक्रियाद में सामान होती हो, के भीनर प्रकेतन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूत्रता के राज्यत्र में प्रकाशा को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोद्द्वातरी के पास जिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम, के प्रत्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रार्थ होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षुत्रफल 13 विघा है श्रौर जो गांव श्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 713, मई, 1979 में वर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोत्रा सञ्जन प्रक्रिकारी, स**हायक प्राय**क्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

य्रायक्तर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भाषकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एम० एल०/7/79-80--श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्ना,

श्रायहर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत नजन साथिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रकल 13 बिसवा 4 विसवांसी है तथा जो कुकड़ माजरा, मण्डी गोविन्द-गढ़, सबबतहर्साल अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त गंगित के जीवन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गणा प्रति-फन निकालेखिन उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखिन में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्यरण ने हुई किती प्राप्त की वात्रत उक्त अधि-नियम के प्रधीन करदेने के प्रस्तर के के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी हिसी आज आ किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने मैं मुविधा के लिए;

श्रतः यत्र, उत्तर यधिनियम, की धारा 269-ग के श्रतुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के स्रधीन, निकालिखित व्यक्तियों अर्थातः

- श्री लाभ सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह, वासी गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री ज्ञानचन्द व श्री श्री संजीव कुमार पुत्र श्री मोहन लाल वासी मण्डी गोविन्द-गढ़, सब-तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति **के प्रजीन** के लिए जार्यत्राहियां भुरू करता हूं।

उत्त परात्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूजता के राजपंत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तानीत से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूना। के राजान में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में के हित-वर्ष किया अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

मार्क्या हरण :-- इनमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो भायकर श्रुधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, त्रही श्रुयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

भूमि का प्लाट जिसका श्रेत्रफल 13 बिसवा 4 बिस<mark>वासी</mark> है और जो गांव कुकष्ट माजरा, सब-तह्<mark>सील श्रमलोह में</mark> स्थित है।

(जायदाद जैसा कि र्राजस्द्रीकर्ना श्रिधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 73, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> म्रार० के० मल**होता** मक्षम प्रक्रि**कारी,** महायक मायकर म्रामुक्त (निरी**कण),** म्रजेंन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**ः 7 दिसम्बर, 1979

मोहर

प्ररूप ग्राहेर टीर एसर एसर 🕶 🧸

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

मिवेश सं० एस आर डी/50/79-80---श्रतः स्झे. आर० के० मलहोस्रा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं

ष्ठीर जिसकी सं० भीम जिसका क्षेत्रपत्त 12 विघा 5 विसवा है तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरिहन्द में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरित से) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्विधिक रूप से वाधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्क आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियी आप या किसी अन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिध-मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयोतः

- 1 श्री करनाण सिंह पुता मीहां गिंह नासी गांव प्रजनाली नहसील अरहिस्द, जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
 - 2. सर्वंधी हरदेव सिंह बलदेव सिंह, सुखदेव सिंह, रणधीर सिंह पुत्र करतार सिंह वासी गांव कुकड़ साजरा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त समात्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त गर्मात्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रार्थप:---

- (क) इस सुवना के राजात में क्राणन की नारीख में 45 विन की अविधिया नित्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्नत्ति में हिलबढ़ किसी प्रन्य अक्ति द्वारा श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टी करण :-- - जनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त अधि-नियम की श्रष्टयाय 20 कमें परिमाणित है, बही स्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमृसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 विघा 5 विसवा है धौर जो गांव प्रजनाली, तहसील सरहिन्द जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी, सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 672, मई, 1979 में दर्ज है)

> श्चार० के० मलहोत्ना स**क्षम प्राधिकारी** सहाथ**क** प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लुधियाना

नारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

याय तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एस डी एच/ग्राप/1/79-80--ग्रतः मुझे, ग्राप् के० मलहोत्ना,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीन नशन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंग्सि जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल है तथा जो गांव कुतबैवाल गुजरां, जिला लुधियाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिज्स्ट्रीकरण श्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) एसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रत ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिषीत् --- 1. सर्वथी जगनीत सिंह, भोहन सिंह, श्रीमती हरभजन कौर पुत्र व पुत्री श्री देश सिंह पुत्र श्री जगह सिंह, शाउन रोड, लुधियाता द्वारा हरसिन्दर सिंह पुत्र पंजाब सिंह, जनरल श्रदारनी बी-10-796 खुड़ मोहल्ला, ब्राउन रोड़, लुधियाना। (अन्तरक)

 श्रीमती मरोज करवल पत्नी श्री सत्या पाल करवल वामी 148/11--ए, चण्डीगढ़ द्वारा श्री सत्या पाल करवल। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के श्रर्जन के तिए अर्थवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (त) उन पुता के राजात में प्रकाशन की नारीख से 45 दिता की प्राधि ता तरप्रमण्डधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीत के 30 दित की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में क्षे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूनता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्ब्ही हरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उनत श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उन प्रशास में दिया गया है।

अनु सृची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल है प्रौर जो गांव कुतनेत्राल गुजरां, तहमील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाँद जैपा कि रिजेस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 51, अर्थेल, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोती सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ल्धियाना

नारीखा: 7 दिसम्बर, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस•-

श्राय धर श्रवितियम 1961 (1961 हा 43) **की घा**रा 269य (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

ज्ञार्थाला, ह्यायात आयक्तर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रजीन रैंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० बरनाला/95/79-80--श्रतः मुझे, म्रार० के० मसहोता,

स्रायकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख त स्रोतीन तक्षम राधिकारी को यह विश्वाप हरने का कारण है कि नावर तकाल विकत्त उत्तित बाजार महस्य 25 000/- रुपये से श्रीधक है,

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल है तथा जो नजदीक राधा स्वाभी भवन, बरनाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 6/79 को

पूर्वोक्त सम्मत्ति के जनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त अम्मति का जिल्ला बाजार मूल्य उसके दृश्यमान पितकत के ऐस दृश्यमान पितकत का पत्वह प्रतिशत से श्रीवक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ प्रया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न श्रन्तरम ने जिल्ला में वस्त्विक रूप से कथित नहीं कि गया :—

- (क) अन्तरण रें हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-वियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में क्षी करने का उत्तर करने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ोसी हियो माम या कियी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायक्तर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर श्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्र^{श्रक}ः—
9—416GI/79

 श्री साधु सिंह पुत्र श्री रूड़ सिंह जन्डावाला रोड़, नजदीक राधा स्वामी भवन, बरनाला। (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशनकी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:----व्समें प्रयुक्त सब्दों भीर वदों का, जो उक्त प्रवि-तियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल है जो राधा स्वामी भवन, बरनाला के नजदीक स्थित है। (सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी, बरनाला के विलेख नं० 3887, जून 1979 में दर्ज है) श्रार० के० मलहोता सक्षम ग्रिधकारी सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 विसम्बर, 1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म(1) के भ्रमीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय सहायकः आयकर आवुक्तः (निरीक्तन)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

ल्धियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० सरहिन्द/2/79-80—श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोता, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) लुधियाना भायकर श्रिकिनयम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- द॰ से श्रिकि है

ग्रौर जिस्स्की सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 विघा 15 विसवा है तथा जो गांव ग्रजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला पिट्याला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिल है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सरिहन्द में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त सम्मित के विचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर वह कि मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिक्षितियम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः भवः उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के भनुषरण में, में उक्त भिक्षितियमं की धारा 269-का की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत् :—-- 1. श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह वासी गांव कुकड़ माजरा, सब-सहसील श्रमलोह, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स हंसको स्टील, नसराली गेट मण्डी गोबिन्दगढ़, सब तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला द्वारा श्री हंस राज (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वेकेटिंगे करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अवधि-या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बस्व में सम्मन्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (क्क.) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो 'खक्त व्यक्षि-नियम', के भक्ष्याय 20-क में परिवाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भक्ष्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 विघा 15 विसवा है श्रौर जो गांव ग्रजनाली तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 50, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक ७ दिसम्बर 1979

म्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से भ्रिषक है

मौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिघा 1 बिसवा है तथा जो गांव जसड़ां, सब-तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत प्रधिक है भीर धन्तरक (भन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त धाध-नियम के धाधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें ग्रायकर ग्रिकिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिकिन्यम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

म्रतः अन, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के म्राचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- श्री धन्ना सिंह पुत्र जगतिसह वासी गांव जसड़ां, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पिटयाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रत्न चन्व पुत्र श्री चरनजी लाल, श्री धनबन्त राय पुत्र फकीर चन्द ,श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी राजिन्दर कुमार, श्री नरिन्दर कुमार पुत्र श्री भगवान दास वासी गांव जसड़ां, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 39 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूवना के राजस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रकल 7 विधा 1 विसवा है श्रीर जो गांव जसड़ां, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 24, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> भ्रार० के० मलहोता सक्षम ग्रधिकारी •ुसहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

प्रकप आई# टी ॰ एम ॰ एस ॰ ~~

भायकर बांबिनिश्यम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के धर्धान जुवना

भारत सरकार

फार्यालय, महायक मामकर धायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भजंन रेंच, लुधियाना आरक्षर अधिनियम, 1961 १ 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उपन अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूक्य 25000/- क्पए से श्रधिक है

से प्रधिक हैं

गौर जिसकी सं अधिन, गोदाम व मकान विल्डिंग है तथा
जो सनौर रोड, पटियाला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79
को पूर्वीकत उपालि के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रकिफोंक के लिये अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
पृथ्यमान प्रतिकल के प्रमुख प्रतिचत्व
प्राधान है और प्रस्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती
(प्रन्तिरितियो) के बांच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिकल, निम्निधित उद्देश्य से उकत अन्तरण निक्कत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कभी करने या उससे बचने में सुविवा के बिए; और/बा
- (क) ऐसो किसी अत्य या किसी धन या धन्य धारितयों को कि जिल्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, मा अन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन भी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया चाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के निए।

भतः अब उक्त अधिनियम ली धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिधिनियम की बारा 269-ग की सपबारा (1) के अधीत विकासिक किनियाँ, धर्मात् :---

- श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री देव भरत, वासी सनौरी रोड, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री चन्दा सिंह, मुख्तयार सिंह पुत्र श्री नाहर सिंह, गांव मुख्नू माजरा, व श्रीमती परमिन्दर कौर पुत्री श्री श्रीर सिंह, श्रीमती रनजीत कौर पुत्री श्री मोहर सिंह वासी पटियाला। (श्रन्तरिती)
- 3. श्री प्रिया वृत पुत्र देव वृत, फार्म हाउस, सनौरी रोड, पटियाला। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में संपत्ति है)

को यह तृष्णा नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्थन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई था आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या धल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, को भी घविध बाद में समाप्त होती हा, क भोतर पूर्वीका ग्रवितयों में स किसी व्यक्ति द्वारा:
 - (अ) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन को तारी कसे 45 दिन के भीतार उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितवक किसी अन्य स्थानित द्वारा, अवश्वेषताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

क्वकडीकरण:--इसमें प्रयुक्त अन्दां भी एवरी का, जो उन्नां घछि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिचाधित है, वहीं घर्षे होगा, जो उस अध्याय में बिया गया है ।

धनुपुषा

भूमि, गोदाम व मकान बिल्डिंग के साथ जो सनौरी रोड, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 368, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्चार० कं० मलहोत्ना मक्षम मधिकारी महायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, सुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979

(भ्रन्तरक)

प्रकप थाई > टी • एन • एस • — — आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घार 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना,दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेण सं० नाभा/6/79-80—म्प्रतः मुझे म्रार० के० मलहोत्रा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के ध्रधीन सख्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- व्याप से यधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 790, है तथा जो सिनेमा रोड, नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन, तारीख 4/79

को पूर्वीका सम्बक्ति के जिसस बाबार नृश्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के निये अवर्गाटन की गई है और मुझे बह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, जसके दृश्यमान अतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिबत प्रधिक है और यग्तरक (प्रन्तरकों) और सम्तरितीं (जम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निव्नितिक्षित उद्देश्य से उक्त सम्तर्थ किखित में वास्तविक क्षत्र के विश्व नहीं किया गया है:—

- (क) शन्तरण से हुई किसी धाय को बावत, उक्त बाबिनयम के श्राधील कर देने के प्रमारक के दायित्य में कमी करने था उठां बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किभी थाय या किमी धन या अस्य धास्तियों को विस्हें भारतीय बायकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिंधनियम या धन-कर भिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाक अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया भाना चाहिए था या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमती परमजीत कौर विधवाश्री बचितर सिंह, श्री जगमिन्दर सिंह, इन्दरजीत सिंह, सतबन्त सिंह माईतर पुत्र श्री बचित्तर सिंह; कुलजीत कौर पुत्री (माईतर) श्री बचितर सिंह, बारा श्रीमती परमजीत कौर, श्री करतार कौर विधवा श्री गुरदियाल सिंह, वाती सिनेमा रोड, नाभा।
- (2) श्री विद्या रतन, श्री रिजन्दर कुमार पुत्र श्री टहुर दास, वासी बांगां स्ट्रीट, नाभा, जिला पटियारः (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वाक्ष्त मनालि के प्रजेत के लिए कामेवाहियां करण रं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (अ) इस त्रुचना के राजपत्र र प्रकाशन की नारीख से 48 विल की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की धवधि, बो-धी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के घीए एवाँकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूचना के राज्यक में प्रकाशन को तारीख से ६० दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दक किसी सम्य व्यक्ति दारा, यक्षेत्रनाक्षरी के पाप लिखित में किए का सर्थेंगे।

स्वव्हीकरण:---- इसमें प्रयुक्त अव्हां मीर पदों का, जो उक्त मधिनियम, कं सध्याय 20-कं में परिमाणित है, वड़ी अर्थ होगा, जो उस भव्याय मं विया मना है।

अनुसूची

1/2 भाग महान नं० 790, जो सिनेमा रोड, नाभामें स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीयार्ती श्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विले**ख** संख्या 128, श्रप्रैल, 1979 में **दर्ज है**)

> श्रार० के० मलहोद्वा सक्षम पश्चिकारी सहावक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारी**ज**: 7-12-1979

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•-

भागकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ग्रीवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, नुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० नाभा/4/79-80--श्रतः मुझे श्रार० के० मलहोता सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, लुधियाना आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धर्मीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति, जिसका स्थावर 25,000/-**ए**पये से भधिक है याजार मुल्य **ग्रौ**रजिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 790, है तथा जो सिनेमा रोड, नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तिन बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक बन्तरक (बन्तरकों) भीर बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरच के लिए, तय पाया चया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देषय से उनत धन्तरण सिक्षित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया ववा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उबत, मिन नियम के भवीत कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्य के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें, भारतीय भाषकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः, सब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की क्यबारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवीतः --- श्रोमती करतार कौर विधवा श्री गुरिवयाल सिंह, वासी सिनेमा रोड, नाभा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजकुमारपुत्रश्री ठाकर दासपुत्रश्री गुजरमल, वासी बांसां स्ट्रीट, नाभा, जिलापटियाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्बीकरगः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, के भध्याय 20-क में परि ाधित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग म π ान नं० 790, जो सिनेमा रोड, नाभा म π स्थित है।

(गापेदाद जैमाहि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 118, स्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोदा सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7-12-1979

मोहरः

प्रक्ष धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के मधील स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश मं० अमलोह/9/79-80--- अतः भुझे आर०के० मलहोत्रा सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण), धर्जन रेंज, लुधियाना आयकर भीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के धरीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सार्थ है। संस्थावर संपत्ति जिसका उवित बाबार मूल्य 25,000/- रु० से धर्धिक है

धौर जिसकी सं० भूमि जिसका शेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी, डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मून्य में कम के पूर्वामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह निश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिस बाजार मूल्य, बसके पूर्वमान प्रतिकल के लिए अन्तर्क में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परदृह प्रतिशत से अविक है और जन्तरण (अन्तरकी) और पन्धिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्षक कि निम्मा बित उद्देश्य से अन्तरक निव्यत में वास्त्रिक क्या में बाबत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम के हुई किसी धाव की बावत जक्त जिल्ला नियम, के प्रशीन कर देने के धन्तरफ के वाबित्य-में कभी करके मा उसमें बजने में बुविधा के सिए: धीर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या कियो घा या ग्रस्य व्यक्तियां को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अग्निनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तिश्वी क्षारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए या, छिमनं में सुविधा के सिष्।

अतः अतः, उन्तः अधिनियम की धारा 269-ग के सन्-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्नविधित न्यक्तिमों, अर्थात्:— (1) श्री मेहरसिंह पुत्र श्री पाखरसिंह असी डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील असलोह, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) भीसर्स नवयुग स्टील कारपोरेशन द्वारा श्री प्रेम सिंह गुरुकी नगरी, डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रपरोह, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को **यह सूचना आरी कर**के पूर्वीका सम्पर्तत क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धार्लप :~

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सविध मा तत्संबंधा स्थक्तियों पर सूचना की वामीस से 30 दिन की घवधि, को भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्ति में में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताकरी के पास विश्वत में किए जा सकेंगे।

स्वव्योक्षरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पड़ी का, जी उक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिमाणिय है, यही अभै होगा, जो उस यव्याय में दिया गया है।

अमुस्चा

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 विघा 6 विसवा है और जो गुरु की नगरी डक़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील भ्रमलोह जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 77, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मल**होन्ना** स**क्षम ग्र**िकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायु**क्**न (निरी**क्षण**), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7-12-1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०--

श्रामकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269~घ (1) के ग्रिशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 क्वेंदिसम्बर 1979

निर्देश मं० अमलोह/5/79-80—प्रतः मुझे, श्रार्० के० मलहोत्रा सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ,धर्जनरेंज, लिधियाना श्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त श्रिधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बिघा 7½ विसवा है तथा जो गुरु की नगरी, डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील श्रमलोह में स्थित हैं (श्रौर इससे जिपाबद श्रमुंभूची म गोर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकिस श्रिवारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजस्ट्रीकिरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रोर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रोर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ∓त ब्रिधिनियम, या धन कर ब्रिजियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रम, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) श्रमीम विकासिनित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री मेहर सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह वासी डहेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला

(ग्रन्तरक)

(2) भैंसर्स गुरु राम दाम भ्राईरन व स्टील रोलिंग मिल्ज, गुरु की नगरी, डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील भ्रमलोह, द्वारा श्री किरपाल सिंह, पार्टनर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधो हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसृखी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बिघा 7½ बिसवा है भीर जो गुरु की नगरी, डढ़ेरी रोड, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील भमलोह, जिला पटियाला।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी, श्रमलोह के कार्यानयके विलेख संख्या 64, अप्रन 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोता स**लम श्रधिकारो** स**हायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रोंज, लुधियाना।

तारीख: 7-12-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एम०-

श्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, महायक आयकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना कार्यालय लुधियाना,दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश पं० पटियाला/22/79-80---अतः. मुझे, ग्रार० के० मलहोता, सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना,

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनिपम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित 25.000/-म्पये बाजार मृल्य में ग्रधिक भौर जिसकी सं० 15-ए (1), जिसका क्षेत्रफ ल 1492 वर्ग गज है, तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में प्रौर पुर्ग का से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अभेल 1979 को पूर्वोक्त सम्यन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के जिल् तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्राय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्तलिखित व्यक्तियों, श्रयतिः---्रे 10—416GI/79

- श्रीमित हरबन्स कौर पुत्री श्री घ्यान सिंह वासी बी-66, ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली
 - (ग्रन्तरक)
- श्री मनमोहन सिंह पुत्न श्री ग्रवता र सिंह, 741/3, मोहत्सा खालसा, पटियाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त गम्भत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्मित्त में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 15-ए (1), जिसका क्षेत्रफल 1492 वर्ग गज है भीर जो माउल टाऊन, पटियाला में स्थित है। (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 434, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> न्नार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज, सुधियाना

तारीख : 7 विसम्बर 1979

प्ररूप भाई । टी । एन । एस • ---

मायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-म (1) के ग्रिवीन सूचना
भारत सरकार

कार्यातय, सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना, कार्यालय लुश्रियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देण सं० पटियाला/24/79-80----यतः, मुझे, श्रार० के०मलहोता, सहत्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी संव 15-ए (2) जिसका क्षेत्रफल 1668 वर्ग गज है, तथा जो माङल टाऊन,पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधियारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्राप्रैल 1979

को पूर्विश्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, जिल्लिस में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्रायकी वावत, उक्त भवि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (च) ऐसी किसी माय या किसी वन या मन्य मास्तियों को जिन्हें माय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अमिनियम, या मन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा ने लिए;

प्रतः भव, उन्त पश्चितियम को धारा 269-ग के धनुसरण मे, मैं उक्त पश्चितियम को धारा 269-थ को उपधारा (1) के प्रधीन निम्नतिखिल स्पक्तियों, प्रथात्:--- श्रीमित हरबन्स कौर पुत्री श्री ध्यान सिंह वासी बी-66, ग्रेटर कैनाण, नई दिल्ली

(भ्रन्तरकः)

 श्रीमितिमोहिन्दर कौर पत्नी श्री ग्रवनार सिंह 741/3. मोहल्ला खालसा, पटियाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति ने सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इ.स. सूजना के राजपत्र में प्रतासन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिखित में किए जासकेंगे।

स्ववटोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित नियम, के भड़्याय 20% में परिमाधित है, वहीं भर्षे होगा, जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 15-ए (2) जिसका क्षेत्रफल 1668 वर्ग गज है श्रौर जो माइल टाऊन ,पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 449, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिवारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर 1979

प्ररूप माई० टी० एन० एम०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्दोण सं० खरड़/5/79-80—यतः, मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा, श्रायकर ग्रायुका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका जिवत बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है और जिनकी सं भूमि 12 कनाल 12 मरले, पोलटरी णेड के माथ है, नथा जो गांव भागों माजरा, तहसील खरड में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रिजर्ट्रीकरण, अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्गत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्गत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखिन में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त प्रधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रयोग निकालिका व्यक्तियों, स्रयोतः—— श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री जीत सिंह पुत्र श्री भोला सिंह मागन नं० 1113. सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ (29-सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़)

(ग्रन्तरकः)

3. श्रीमिति मुरजीत कीर पत्नी श्री क्रवतार सिह पुत्त श्री हरनाम सिह, वासी 1172, सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत्र से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि 12 कनाल 12 मरलेपोलटरी शेंड के साथ जो गांव भागो माजरा, तहसील खरड़ में स्थित है।

(সামবাৰ जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी, खरड़ के গ্রেবি T ম विलेख संख्या 346, ऋप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7 दिसम्बर, 1979।

प्रकप माई० टी• एन• एस•----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

घारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/19/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना भागकर श्रायिक्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-

और जिसकी सं० मकान नं० 3312, है, तथा जो सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रश्रेल 1979

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह श्रीसात मिक्क है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक का से कथित नहीं किया। गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई ियां जार की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भन्यरक के वास्तिक में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; सीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग था किसी घन या खन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भागकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा अकट ही किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में मुशिक्षा के लिए;

त्रतः पव, तकत अधिनियम की धारः 269-ग के अनु-सरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 268-र की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्षित व्यक्तियों, स्वात्।-- श्रीमित मोहिन्दरपाल कौर विधवा ल० के० रणधीर मिह, श्री देविन्दर मिह पुत्र श्री रणधीर मिह, कुमारी राविन्दर कौर पुत्री ल० के० रणधीर मिह वासी क्वार्टर नं० 3, पोलिस स्टेणन, सैक्टर 26, चण्डीगढ

(स्रन्तरक)

2. श्री तिलक राज टन्डन पुत्र श्री जगन लाल वासी मकान नं बी-67, सी० एस० द्याई० श्रो० कालोनी, सैक्टर 30, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीकत सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्तं सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मृत्रता के राजपन्न में प्रकाशण की सारीका से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शृजना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तयों में से किसी वाक्ति झारा;
- (ख) इस मूचना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्चावर सम्पत्ति में हित्य के किसी भम्य क्यक्ति द्वारत, भन्नोइस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंग।

स्पब्धोकरणं :-- इसमें बनुक्त अब्दों बोर पर्वो का. जो उक्त प्रिः नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं। धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

मकान नं० 3312, सैक्टर, 27-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 78, श्रप्रेल, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 15 दिसम्बर, 1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 15दिसम्बर 1979

निर्देश मं० चण्डीगढ़ | 22 | 79-80—यत:, मुझे, सुखदेय चन्द, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 | रू रू० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 1471 है, तथा जो मैंक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थितहै (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अभैल 1979

का 16) के प्रधीन, तारीख ध्रप्रैल 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्
प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिवक रूप से किया गया है: ——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या भ्रन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्री राम चन्द महाजन पुत्र श्री दुनी चन्द महाजन, बासी 1471 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमित उमिना सूद पत्नी श्री सतपाल सूद, हारा जनरल श्रदारनी श्री एम० डी० सूद पुत्र श्री जगत राम सूद, वासी महान नं० 1645, सक्टर 22 बी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

- 3. 1. श्री राम चन्द महाजन पुत्र श्री दुनी चन्द महाजन,
 - 2. श्री पुनीन पाल,
 - 3. श्रीमति कृष्णा श्रवरोत, पहली मंजिल,
 - 4. श्री चमन लाल ग्रबरोल,
 - 5. श्री ग्रामीर चन्द्र,
 - श्रीमति केमरा देवी,
 - श्रीमति कृष्णा श्रोवराय,

मारे वासी 1471, सैंकटर 22-जी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजगत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो 'उक्त स्रधिनियम', के स्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही स्रयं होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है ।

ग्रनुसूची

1/2 भाग मकान नं ० 1471, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 92, श्रिजैल, 1979 में दर्ज है)।

> मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ल्धियाना

तारीख : 15-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 197 9

निइस सं० चण्डीगढ़/25/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्दः, सहायक स्रायकर प्रायकत (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रोर जिमकी मंग्प्लाट मण् 1740, है, तथा जो मैक्टर 34-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण वा से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रीप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसीं भ्राय की बाबत छक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर धाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

- 1. नाईब सुबेदार गुरमीत सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह मारफत 371, त्यानल रेजीसैंट मारफत 99 ए० पी० ग्रो० द्वारा स्पैशल ग्रटारनी श्री चन्दर मोहन पुत्र श्री इणर दास, वासी 1925, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ (ग्रन्तर्क)
- 2. र्शामित बलबीर कौर पत्नी के० डी० एस० ग्रांबराय, वासी 1740, सैक्टर 4-डी, चण्डीगहु (ग्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उन स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदों का जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के प्रध्याय के 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

प्लाट नं० 1740. जिसका क्षेत्रफल 253.50 वर्ग गज है ग्रौर जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ ; स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगहु के कार्यालय के विलेख संख्या 96, ग्रप्रैल, 1,979 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) द्रर्जर रेंज, लुधियाना

नारीख : 15-12-1979

प्ररूप ऋाई० टी० एन० एस०---

प्राय हर प्रधि नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनाक 15 दिसम्बर 1979

नि ण मं० वण्डीगतः/16/79-80—पतः, मुझे, गुन्नदेव चन्द, महासक श्रायकर श्रायकृत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुशियाना श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिनमे इसमें इसके पण्डान् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राथकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रोर जिसकी मं० प्लाट नं० 1417 है, तथा जो सैक्टर 34-मी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रृतसूची में और पूर्ण क्य से विणात है), राजाड़ीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख श्रप्रैल 1979

16) क अधान, नाराख अप्रल 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के
दूरपनान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूरनमान प्रतिकल से, ऐसे
दूर्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखिन में वास्त्रविक रूप में कथित
नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

म्रत:, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रपीत्:— पर्नेट ल० श्रमरजीत मिह् बावला पुत्र श्री सम्बंध मिह् बावला मारफत मकान नं० 1104, मैंक्टर 23-बी, चण्डीगढ़ द्वारा सीणल श्रदारनी श्री भगवान दास बेक्टर पुत्र श्री हर्द्याल चन्द बेक्टर, बामी 1104, मैंक्टर 23-बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमित उमिला बेक्टर पन्ती श्रीभगवान दाम बेक्टर वासी मकान नं ० 1104, सैक्टर 23-बी, चण्डोभगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं ० 1417. जिसका क्षेत्रफल 338 वर्ग गज है ग्रौर जो सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मं० 59 अप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-12-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/24/79-80—यतः, मृद्धो, सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लिधियाना

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं प्लाट न 3383 है, तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपानद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण का से विणात है), रजिन्द्रीकर्ता श्रिक्षिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिन्यम, 1908 (1908 का 16 के श्रशीन, नारीख श्रशैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रामीस्:— श्री उत्तम सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह वासी द्याई० जी०-30-एन० श्राई० टी०, कत्याण सिंह चौक, फरीदाबाद, हरयाणा ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री अमर सिंह पुत्र श्री साधू राम, वासी मकान नं० 3050, सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़।

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजप त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी फ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्लाट नं० 3383, जिसका क्षेत्रफल 169वर्ग गज है ऋौर जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेंख मंख्या 94, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> मृखदेव चन्द, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजेंन ेंज, लक्षियाना ।

तारीखा : 15-12-1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के प्रश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेण सं० चण्डीगढ़/32/79-80--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्र), अर्जन रेंज, लुधियाना

श्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से स्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 1471 है तथा जो सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रतुसूची में स्रोर पूर्ग रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरस्र स्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मई 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृते यह विश्वात करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त जिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुतिया के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या कियी बन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:--

11-416 G1/79

 श्री नरिन्यर नाथ महाजन, वासी 1471, सैंबटर 22-बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० डी॰ सूद पुत्र श्री जगत राम सुद, वासी 1471, सैक्टर 22-जी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिनी)

- 3. 1. श्री राम चन्द महाजन पुत्र श्री दुनी चन्द महाजन,
 - 2. श्रीपुनीत पाल,
 - 3. श्रीमित कृष्प्राध्यवरोत्त, पहली मंजिल,
 - 4. श्री चमन लाल प्रवरोल,
 - 5. श्री भ्रमीर चन्द्र ,
 - 6. श्रीमति केसरा देवी,
 - श्रीमिति कृष्णा श्रीत्रराय,
 सारे वासी 1471, मैक्टर, 22-बी, चण्डीगढ़।
 (वह व्यक्ति, जिनके स्रिधिमोग में सम्पति है)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्गत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे
 45 बिन की अन्निध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अन्निध, जो भी
 अन्निध बाद में सनाप्त हो हो, के भोतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजगत में प्रकासन की नारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितज हा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पर्दो का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

1/2 भाग मकान नं० 1471, सैक्टर 22-डी, चण्डीगस्न । (जायेदाय जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगद् के कार्यालय के विलेख संख्या 154, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-12-1979

प्रकृपं भ्राई० टी० एत० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियानां लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बरें 1979

निवश सं धूरी/1-ए/79-80—-यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मन्दत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिधिक है

स्रोर जिन्नकी सं० भूमि जिन्नका क्षेत्रफल 19 बिधा 4 विसवा है, तथा जो गांव बालिया, सब तहसील धूरी में स्थित है (स्रोर इसने उपाबद्ध प्रतुपूची में धौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, धूरी में रजिस्ट्री: रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1979 को पूक्वीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा। व्याक्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयं पाषा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी क्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ भ्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपघारा (1) के श्रधीन जिम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत:--- श्री हुनूरा सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, वासी गांव बालिया सब-तहसील धूरी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री परगट सिंह पुत्न श्री जगरूप सिंह, श्री लखमीर सिंह पुत्र श्री राम सिंह, श्री प्रदीप सिंह पुत्न श्री बलदेव सिंह, वासी गांव बालिया, सब-तहसील धूरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

श्यव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बिचा 4 विसवा है झौर जो गांव बालिया, सब-तहसील धूरी में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, धूरी के कायीतम के विलेख सं० 944, प्रप्रेल, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखं: 15-12-79

पस्त आई• टी• एत•एस**०**——

प्रायकर व्यक्षिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० खरड़/8/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहाय ह आय हर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

श्रीर जित्रकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 50 बीघा है, तथा जो कुरहो, तहसील खरह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यात्रय, खरह में रिजिस्ट्री हरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख श्रश्रैल 1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बागार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत श्रिष्ठक थीर सन्तरित (सन्तरितयों) के

बोच ऐसे भन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कृषित वहीं

किया गया है।~~

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मधितियम के अधीन कर वेने के मन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय था किसी प्रतथा प्रव्याप्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रत-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए।

बतः बत, उनः मधिनियम की धारा 269-म के धन्करण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269म की उपचारा (1) के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- श्री जरनैल सिंह रन्गी पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह, श्री उजागर सिंह, कर्म सिंह, चरन सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह वासी दौलतपुर, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला (श्रन्तरक)
- 2. श्री किरती सिंह बेदी पुत्र श्री कन्वर धनवंत सिंह बेदी, पुत्र राजा गुरबक्स सिंह वासी ए-13,ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के चिए कार्यशहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्रमध्यो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्या) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ना सर्कों।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, खो ज़क्त प्रधितियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्घ होगा जो उस स्रध्याय में दिया गथा है।

· अनुसूची

भूमि जिम हा क्षेत्रफल 50 बिघा है श्रौर जो कुराड़ी, तहसील खरड़ में स्थित है। (जायदाय जैसा कि रिजस्ट्री हर्ता श्रधिकारी, खरड़ के कायलिय के विलेख सं० 345, श्रप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

ता**रीख:** 15-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० चण्डोगः | 8|79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहाय ह आय हर आयुक्त (निरोक्षण), प्रजंन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— हपये से अधिक है और जितको नं० प्लाट नं० 1303 है, तथा जो सैक्टर 33सी चण्डोगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रो हती अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रजिस्ट्रो हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है थौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे प्रन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिध-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 डाक्टर चैन तिह पुत्र श्री तारा सिंह निषासी सफीदा जिला जीद, द्वारा श्रटारनी श्री हरी सिंह रंघाचा पुत्र हािं सिंह निवासी मकान नं 1239, सैक्टर 33-सी, चंडीगढ़

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरबचन कौर रंधावा पत्नी श्रीहरी मिह रंधावा, निवासी मनान नं० 1239, सैक्टर 33-सी, चंण्डीगढ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के विग् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के सोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन हे भी तर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

प्लाट नं० 1303, सैक्टर 33-सी चण्डीगढ़। (जायेदाद जैता कि रजस्ट्री क्रां श्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के लेख संख्या 30, स्प्रेंस 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, लुधियाना

तारीख: 17-12-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एप०-----

न्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना कार्यालय लुधियाना, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ब्रह्मदगढ़/2/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना सहायक श्रायकर ब्रायकर व्यवकर ब्रायकर व्यवकर व्यवकर ब्रायकर व्यवकर ब्रायकर व्यवकर ब्रायकर व्यवकर ब्रायकर व्यवकर व्य

स्रौर जिसकी संव अम्पत्ति है, तथा जो केसर पुह्ल्ला, मण्डी स्रहमदगढ़ में स्थित हैं (स्रौर इसते उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रीर वर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्री तर्सा शिक्षवारी के दार्थालय, प्राहमदगढ़ में रिजस्ट्री तरण स्रोधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीब धर्म स 1979

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकी) छोर अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अिंक्षिन नियम के स्रजीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या श्रन्य भ्राह्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—— डा० तित्र तराज पुत्र श्री भोगा राम उर्फ बाधा राज वासी अहमदगढ़

(भ्रन्तरक)

2. नान इसर मठ ईशर दरबार, मचा, ग्रेटर कैलाश नई पिल्लो-48, द्वारा सन्त बाबा श्रमर सिंह जी, पुत्र श्री बढाजर हिंदु पुत्र श्री इन्दर सिंह द्वारा श्री प्यारा सिंह निधु पुत्र श्री नम्बर सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह वासीब डूंदी जिना लुधियाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्जीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के लम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद से सनाप्त होती हा, के मोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्न स्थानर-सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्वब्धिकरण:--इनमें प्रवृत्त शब्दों ग्रौर नदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

अनु सूची

निर्मात मा कि के पर भुहल्ला, नजदी क टैलीफोन एक्सचेन्ज भण्डी भ्रहमदण्ड में स्थित है।

(164क्ति जैपा कि रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी अहमदगढ़ के विलाव संख्या 374 जो कि 4/79 कि है, में दिखाया गया है)।

> सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 26-12-1979

ंप्ररूप आई• टी• एन• एस•---

आयकर ग्राधिनियम, 1981 (1961 का 43) श्री धारा 269-च (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, धिनांक 26 धिसम्बर 1979

निर्देश सं० श्रह्मदगढ़/1/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहाय ह श्राय हर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, खुधियाना आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० सम्पत्ति है, तथा जो केशर मुहल्ला, नजदीक टेलोफोन एक्पचेंज, मण्डी ग्रहमदगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ब्रहमदगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रप्रैल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए धन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण प्रवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उविक बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक 💲 भोर मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरितो (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत्र, निम्निनिश्वत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सम्बर्ग सं हुई किसा प्रायं को बाबत, उनता आधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्छरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धा या अग्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर धांधिनियम, पा धन-कर धांधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आता साहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भतः अव, उक्त भिक्षितियमं की धारा २६९-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधितियमं की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के भक्षीन, निस्त्रलिखित स्पक्तियों, भर्योत् :-- डा० तिलक राज पुत्र श्री भोगा राम उर्फ बाघा राज वासी श्रहमद गढ़।

(भ्रन्तरक)

2, नान तसर ठठ ईशर दरबार, म-41, ग्रेटर कैलाश नई दिल्लो-48, द्वारा सन्त बाबा ग्रमर सिंह जी पुन्न श्री बख्तावर सिंह पुन्न श्री इन्दर सिंह द्वारा श्री प्यारा सिंह सिधु पुन्न श्री मध्यर सिंह पुन्न श्री इन्द्र सिंह वासी बहुन्दी जिला लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वन्त सम्यति के पर्वत के संबंध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस पूर्वता के राजपत्र में प्रकाशन की त्रित्रीय से 45 दिन की भविष्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविष्य बाद में सनादत होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस म्बना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हितखद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, पंधोत्स्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकी

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रास्त शब्दों और पढ़ों का, जो छक्त संधितियम के अध्याय 20-क में परिश्वादिक है वहां मर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गग है

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि केसर मुहल्ला, नजदीक टेलीफीन एक्सचेंज, मण्डी ग्रहमद गढ़।

(तस्ति जैना कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के लेखा संख्या 357 जो कि 4/79 का है, में दिखायागया है)।

> सुखदेव चन्ध सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 26-12-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायह आयहर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनाँक 10 अस्तूबर 1979

निदेश सं० 942---यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी संख्या है, तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम में, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 9-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) <mark>के बीच</mark> ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रशीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन-सरग में, में, उक्त ग्रिविनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री चुक्कपल्लि तिरुमलराव गांधीनगर, विजय-वाड़ा (श्रग्तरक)
- (2) मैसर्स पापुलर शू मार्ट, विजयवाड़ा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मत्तिके आर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्गेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:→-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-निमम के श्रध्याय 20-क में परिभावित है वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 2314 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> बी० वी० सुब्बाराव सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख: 10-10-79

प्ररूप आई • टी ॰ ए् न ० ए न ० - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही । तरा 269 घ (1) के ध्वीन सुवना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा तारीख 6 सिदम्बर 1979

निदेश सं० 918—यतः मुझे, के० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जियका जिन्त बाजार मूल्य 25,000/- छत्रये से एथिंग है और जिसकी सं० वार्ड नं० 8 है, जो पिठापुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यानय, पिठापुरम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-4-1979 को

पूर्वांक्त सम्पत्ति के अचित आगर मूल्य के कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर पृजे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त अपित का उचित बाजार मृत्य, उमके पृष्यमान प्रतिकल के, जेसे पृष्यमान प्रतिकल के, जेसे पृष्यमान प्रतिकल के। पन्दह पतिषात अधिक के और अक्तरक (प्रत्यकों) पीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बोच ऐसे प्रकारण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निष्निचित्रित उहेक्य से उक्त प्रतरण लिखित में व्यक्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अम्बर्ध में तुई किनी प्रश्वकी बाबी उन्हें पश्चिम नियम, के अधीन कर वैने के अन्तरक के प्रक्रिय में ककी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किमा आय या कि ते यम या अन्य आस्तिओं ा, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धनकर पधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना शहिए या जियाने में सविधा के लिए:

अतः, थन, वृत्त प्रधिनियम की तहरा 269 म के अनू-सरण में, मैं, उन्स श्रिषिनियम की घारा 269 म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

- (1) श्री डीं॰ वी॰ एस॰ रंगाराव पिठापुरम (प्रन्तरक)
- (2) (1) एम० सत्यवती (2) एम० सोमराजु, पेठा-पुरम (श्रन्तरिती)

ं को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपन सम्यन्ति ह अर्तन के सम्बन्त में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, भी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वादा;
- (१) इत यूचता के राजपत्र में प्रकाशन को तारीण में 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी मन्य स्पन्ति द्वारा. अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा करोंगे।

प्रकशिक्तरण क्रिन्न में पश्रुक्त मक्ष्यां और पहां का, जो उक्त मधिक नियम के प्रदेषाय 20क्त में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया जया है।

ग्रनुसुची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेग नं० 571 में निगमित श्रन्सूची संपत्ति ।

> के० सुक्याराव सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख: 6-9-79

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, तारीख 19 नवम्बर 1979,

निषेश सं० 953—येतः मुझे, घि० वि० सुख्याराच आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्थत घोष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बाबीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- द० से अक्षिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7-3-17 है, जो काकीनाड़ा में स्थित है (भीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिवित्यम, 1908 (1909 का 18) के ग्रधीन, तारीख 21-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित काशार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यक्सपूर्वोक्स सम्पत्ति का खिलत काजार मृश्य, खसके क्वथमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्त्यकों) ओर प्रम्तिरती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निवित उद्देश्य से उपत अन्तर्य सिखित में वास्तिविस कर ने क्विन नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किमी धन या भ्रन्य ग्रास्तिगों को जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की द्वारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अद्विनियम की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्ः— 12—416GI/79

- 1. (1) भी धासाम्री सूर्यनारायण (2) ग्रालामूरी सीतारामालक्ष्मी, द्वारापूड़ी (ग्रन्तरक)
- श्री चित्त्री रामाकृष्णा काकीनाज्ञ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यकाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी घालेप :-

- (क) इस सूचका के राजपता में प्रकाशन को लागीना से 45 दिव की भविभि या करांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध को भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख.) इस मूचना के राजपत में प्रकाशम की तारीख से 46 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घघोइस्ताक्षरी के पास निखिल में किए जा सकेंगे।

स्वब्धीकरणः -- इत्रमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, मां उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विवासया है।

अनुसूची

काकीनाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० में 2089 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराय सक्षम भ्रघिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षम्र) भ्रजैन रेंज, काकीनाडा

तारी**ज**ं: 19-11-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, तारीख 19 नवम्बर 1979

निवेश सं० 954—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 7-3-17 है, जो काकीनाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भवः सन, उन्त शिवनियम श्री धारा 269-म के बन्-सरण यें, में, उन्त घोषानियम की धारा 269 म की उपवारा (1) के त्रधीन, निम्नित्धिन ध्यक्तियों, अर्थात्।---

- 1. (1) ग्रालामूरी सूर्यनारायणा (2) श्रालामूरी सीतारामालक्ष्म द्वारपूड़ी (श्रन्तरक)
- 2. श्री चित्त्र्री रामाकृष्णा, काकीनाडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भूजैन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त जडदों ग्रौर पदों का, जो भायकर ग्रिधिनियम के अध्याव 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अंत 30-4-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2090 में निगमित श्रनु-सूची संपत्ति ।

> बि० त्रि० सुब्बाराय सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन् रेंज, काकीनाड़ा

तारीख: 19-11-1979

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ~

मायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

क्तार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाडा, तारीख 19 नवम्बर 1979

सं० 955---यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

धौर जिसकी सं० 23-11-98 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 20-4-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बाबार मूल्य, उसके शृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से बक्द अन्तरण निक्ति में नास्तिक कप से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त लिख-नियम, के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐबी किसी आय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अक्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंथ, उनतं अधिनियम की घारा 269-य के अनुसरण में, में, उनतं पश्चिनियम की बारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथांत:-

- 1, (1) श्रीमती गोपालुनि कृष्णावेणम्मा (2) गोपालु वंकटा भोगेस्वराराव (3) जी० टी० वी० एल० एन० सर्मा (4) जी० श्रजयकुमार, विजयवाड़ा (अन्तरक)
- 2. श्रीमती दरिबेमुला नलगवा लक्ष्मी नरसु (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी का से 45 विन की प्रविधि या तक्ष्मंवधी व्यक्तियों पर पूचना की नामील से 30 विन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजरत में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसर्ने अयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्नियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाविक्ष है, बही अर्थ होगा जो उस भ्रद्भाव में दिया गया है।

घनुत्रुची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2665 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> बि०वि० सुब्बाराव सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख: 19-11-79

प्रक्ष भाई० दी० एन० एस०--

बायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जन्मकर क्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाडा, तारीख 19 नवम्बर 1979

सं० 956--यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रम्धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास रूरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से भाषिक है

भौर जिसकी सं० 23-11-98 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-4-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों जिन्हें श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269- घकी उपधारा (1) के मधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. (1) श्रीमती गोपालुनी कुष्णावेणम्मा (2) श्री गोपालुनी वेंकटा भोगेस्वाराव (3) जि० टि० वि० एल ० एन० शर्मा, (माइनर) (4) जी० श्रजय कुमार (माइनर), विजयवाड़ा (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दरिवेमुला लक्ष्मीकुमारी, विजयवाड़ा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की ताशीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावस्य संपत्ति में हित-बद्धा किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रक्षोहरताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त घिं चियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री भ्रधिकारी के पाक्षिक अंत 15-4-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 2104 में निगमित भ्रन्सूची संपत्ति।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम म्रधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख: 19-11-79

प्रकर बाई विक एन वस ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 249-व (1) के घंधीन सूचनाः

भारत सरकार

कायौरण, पहायक प्रायकर आधुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाडा, दिनाक 19 नवम्बर 1979

सं० 957—यत: मुझे बि० बि० सुब्बाराव भाषकर प्रधिकिषय, 1961 (१९61 का 43) (जिसे इसमें १ अके पश्चात् 'स्वत्त अधिनियम', कहा गथा है,) को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारव है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्वित्त साथार मूल्य 25,000/— र० से प्रविक है,

श्रीर जिसकी सं है, जो विजय वाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उग्लब्ध में धौर पूर्ण रूप से विजय वाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उग्लब्ध में धौर पूर्ण रूप से विजय वाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1980 (1908 का 16) के श्रिधीन 9-4-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीवक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्री तम्मिना सत्यनाराध्यमा, विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती भारतीजी जीतेन्त्र पारेख, विजयवाड़ा (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त समात्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भविष्य, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हिस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो घायकर श्रधि-नियम 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में क्रिशाबित हैं, वहीं घर्ष होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2328 में निगमित श्रनसूची संपत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराय सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-1979

प्ररूप आई • ही • एन • एस • ---

आयश्वर नविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनाक 19 नवम्बर 1979

सं0.958—यतः मुझे, बि० वि० सुन्वाराव प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा न्या है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यवे से प्रक्रिक है सौर जिसकी सं० 11-12-28 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क प्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप सै वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-4-79

को पूर्वीवन सम्पत्ति के उचित बाजार मृहन से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की बई है घीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकृत प्रधिक है घीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फय निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण निखित में बास्तिक रूप से सचित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरन ने हुई किसी भाग की बाबत, वक्त श्रविक नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविका के सिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं क्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया बा या किया बाना चाहिए बा, खिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अस, उक्त धिर्मियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की क्षमारा (1) के धनीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री तस्मिना भ्रम्युताराव, विजयवाड़ा (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बीणा रमश पारेख, विजयवाड़ी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्यन के मिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, वो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धम्य व्यक्ति द्वारा प्रघोड्स्ताक्षरी के पास सिचित में किये था सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रमुक्त कर्को भीर पर्वो का, बो उक्त सकि-नियम के धन्नाय 20-क में यका परिवाधित हैं। बड़ी सर्वे होगा बो उन सम्बाद में दिया क्या है।

पन्स्चो

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2329 में निगमित अनुसूची संपत्ति

> बि० वि० सुब्बारा**व,** ृसक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-79

मोहर

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 19 नवम्बर 1979

निदेश सं० 959—यतः मुझे बि० वि० सुढ्वाराव आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रधिक हैं और जिसकी सं० हैं, जो विजयवाड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्थी में ग्रीर पूर्ण रूपसे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकर्रा ग्रिक्त करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 अग्रेल 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व म कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मैं, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थीत्:—

- (1) श्री कोनेरू रामचन्द्रराव, विजयवा**ड्डा** (श्रन्तरक)
- (2) श्री कोनेरू गांधी, विजयवाड़ा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें युक्त गड्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, तो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रांत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2760 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरॅज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-79

प्रकप चाई • टी • एन • एस०-----

प्रायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 289 व (1) के ध्रवति सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर भाष्यका (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, काकीनाड़ा

काकीमाडा, विनौक 19 नवम्बर 1979

सं 0 960----- यतः मुझे, बि० वि० सुन्याराय धायकार धिवित्यम, 1961 (1981 का 43) (बिसे इसमें इसके वस्थात् जनत घोजित्यमं कहा भया है), की खारा 269-ख के धार्मिन संसम प्रीधिकारी को, वह विकास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिंचत काबार नूर्य 25,000/-वप् से धायक है

मौर जिसकी एं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है(मौर इससे उपाबंद म्रन्सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णत है),रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकर मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 21-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पर्धत के विश्व बाकार मूल्य से इस के दृश्यमान प्रतिश्वल के सिए प्रम्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रचापूर्वोक्त सम्बद्धिका निष्य काश्यार मूक्त्य, उसके पृश्यमान प्रतिश्वल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिश्वल के पण्डह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए तय पाया मया प्रतिश्वल, निम्न-सिखित उद्देश्य से उन्त यन्तरक सिखिन में वास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वासत, उक्त अधिनियम के भ्रेषीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। बोर/या
- (बा) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शाय-अर अबिनियम, 1922 (1922 की 11) थी उन्ते अबिनियम, या अन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीवकार्य बन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के सिए;

बतः सब, उक्त धिवियम की धारा 269-न के बनुसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथीत्:—

- (1) श्रीमती स्रिसेष्टी लक्ष्मीकांतक्ष्मा (2) श्री शिवाजी (3) श्री विठल (4) श्री रामकृष्ण (5) कुमारी व्यमावती (6) कुमारी रमादेवी (7) कुमारी सरोजा (8) कुमारी काष्ट्रगञ्जा कनका दुर्गा (9) यरुमसेट्टि झांसीरानी (10) बोपान। श्रीलक्ष्मी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीभती रुद्धराज् पर्यमावती, विजयवाद्धा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं त

उनक करकति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की शानेत : --

- (क) इस सूचना के राजपत में जन्मका की जारीय से 45 दिन की व्यवस्थि या तस्तंबंधी व्यक्तियों वर तूचका की ताशीश से 30 दिन की सन्दर्धि, को भी सन्दर्धि बाद में संभाष्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पंतित द्वारा;
- (व) इस भूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारी वा से 48 दिन के भीतर उपस स्वावर संस्थित में हितवज्ञ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा मुकेंगे।

स्पादनिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों कीर वर्षे का, जो उक्त प्रतिनिक्त के शब्दाय 20-क में परिभावित है शक्ती अर्थ होता, को उस अक्साय में विया गया है।

वमुन्यो

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी सं०पाक्षिक मंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2574 में निगमित भन्सुची संपत्ति।

> बि॰ वि॰ सुड्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख: 19-11-79

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवस्बर 1979

निर्देण सं० 964—यतः मुझे, बि० वि० सुडबाराव,

न्नायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्नौर जिसकी सं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल, 1979

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविवा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, प्रचीतः—
13.—416GI/79

- (1) श्री किलार बसवा पूर्ण चंद्रराव, डाकिपर, ऋष्ण जिला। (धन्तरक)
- (2) श्रीमती सान्निकोम्मु ग्रादि लक्ष्मी, विजयवाड़ा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबन सम्यत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोक्तरण:---इसर्मे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं, श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयताष्ट्रा रिजस्ट्री ग्रधिकारी से पासिक ग्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2565 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ती ।

> बि० वि० सुब्बाराव, सक्षम ग्रीधकारी महाबक आबकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंण, काकीनाडा

तारीख: 19-11-1979

प्रकप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰——

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यातय, सहायक मायकर पायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 19 नवम्बर 1979

निदश सं० 961, यतः मुझे, बि० वि० सुख्वाराव बायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-क्षम् से प्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर ५ससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में मारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वत बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिष्ठल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वत बाजार मूक्य उसके वृत्रयमान प्रतिष्ठल से, ऐसे वृत्रयमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत घनिक है भीर धन्तरक (घन्तरकों) भीर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निलिखित उहेरम से उस्त धन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त ग्रिवितयम के ग्रिवीन कर बेने के ग्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए या, छिमाने में सुविधा के लिए;

श्रवः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्ष प्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के बक्षीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

- (1) श्रीमती वंडमुंडि म्रनसूयादेवी, तस्नेरु गांव गन्ना-वरम तालूक। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रिव कोटेस्वरा, विजयवाड़ा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्स सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की भवधि या तस्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ल के किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त ग्रीविनियम के शब्दाय 20 क में परिभाषित हैं, वी ग्रायं होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूर्या

विजयनाड़ा रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 30-4-1979 में पंजीहत दस्तावेज नं० 2582 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> बि० वि० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-1979

मोह्ररः

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर, 1979

निर्वेश सं० 962—यतः मुझे, बी॰ बी॰ सुब्बाराव, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस हे परवात् 'उन्त अधिनियमं' सहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन समान प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-इपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 29-1-2 है, जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिकत के निए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य- उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धइ प्रतिशत श्रीषक है भीर भग्लरक (भग्लरकों) भीर भग्लरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्लरण के निए तय गांग गया प्रतिकत्न, निम्नलिखित वहेश्य से उच्त भग्नरण लिखित में वास्तरिक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (व) ऐसी किमी प्राय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियमं की घारा 269-म के श्रनुसरक में, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) अजीव, विस्वविक्ति व्यक्तियों, श्रवीव !--

- (1) श्री टी॰ मार्कंडेया सास्त्री, विजयवाड़ा। (ग्रन्तरक)
- (2) (i) श्री वै० राजगोपालराव, विजयनाड़ा (ii) वै० वीरभद्राराव, विजयवाड़ा । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:-

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना की तामी । से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इप सूबना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

•पध्तीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा त्री उम अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत: 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं 2413 में निगमिस भनुसूची संपत्ती।

> बी∙्षी॰ सुब्बाराय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-1979

प्रकप भाई • ही • एन • एस • ---

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन कुचना

भारत सरकार

कार्यांतव, सहायन प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर् 1979

निवश सं० 963—यतः मुझे, बी०वी० सुब्बाराव, बायकर धिविसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269 ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का बारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 24-3-24/3 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन भन्नल, 1979 की

पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिक) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से किया नया है।—

- (क) अस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उबत मधिनियम के अजीन कर देने के अस्तरक के वासिरक में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के सिए; धीर्य्या
- (व) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रिव्चित्त्वम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिव्चित्त्वम, या धन-कर प्रवित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था; किया ने में सुनिवा के सिए;

मतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, तक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रचीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचीतः--

- (1) श्री चलमालासेट्विसीतारामस्या, विजयवाङ्गा । (सन्तरक)
- (2) श्री दौलतराम सोमूजमल विजयवादा । (भ्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45

 की दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी
 प्रन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
 किए जा सर्वेंगे ।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

मनुसूची |

विजयवाड़ा रजिस्ट्री घ्रधिकारी से पाँक्षिक शंतः 15-4-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 2202 में निगमित शमु-सुची संपत्ती।

> बी० वी० सुख्वाराव, सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

ता**रीख**ः 19-11-1979

प्रकप माई• टी• एन• एस•→-----

भायकर प्रिमित्तम, 1961 (1961का 43) की बारा

269-च (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर धामुक्त (निरीकन)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 965—यतः मुझे, बी० थी० सुब्बाराध भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भन्नीत सक्तम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/॰ र∙ से मिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-52-20 है, जो गुंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भग्नल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक के दायिस्थ में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिम्हें प्रायकर ग्रध्विनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या ग्रन-कर भिष्विनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः धवः उत्त अधिनियम की घारा 269-त के अनुसरण में, में, उत्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपचारा (1) के स्रधीन, निक्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (i) श्री ए० चंद्रमोहन राव, नाजरपेट, तेनाली
 (ii) ए० वॅकटारमणाराव, बापटला (ग्रन्तरक)।
- 2. श्रीमती काव्री भारती देवी, गुंदूर। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वीश्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के शर्कन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की घविष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 बिन की घविष, को भी घविष बाब में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (च) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबा किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रश्चोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, भी उसत धिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म होया भी उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

वनुसूची

गुंदूर रजिस्द्री ग्रधिकारी से पाँकिक घंत: 30-4-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2220 घाँर 2224 में निगमित मनुसूची संपत्ती।

> बी॰ वी॰ सुध्वाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रॅज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-1979

प्रकृष भाईं शि एन एस--

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 966—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चिंत बाजार मूह्य 25,000/- हपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०है, जो विणाखपतनम में सियत है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विणाखपतनम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्तेल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय रत्या गरा पतिफल, निम्नालिखन उद्देश्य ने उत्तर प्रतरण निवित्त में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत मिंध-नियम के ग्रजीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या धनकर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के मनुसरक में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :—

- (1) श्री पंडिपाटि वेणु गोपाल रेड्डी, विशाखापतनम। (श्रन्तरक)
- (2) डा० श्रीमती प्रयामला चिस्टी, विणाखापतनम । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं ।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जे भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो; के मीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा तकेंगे।

स्थवारीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रिश्तियम के भ्रष्ट्याय 20-क भें परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

विगाखनतनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाँकि। श्रंतः 30-4-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2243 में निगमित श्रनूसुधीः संपत्ति।

> बी० वी० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-1979

प्ररूप प्रार्ह्० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, काकीनाड़ा काकीनाड़ा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 967—यत: मुझ बी० वी० सुब्बाराव आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

धौर जिसकी सं० है, जो राजामंड़ी में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसुची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजामड़ी में भारतीय रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर बेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के म्रनुसरण. में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों सर्पात्ः—

- (1) लोगु बंगारम्मा, पत्नी श्री लक्ष्मण राव(2) लोगु वेंकटेस्वराव, (3) एक० चंद्रभेटराराव, (4) विजयलक्ष्म पुती श्री लक्ष्मणराव (5) महेश्वरी, राजामंड्री। (श्र-तरक)
- (2) मेसर्स हिन्नुस्तान इंडस्ट्रीय कार्णेरेशन कं॰ पार्टेनर्स (1) मोहनलाल, (2) जुगराज, (3) मानक चन्द (4) देवीचंद, (5) बाई॰ माजन, (6) बाई॰ लक्ष्मी (7) कैलाण कुमार, राज्ञमंड्री (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजनल में प्रकाणन को तारी ख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में पत्राप्त होतो हो, के बोतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजाब में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पव्हीकरण :--इनमें प्रमुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजामंद्री रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक ग्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेत्र नं० 1934 में निर्णामत ग्रनुसूची संम्पत्ती

> बी० वी० सुन्धाराव, सक्षम स्रधिकारी, सहायक द्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 19-11-1979

प्रकप आईं० टी• एन• एन•———

बाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के समीन यूपन

भारत सरकार

कार्यालय, महायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनाक 19 नवम्बर 1979

सं० 968---- यतः मुझे बी० वी० सुब्बाराव, बायकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य 25,000/-ह॰ से अधिक है और जिसकी

सं० 11-3-1 है, जो साम्बामूर्थी स्ट्रीट काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 अप्रैल, 1979 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पस्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गता प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाहर के विक अप से कथित नहीं जिया गया है:---

- (त) अस्तरण से हुई किसी भाग को बाबत उपत अधि-तियम के मधीन कर देने के घरगण्य के दायिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; मीर/या
- (अ) ऐसी किसी आय मा किसी धन या मन्य बास्तियों को, जिन्हें भायकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धनकर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गांश या या किया जाना आहिए था, अपने में सृविधा के लिए;

धतः अत्र, उन्त धिवियम की धारा 26% ग के अनुसर्व उन्त धिधिनियम की धारा 26% व की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री राजा बोम्मादेवश श्रीरामा बेंकट्रायुलु पंगिडिं एलूर तालूक वैस्ट गोवावरी जिला
- (2) डाटला मेंरमनी, —काकीनाडा (अन्तरक्)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के १/०७ कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाषीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना है की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त करों मोर पर्दों का, जो उक्त भिष्ठित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकी नाडा रिजिस्ट्री श्रिधकारी से पाक्षिक श्रंत 15-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1623 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति

> . बी० वी० सुट्याराव, सक्षम श्रप्तिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, काकीनाडा,

तारी**ख**: 29-11-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 969—यतः मुझ, बि० वि० सुब्बाराव, ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचिन बाजार मल्य 25,000/-स्पर से ग्रीधिक है

श्रौर जिसकी सं ं ं ं है, जो काकीनाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रप्रैल, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रत: ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—-14—416GI/79

- (1) श्री राजा **कोम्मादेव**रा श्रीरामा वेंकटरायुलु, पंगिडि, एलूर, तालुक (अन्तरक)
- (2) श्री दंतलूरु खादर हक्षा वल्लि साधु कुष्णा वर्मा, काकिनाडा (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रश्याय 20क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत श्रप्रैल, 1979 में पंजीकृत दस्ताबेज नं० 1609 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति

> बि० वि० मुब्बाराव, सक्षम श्रधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्स (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्राय हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय ह प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, काकीनाड़ा काकीनाडा, दिनांक 19-11-79

970---थतः मुझे ब० वि० सुब्बाराव, म्रायकर स्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० है, जो जवाहर गली काकीनाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार पुल्म, जनके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्रथमात प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से श्राधिक है और यह कि प्रस्तर ह (प्रसारकों) घोर प्रसारिती (प्रस्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तय पाया गंगा प्रतिफल - निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आप की बाबन उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में मुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसे किसी आय गा किसीधन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त श्रधिनियम की धार 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निय्तिवित व्यक्तियों भ्रयीत् →

- (1) श्रीमती वडाला सुभद्रामा काक्रीनाडा (ग्रन्तरक)
- (2) 1 मेर्ला सूर्य प्रभाकर चौधरी
 काकीनाड़ा (भ्रन्तिरिती)
 2 मेर्ला दुर्गा प्रसाद चौधरी
 काकीनाड़ा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करतां हुं।

उका परात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में प्रभाष्त होगी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य वाक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक अंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1761 में निगमिति अनुसूची संपत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराव, सक्षम अधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा

दिनांक : 19-11-79

प्रहा प्राई० टी० एन० एस० ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नयम्बर 1979

सं०--971 यतः, भुझे वि० वि० सुब्बाराव,

भ्रायकर स्रिधिनियम, 1961-(1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'जनत स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिनका उचित बागार मूल्य 25,000/-क्षण से स्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं है, जो काकीनाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरी श्रिश्वकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिश्वित्तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्लीन अप्रेल, 1979 की पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत श्रिश्वक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच एसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय को बाबत, उक्त श्रिष्टिनियम के श्रिष्टीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी िमसी आय या किसी बन या अन्य प्रास्तियां को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के स्रम्भरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

। श्रीमनी दडाल सुभद्रम्मा, काकीनाडा

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री मेरला सूर्य प्रभाकर चौधरी, काकीनाड़ा
 - (2) मरेला दुर्गा प्रसाद चौधरी, काकीनाडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूनना जारी करक पूर्वीन्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी श्राक्षेप :--

- (क) इन बुजा के एजनज में प्रकार को जारीब से 45 दिन की श्रवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस यूचना के रागरत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरगः -- उनमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन ग्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी सं० पाक्षिक श्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1803 में निगमित अनुसूची संपत्ति

> बि० वि० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाई।

तारीख: 19-11-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर, 1979

सं० 972--यतः मुझे बि० वि० सुट्वाराव, ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/→ रुपये से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 54-5-55 है, जो काकीनाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए म्रन्तरित की गई है म्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी थ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घ्रायकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, म, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री कनुमूरि वेंकट शेषगिरिराव काकीनाडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मंडा केणवराव, काकीनाडा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना ज्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिल से हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

काकीनाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1611 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति।

> वि. वि० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा ।

तारीख: 19 नवम्बर, 1979।

प्रकृष आई. टी. एन. एस.----

आपाउटर मित्रिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 973-- यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव, पाय कर पश्चितियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रकार् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 2.69**-ख** के <mark>ग्रधीन</mark> नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाजर पप्पति जिमका उचित बाजार मूरुयं 25,000/- वपये से मधिक है श्रीरजियकी सं० 54-5-55 है, जो काकीनाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वीक्त मन्त्रिक के अन्तर बागार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्टयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत में बिक्र है और धरनरक (प्रन्तरकों) घोर प्रनारिती (मनिरितियों) के बीच ऐसे परतरग के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त भन्तरण लिखित में बाब्दिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी पाय की बाबत, उन्त प्रधितियम के भ्रष्टीन कर देने के पन्तरक के दायित्थ में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (का) ऐसी िन्सी आप वा किनो छन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनत्यों अर्थात् :—-

- (1) श्री कनुमूरी वेंकटा ग्रेषगिरिराव, काकीनाडा (श्रन्सरक)
- (2) श्री मंडा श्रम्मिराजु काकीनाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के मंत्रंत्र में कोई भी प्राक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की सबक्षि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्वित्र दारा;
- (ख) इस सूचन। के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कोकरक:--इसमें प्रयुक्त मन्यों घोर पदों का, जो उक्त घक्कि-नियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस घड़याय में दिशा गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2286 में निगमित भ्रनुसूची संपत्ति ।

> वि० वि० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, काकीनाडा

तारीखे : 19-11-1979

प्रकप भाईं• टी• एन० एस०---

मावसर विवित्यम, 1981 (1981 का 43) की घारा

269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 19 नवम्बर

सं० 974—न्यंतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दै कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से भिक्क है

भौर जिसकी सं० 54-5-55 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 19.08 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल, 1979 को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) घौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए गय गया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण में हुई किसी माय की बाबत उक्त घषितियम के अधीन कर देने के मस्तरक के दायिस्व में कभी करने या उनसे उचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या निस्सी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः अव, उन्त भिविनियम की बारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त भिविनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कनुमूटी वेंकट शेषगिरिराव, काकीनाडा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंडा केशवराव, काकीनाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशत को तारीच से 45 दिन की ग्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

•प•हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, के भव्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन भव्याय में दिया गया है।

धनुमुची

काकीनाडा रिजस्ट्री ग्रांधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-4-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2264 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति ।

> त्रि० त्रि० मुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-11-79

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-व(1) के स्रधीन सुचना

भारत ,सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल, भोपाल, दिनांक 3 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० थ्राई०ए० सी/एक्वी०/भोपाल 79-80/1396—— थ्रतः मुझे कृ० कां० राय,

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूहम 25,000/- इपए से घ्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्वरण श्रिष्ठित्वरण श्रिष्ठित्वरण १ १००८ (1908 का 16) के श्रधीन 17-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिगत से श्रिष्ठक है और सन्तरक (सन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पास बात्रावर्ग का निर्मा का साम स्थान का स्था

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भविनियम के भवीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (व) ऐसी तिसी आर या तिसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भन: भव, उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के भनुमरण में, में, उक्त भिधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नक्षिखित क्यक्तित्यों अधीत :---

- 1. (1) श्रीमिति बुर्गारानी देवी पत्नी श्री एस० डी० मुकर्जी (2) श्री एस० डी० मुकर्जी फाफाडिह, रायपुर । (अन्तरक)
- 2. (1) श्रीमिति श्रमीना पत्नि श्री श्रब्दुल रशीद व (2) श्रीमिति नाज्मा पत्नि श्रीमिति इलास मौधापारा रायपुर वर्तमान मंदिर के पास, फाफाङिह रायपुर)। (श्रन्तरिती),
- श्री एस० रंगन्ना, प्रोफेसर दुर्गामहाविद्यालय, रायपुर (श्रोकुपेंट) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धहै)।

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारी ख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पट्टी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अमुसुखो

मकान स्थित प्लाट माप 3599 वर्गेफुट, बियरिंग खसरा नं॰ 55/18 राम मन्दिर के पास, फाफाडिह, रायपुर।

> कृ० कां राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपास,

तारीख: 3-12-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिन्यम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289 व(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्बी०/भोपाल 79-80/
1397—ग्रतः मुझे कृ० का राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- द० से अधिक है
ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो बिलासपुर में स्थित
है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बिलासपुर
में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
ग्रधीन 24-5-1979

ग्रधीन 24-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रद् प्रतिशत से अधिक है भौर घन्तरक (भन्तरकों) भोर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण निक्वत में वास्तविक कप से कवित नहीं सिया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; धौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की धिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रिमित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए।

अतः अब, उनत अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के सधीन, निम्निशिक्ति व्यक्तियों, अर्थीत्:—

- श्री राम गोपाल पुत्त श्री सक्लू प्रसाद कम्यप जूना बिलासपुर जिला बिलासपुर । (श्रन्तरक)
- 3. श्री मूलचन्द खण्डेलवाल पुस्न स्व० चिरौंजी लाल, ग्रादर्श कालोनी, बिलासपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किया व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकासन की तारीका से 45 विस के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दितवब किसी भ्रम्थ अ्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उकत अधि-नियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्म होगा जी उप अध्याय में दिया गया है।

धभुसूची

खुला प्लाट माप 0.85 हैक्टेयर्स (9150 वर्गफुट) स्थित न्यु बस स्टेंड, जूना बिलासपुर, बिलासपुर।

> कृ० को राय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 दिसम्बर, 1979

निदेण सं० श्राई०ए०सी०/एक्बी०/भोषाल 79-80/ 1398—-श्रत: मुझे, कृ० कां० राय,

स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से स्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन 29-4-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रधिक है श्रौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर यह कि ग्रन्तरिती (ग्रन्नरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के 'दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्ः—
15—416G1/79

- 1. (1) श्री विश्वास राव पुत श्री विस्वकराव होल्कर (2) श्री नारायण राव (3) श्री सुरेण चन्द्र (4) श्री चन्द्रसेन सभी पुत्र श्री विश्वासराव होल्कर (5) श्रीमती तारा बाई पत्नी श्री विश्वासराव होल्कर ग्राम काम्बी तह० सैंग्वे, महाराष्ट्र (6) श्रीमती मीरा बाई पत्नी श्री मध् सूदन, हर-सिद्धी सैन रोड, इन्दौर व (7) श्री विस्वक राव पुत्र श्री विश्वासराव होल्कर, 15/2, मनोरमा गंज, इन्दौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री मोहनलाल 147, पालसीकर कालोनी, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में दिनबढ़ किसो अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्योक्तरणः --इसमें प्रयुक्त गर्झां स्रीर पदों का, जो 'उक्त स्रशितियम', के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं तर्ब होगा, जो उन स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 27 का भाग, महावीर मार्ग, इन्दौर।

कृ कां० राय सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त श्रर्जन रोंज, भोपाल

तारीख: 3-12-79

रु० से ग्रधिक है

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, भोगाल भोगाल, दिनांक 3 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० ग्राई०ऐ०सी०/एक्बी/भोपाल/79—80/
1399—ग्रत: मुझे के० के० राय
ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बागर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् श्रतिगत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिति (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तितक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों अर्थातः—

- 2. (1) श्री मोहन दास व किंगन दयाल गर्मा, श्रानन्द निवास, गली न० 4. गिमला (हि० प्र०) । (श्रन्तरक)
- 2. श्री फकरुद्दीन भाई पुत्र मुल्ला श्रमगर श्रली भाई बोहरा म० नं० 36, जवाहर मार्ग, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीमत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकेंगे।

साब्टोकरण:---इनमें प्रयुक्त गन्दों भौर पदों का जो छक्त ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मकान नं० 36 का पूर्वी भाग, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रावकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 3-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269 (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल,

भाषाल, दिनाँक 3 दिसम्बर 1979

आई०ऐ०सी०/एक्वी७/भोपाल 79-80/-निदेश सं० 1400/-- ग्रत: मुझे कु० कां० राय, आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, भीर जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दोर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-79 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य संक्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भ्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बंध्व ऐसे

अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण मं हुई किसी ग्राय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए !

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में में, उस्त ग्रिश्विनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्री ग्याम लाल गर्मा पुत्र श्री राम स्वक्ष्य जी गर्मा डैली कालेज, इन्दौर । (ग्रन्तरक)
- 2 (1) महेन्द्र कुमार व (2) श्री मुकेश कुमार दोनों पुत्र श्री मदन गोपाल अग्रवाल (3) श्री पवन कुमार (4) श्री संजय कुमार दोनों पुत्र श्री सत्यनारायण अग्रवाल 182, जैल रीड, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के पश्चन्त्र में कोई भी आक्षेप :----

- (क \ इस सूचना के राजपत में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में कियों जा सकेंगे।

स्परक्षेकरण े - इसमें प्रभृता शब्दों और पदी का, जी छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्यी

म्यूनिसियल सकान न० 3 प्लाट ऐरिया 28000 बर्ग कुट स्थित गली नं० 3, मनोरमागंज, इन्दौर।

> के० के० राम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

नारीख: 3-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०---

श्रायकरमधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्या<mark>लय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> भ्रजीन रेंज, भोपाल

ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदेण सं० भ्राई०ऐ०सी०/एक्बी०/भोपाल/79---80/ 1401—भ्रतः मुझे के० के० राय,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर समाति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान हैं, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानू वीकत सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह् प्रतिणत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिष क रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रतारण १ हुई किसा प्राय को बाबत, उकत प्रधि-निपम के प्रधीन कर देने के प्रस्तर के दापिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी हिनी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीन आय हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- 1. र्शा राधे ग्याम पुत्र श्री पन्नालाल जी गुप्ता, 28, कलाली मोहल्ला, छावनी मैंन रोड, इन्दौर । (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमित मधुबाला पित्त श्री भगत सिंह राय (2) श्रीणीतल प्रसाद पुत्र श्री भूरालाल (3) श्री राजेंद्र प्रसाद पुत्र गोपीलालजी (4) श्री सुनील कुमार पुत्र श्री रामप्रसादजी द्वारा श्रीभिश्वक श्रीमित प्रेमवती पित्त श्री श्री लाल व श्री मिठाई लाल पुत्र श्री पुरुषोत्तम जयसवाल, कान्गो बारवल, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 9 स्थित गली नं० 3 ब्लाक नं० 56 ऐ. मनोरमा गंज, इन्दौर।

> कं० के० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-12-1979

प्रकृप भ्राई० टी० एन० एस०---

न्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदेश सं० ग्राई०ऐ०सी०/एवबी०/भोपाल/79-80/—
402—अतः मुझे के० के० राय, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यनि, जिलका उचित बाजार पूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

धीर जिसकी सं० सकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. (1) श्रीमति, प्रभावती देवी विधवा पति श्री गजानन गोडबोले, नाथ मन्दिर कालोनी 2, साउथ तुकागज, इंदौर । (2) श्री राजा राम पुत्र श्री धर गोडबोदे (3) श्रीमति णालिनी पतिन श्री दिनकर गोडबोले ग्ररेरा कालोनी, भोपाल, (4) श्री रघुनाथ पुत्र श्री श्रीधर गोडबोले नागपुर (5) श्री मधुकर पुत्र श्री श्रीधर गोडबोले एल० ग्राई० जी० कालोनी, इन्दौर । (ग्रन्तरक)
- श्री फतेत्राली पुत्र श्री गुलाम अली, 713, सांगली स्ट्रीट, महू। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई यी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, पूर्वीतर पूर्तीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेंगे।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त एक्वों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रगुसूची

कई मंजिला मकान रकबा 4490 वर्गफुट 12/1, चन्द्राभाग, इन्दौर ।

के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनिवम, 1961 (19**61 का 43) की धा**रा 269**घ** (1) के अधोत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/1403---श्रतः, मझे के० के० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिस्तका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 26-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथ।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियन के अप्रीर कर देन के प्रन्तरक के दापित्य में कमी करते या उनने बाबने में मुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसा किसा प्राय टा किसी घन व प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आप-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सन्धा के लिए:

भ्रतः भ्रव, उन्त श्रिवितयम की भ्रारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधितिथम की भ्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अभ्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयत्ः—

- 1. श्री पांडुरंग रघनाथ राजिन्दर, 50, एम० स्नाई० जी०वैणाली नगर, भिलाई (स्रन्तरक)
- थः (प्रोफेसर) बालक्रष्ण पुत्र श्रीराम भान निलोम प्रन्पियल, शासकीय महाविद्यालय, शुजालयुर, 52, ग्रनूपनगर, इन्दौर, (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नम्मित के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत मन्यति के अर्जन के समास्त्र में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन मूचना के राजात ने प्रकाणन को तारोज से 45 दिन को अविध या तत्मम्बन्धां व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भो प्रविध बाद में सनापा होती हो, के मार पूर्वीकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन के भोतर उकत स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध ितनो प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रचाहस्ताक्षरों के पास निद्वित में किए जा सहेंगे।

स्वब्हीकरण --इसमें प्रयुक्त शंब्दों श्रीर पदों का, जो उवत श्रधिः नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रथ होगा, जो उस श्रष्टगाय में दिया गया है।

अनस्ची

दो मंजिला पक्का मकान रक्षवा 2616 वर्गफुट 52, ग्रनूपनगर, इन्दौर।

> के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, भोपल

दिनांक: 6 दिसम्बर 1979

प्रकृष ग्राई० डी० एन० एस०----

प्रतिहर प्रतिविद्यम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के प्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल 79-80/1404— ग्रतः, मुझे, के० के० राय,

मायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में भ्रधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 21-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप स कथित नहीं निया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी ितनो आय या ितनी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना जाहिए था, िळपाने में स्विधा के लिए;

ग्रनः पत्र, उनन अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्तृलिखित व्यक्तियों श्रर्थात :→→

- श्री श्रशोक कुमार पुत्र श्री अनोखी लाल दखा, लाडाल् मोदी बाजार, रतलाम । (श्रन्तरक)
- 2. श्री नजमुद्दीन पुत्र श्री नाहिंग श्रालीबोहरा, चांदनी चौक, रनलाम। (श्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के पर्धन के सम्बन्ध में कीई की बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध सा नत्म-काशी शाकित थों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत शाकित शे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजाव में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उपन स्थावर स्थालि में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उन्त अधिनियम के आध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 12/336 रकवा 7000 वर्गफुट मिल्न निवास रोड, रतलाम ।

> के० के० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-12-1979

प्रकार आहे० टी० एन० एम०-----

धायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 289-घ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश मं० म्राई० ए० मी० /एक्बी०/भोपाल/79-80/ 1405—म्प्रत: मुझे, के० के० राय,

श्राय हर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

धौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 25-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पत्द्रह प्रतिजत प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की ्उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीतः—

- (1) श्रीराम चन्द्र (2) प्रभाकर (3) स्रम्ण (4) ध्रनिल (5) स्रानन्द व (6) अविनाण सभी पुत्र श्री गोबिन्द जोशी (7) कु० मंजिरी पुत्री गोविन्द जोशी, पार्क रोड, टेली-फोन एक्सचेंज, इन्दौर (स्रन्तरक)
- श्री योगेन्द्र कुमार पृत्र श्री मुख्ली धर पुरानिक 52,
 श्राझा बाजार, इन्दौर । (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्वडडोकरण: -इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

दो मंजिला पक्का मकान नं० 99/1 रकजा 720 वर्ग फुट दुवे का बगीचा (वल्लभनगर), इन्दौर।

> के० के० राय सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-12-1979

प्रारूप आई ० टी ^० एन० **ए**स०———

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
1406—ग्रत:, मुझे के० के० राय,
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है
ग्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में

वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 28-4-1979

स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीधक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के त्रीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्ुः-→ 16—416G1/79 1. (1) श्री रामधन्द्र (2) प्रभाकर (3) ग्ररण (4) ग्रनिल (5) ग्रानन्द व (6) श्री ग्रविनाम सभी पुत्र श्री गोविन्द जोशी व (7) कु० मंजरी पुत्री गोविन्द जोशी पार्क कालोनी, टेलीफोन ऐक्सचेंज, इन्दोर (ग्रन्तरक)

2 श्री बसंत पुक्त श्री गंगाघर भेंडे, 34, नन्द लाल पुरा, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप्ः---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूषी

दो मंजिला मकान नं० 99/1 का भाग रकबा 585 वर्गफुट दुबे का बगीचा (वल्लभ नगर), इन्दौर।

> के० के० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख 6-12-1979

प्रकप धाई० टी० एन∙ एस∙-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ(1) के ध्रयोन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनोक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/1407 अतः मुझे, क्रु० कां० राथ,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, 4-4-1979

को पूर्वोक्त मंपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, अिन्ति विश्वत उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण निकात में वास्त्रविक रूप से कथि। नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राप्त की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रष्ठीन कर देने के ब्रम्सरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना सहिए था, खिलाने में सुविधा के निए:

अतः अब उक्त पिषानियम को तारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की द्यारा 269-ए की छपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- 1. श्री श्रशोक कुमार पुत्र श्री विठलदास सेठ 21, सिख मोहल्ला, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रसिक लाल पुत्रश्री वसंत श्री दोशी; मैनेजर दैना बैक, भवानीपुर ब्रांच, 109, ग्रसुतोष मुकर्जी मार्ग, कलकत्ता। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि वाद में नमाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिक्षितयम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"सेठ ऐपार्टमेन्ट" का ग्राउन्ड फ्लोर माप 1305/वर्गफुट स्थित 7 बी, कैलाम पार्क कालोनी, इन्दौर, साथ श्रन्य सुविधा।

> कृ० कौ० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 6-12-1979

प्रारूप आईं • टी • एनं • एसं •———— आयक्र प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार कार्यावय, सहायक ग्रायकर ग्रायुरत (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/ 1408— म्रतः, मुझे, कृ० कां०राय,

म्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम भ्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्पए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूभूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन 20-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोता सम्पति क उचित बाजार मल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसा दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिध-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख़ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:---

- श्री महेन्द्र नारायण पुत्र श्री राम गोपाल गुप्ता
 589, स्नेहनगर नौलखा, इन्दौर । (श्रन्तरक)
- श्री विद्यासागर पुत्र श्री बिहारी लाल चतुर्वेदी निवासी जपला सीमेंट फैक्ट्री ग्राम देवरीकला जिला पलामू, हुसैनाबाद, बिहार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसों अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्षरण :--इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत श्रधि-नियम के जध्याय 20-क में परिभापित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 36 रकवा 2400 वर्गफुट स्थित खेडापति कालोनी, ग्वालिसर।

> कृ० को० गय, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ओपाल

तारीख : 10-12-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० श्रार० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/ 1409-- ग्रतः, मुझे, कृ० कां० राय,

म्रायकर म्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से मधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के क्विं से विजित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में, रजिस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 21-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहु प्रतिफत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिवितयम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (बा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के बिए;

श्रदः श्रव, इन्त श्रविनियम की धारा 269-म के भ्रनुसरण में में, उन्त ग्रविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्मलिखित व्यक्तिओं अर्थीत्:—

- 1. श्री श्रगोक कुमार पुत्र श्री श्रनोखी लाल दख, महाजन, डालु मोदी बाजार, रतलाम । (श्रन्तरक)
- 2. श्री हुनेद पिता हाजी फकरुद्दीन बोहरा चांदनी चौक, रतलाम। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रज्न के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं॰ 12/335 माप 7000 वर्ग फुट स्थित मित्र निवास रोड़, रतलाम ।

> क्रु० कॉ॰ राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 10-12-1979

त्रकप भाई • टी • एन • एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 विसम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्की०/भीपाल 79-80/ 1410--श्रत:, मुझे, कु० कां० राय,

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छनित बाजार मूख्य 25,000/- ब॰ से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग हैं, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 13-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से अप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्मरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त सम्सरण लिखित में वास्त के करण से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम सें हुई किसी आय की बाबत 'उक्त धीधनियम' के मधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उन्नसे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या प्रम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत घिष्टिनयम, या बन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुनिक्षा के बिन्,

अतः अब, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरच में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप-धारा (1) के अधीन, निस्नलिबित व्यक्तियों, अथौत् :---

- श्री गुरुचरन सिंह पुत्र श्री हरजनराय चावला, फतेहगंड़, गोपाल । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमला पत्नी श्री लीनाराम खन्नी 50, सी, ईश्वगाहिल्स, भोपाल । (श्रन्तररिती)

को यह सुचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस पूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की ध्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की धर्माध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियद के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म दोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुजुषी

दुकान नं० 3 स्थित रायल मार्केट, जी० पी० भ्रो० के पास, भोपाल ।

> भ्रु० को० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०⊸⊸

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 विसम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 79-80/ 1411--श्रतः मुझे, क्व० कां० राय,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन संजम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 28 श्रप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकत्र के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐस अन्तरण के निम्ति खत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) अन्तरम न हुई हिनो आय को वाबन उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी ितनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त श्रिप्तियम की धारा 269-ग के **प्रनुसरण** में, में, उन्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती गायती देवी नात्नी श्री विष्णुगी नारायण (2) श्री विष्णुगी नारायण पुत्र श्री चन्दा नारायण दुबे, रायपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रशोक कुमार श्रीवास्तव पुत्र श्री काम्ना प्रसाद श्रीवास्तव, बूढापारा, राथपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर तकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 309/15 स्थित ब्राह्मणपुरी रायपुर जिला व तहसील रायपुर।

> क्व० कां० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 19-12-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-18, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 346/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची कं० श्रनुसार है जो महनवेरी में स्थित है जो (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोचीन में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 2-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भूरंथ ते क्षम के दृश्यमान प्रति-फल के जिबे प्रकारित की गई है भीर मुखे पर विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है भीर प्रकारक (प्रकारकों) भीर प्रशासिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रकारण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में वास्तिविक छए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी अप्त की बाबत, केक्त अधिनियम के अधील कर धेने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भुविद्या के किए;
 श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी याप पा किसी वन या अन्य मास्तियों की जिन्हों भाएतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर अधिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिएचा, छिपाने में मुनिका के लिए;

जत: जब, उका प्रधिनियम, की धारा 269न्म के धकुः सरण में, में, उक्त प्रजिनियम की धारा 269न्य की जपश्चरः (१) के जजीन निम्नुविक्षिक प्रकृतिनामों. अपृति ५--- (1) श्रीमती मुलेखा बाई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मी० ए० हनीफा हाजी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

रुप्डिटीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त पश्चि-नियम, के ब्रह्माय 20 के में परिभाषित है, वही ब्रब्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

ग्रनुमुधी

12 Cents of land with buldings in Sy. No. 699 of Mattan-cherry village.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुक्षम

तारीख : 7-11-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

> > म्रर्जन रेंज, कोचियन

कोच्यिन, विनांक 26 नवम्बर 1979

सं० निर्देश सं० एल० सी० 364/79-80--पतः मुझे के० नारायणा मेनोन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से

ग्रधिक हैं

भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के श्रनुसार है, जो 4 श्रालुवा में स्थित है (श्रौर इससे उपबाद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रालूवा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-4-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं भीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक हैं और मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिवक ख्रम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त घरिं-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-व के म्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यातः (1) श्री एन० कुष्णस्यर

(ग्रन्तरक)

(2) (1) श्री के० एम० मरक्कार झाजी (2) के० एम० हसन (3) के० एम० ग्रनियार (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई ध्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-प्रत्यबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्योकरण :-- चसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24.775 Cents of land with buildings in Sy. No. 261/IC of Alwaye village.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कोचिचन

तारी**ख** 26-11-1979 मोहरः

(भ्रन्तरक)

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**ण** (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहामक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोण्विन-5

कोण्विन-5, दिनांक 6 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 367/79-80--पतः मुझे के० नारायणा मेनोन

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-घ के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो मल्ला-पुषाचेरि में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोषनचेरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-4-1979

भो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राम की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन किर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भावकर प्रवितिवस, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर प्रधिनिवस या धन-कर प्रधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्राधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत, निस्तिलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात — 17—416G1/79

- (1) श्री पी० एम० चानको
- (2) (1) श्री मात्यु, (2) शोशान्मा, मात्यु (3) रोय० एम० मात्यु, (4) निस्सी मात्यु, (5) शाशम्मा माम्मन एवं (6) सिमिली मात्यु (ग्रन्तरिती)

को यह **भू**यता जारी करके **पूर्वोक्**त मध्यक्ति **के धर्णन के** लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उनमा के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी सांस 45 दिन की श्रविध ना जिसम्बद्ध निस्त्रयों पर सूचना की तामील से 30 दिन तो श्रविध, जो भी श्रविध नाद में सनापन डोती हो, के भीतर पूर्वीकन ना निसमों में भी किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्त व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ता करें के पास लिकिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें अयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त भिष्ठितियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होना, जो उस अध्याव में दिवा गया है।

अनुसूची

1.5 Cents of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 440/79.

कें० नारायणा मेनोन, सक्षव प्राधिकारी, सहा**वक भ्रायक**र भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

तारीख: 6-12-1979

प्रका धार्व० टी० एन० एस•----

भागकर सम्बितिशम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

धारा सरकार

कार्यातयः, पहायकः सायकर आयुक्तः (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चित-5, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्वेश सं० एउ० सी० 370/79-80--प्रतः मुझे के० नारायणा मेनोन

भागकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'जस्त अधिनियन' कहा गया है), की बारा 269-ख क नरीन सक्षत पालिकारों की रह विश्वता करने का कारम है कि स्थानर अस्पति, जिनका जीत सोजार मुख्य 25,000/- कार्य अधिक है

भीर निसकी सं० प्रतुन्ति के प्रतुसार है, जी कीन्लम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रतुन्ति में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, कोन्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-4-1979 की

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वीक सम्पत्ति का उचित । जार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिम ते अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) भी अन्तरिती (अन्तरितियों) के कि ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविह धरम कथिन तहां किया गया है :--

- (क) मलारण नं दुई िकती माप की वाबत उनक मितियम के मधीन कर देने के मन्तरण के वासित्व में कभी करने या उनमे जबने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतात आयक्तर भिष्ठिनियम, 1923 (1922 का 11) या उन्त भिर्मित्रम, या धन कर भौधीनेयम, या धन भर भौधीनेयम, 1952 (1957 का 27) के भगोजाओं अन्तरियो हारा अकट नहीं किया गया या पर किया जाना साजिए था, बिरान में नृतिना हा लिए;

अतः अप, उना अधिनियम को धारा 269-ग के प्रनृतरा में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधं (व्यक्तिनयों) यथिन् :--

- (1) श्री इरिकास्त मनकतात था। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एमे० बातन पिल्लै। (प्रत्नीरनी)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रवेत के निर्कार्यवाहिया कराहि।

चनत सम्पति के पर्यन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (का) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्त में हित-बढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्ताक्षरी के पास जिखन में किए जा मकेंगे।

इस्दिशिकरण: --इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रथें होगा जो उस अझ्याय में विवा गया है।

अनुसूधी

Land and building as per Schedule attached to Doc No. 1563/79.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नाबकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप आई. टी० एन० एस०-----

अध्यक्तर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ष (1) के श्रजीन सूपना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन र ज, एरणाकुलम

कोच्चिन-5, दिनांक 6 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 371/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके परवान 'ज़बत प्रिविनम' कहा गया है), का पारा 269-ख के प्रधीन नम्भ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्थरण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका विविध याजार मूल्य 25,000/- ह॰ से प्रधिक है और जिसकी संव प्रमुसूचि के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1979 की

्विशितमानि ह होते न बाजार पूरण ह एम ह दृष्यमान प्रति-फल के लिए अवस्ति की गई दू और भुजे यह निष्नास करने का कारण है कि इक्षायाँका स्थापि का उनित बाजार मृत्य, उमके दृष्यात अनिकत ने, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का स्टूह प्रतिकत अनिक ह और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (कन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक कृष ने तथिन नहीं किया गया है:→-

- (तः अन्तरण से दुई किसी आयकी बाबत उक्त याधनियम के अधीन कर देने के धरारक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी जिसी बाय या लिडी जन के मन मास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायक प्रिवितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ धन्तिरती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उमन प्रिमित्यम की धारा 269मा ह सनुमारण में, में, उनत प्रिक्षिनगर, की भारा 269मध की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :→-

- 1. (1) त्री तंत्रत बाई नाहनात वा (2) नवीत भाकतात ग (3) शुमन्द्रा धार० पा द्वाराश्री इंस्किन भाकतात था (प्रनास्क)
- (2) श्री एम० पानन नित्ते। (प्रतास्ति)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोका सम्पति के अर्जन के जिए कार्यन दियां घरता ं।

वस्त सम्मति य श्रीत है उन्हें हैं होहें ही। आक्षेत:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की श्वतिष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से िसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस पूरण ल जगरत में रताना कर साक्ष्य म 45 विस के भीति नवत त्यांतर अध्यक्ति के तिजनत कियी जन्य जावित द्वारा, अजीद्रमाजन न करा निश्चित में किए का सर्वेग

रनक्दीकरण 1—-इसर्ने प्रयुक्त गर्भो और नर्भ का, से नर्भ अधिनियम के प्रथ्यान 20-ए हैं (दिसाचित है, वही भर्य होगा, जो उन प्रस्थाप में विया गया दें।

ा ृ**्धा**

Land and building as per Schedule attached to Doc. No. 1564/79.

कें नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरगाकूलम

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एम०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन मुखना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज, कोच्चिन

कोच्चिन-5, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 372/79-80---यनः मुझे, के० नारायणा मेनोन,

भायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खें के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गूह्य 25,000/~ हुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18-4-1979 को

पूर्वोका सम्मति के उवित बाजार मूल्य में कम के दूश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है और भग यह विश्वास करत का कारण है कि यवापूर्वोका सम्मति का उचित बाजार मूला उनके दृश्यमान पिका से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकार का पन्दर्व प्रतिका अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में शहाबिक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देनें के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राोजनार्य श्रन्तिरिती शरा प्रकट नहीं केया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं. उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखिस व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- (1) (1) किशोरी एन० परेख (2) कुमुद एस० कपाड़िया (3) किशोर मनकलाल शा (4) नीना एन० चोड़ा द्वारा श्री हरिकान्त मनकलाल शा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० बालन पिल्लै। (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति **के श्रर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत मुतना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या नरमस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त हो दिहो, के भीतर पूर्वोक्त वातियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध कियो पान वाकि। द्वारा, भागेहस्ताक्षरी के पास निखान में किए जा सर्कों।

स्वष्टीकरण:---६ वर्षे प्रश्वन सकों और पदों का, वो उनस ग्रिजियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसुधी

Land and building as per Schedule attached to Doc. No. 1565/79.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कोचिचन

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० --- ---

श्रायाहर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-5, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 373/79-80--पतः मुझे, के० नारायणा मेनोन म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्र के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए में प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रतुसार है, जो कोश्तम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का मे र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोत्तन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रस्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भीर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐंने ग्रन्तरण के निर्ताप पाया गया प्रतिकन निम्नलिखित उद्देष्य से उका प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तररु के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रबं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म के श्रनु-सरण में, भैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रथीत्:---

- (1) (1) जयन्त मनकलाल शा (2) शीला मनकलाल शा (3) प्रदीप मनकलाल शा द्वारा श्री हरिकान्त मनकलाल शा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० बालन पिल्लै। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्माल में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढ्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

Land and building as per Schedule attached to Doc. No. 1566/79.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरोंज, कोचिचन

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, को चिचन

कोच्चिन-5, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 374/79-80—यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ह० से

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो कोल्लम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) (1) ह्रिरकान्त मनकलाल शा (2) तथीन मनक-लाल शा (3) किशोर मनकजाल शा (4) जयकान्त मनकलाल शा (5) प्रदीप मनकलाल शा (6) चंचलबाई मनकलान शा द्वारा श्री द्वरि-कान्त मनकलाल शा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० बालन पिल्लै। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्प्रत्य में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

Land and building as per Schedule attached to Doc. No. 1567/79.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, कोच्चिन

तारीख: 6-12-1979

प्र∉प भाई । टी० एन० एस०----

भावकर प्रधितियम, 1961 (1981 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक घायकर घायका (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 4 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 366/79-80--यतः मुझै के० नारायणा मेनोन
आयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिजितियम' कड़ा गया है), को धारा
269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रक्षिक है
भीर जिसकी सं० भ्रतुसूची के भ्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 30-4-1979

16) क अक्षान, 30-4-1979
को प्वींक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के
बूश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पति जा
विश्वास बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐने
दृश्यमान प्रतिकल का प्रवृह् प्रतिश्वत से ग्राधिक है भीर
धन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (भ्रग्तरितियों), के बीच
ऐसे गुरुर्थ के निष् तम् पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित
बहेश्य से उका श्रन्तरम जिल्लिस में बास्तिक का से कथित
नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रत्तरण वे हुई किसी प्रायकी बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घत या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधितियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधितियम, या धनकर ग्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उनत धिविषम की धारा 269-म के धानु-सरण में, मैं, उनत धिविषम की धारा 269-म की उपनारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) श्री सी० के० पी० कम्मन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० श्रार० बन्द्रन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

एक्स सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 4.5 दिन की अवधि या नरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ स्थवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकें।

स्दब्झे करण: ---इसर्ने प्रपृक्त शक्यों भीर पदी का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रायें होगा जो उस ग्रक्ष्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

6.566 Cents of land with building in Sy. No. 922/2 of Ernakulam village.

के० नारायणा मेनोन, स**क्षम** प्राधिकारी, स**हा**यक श्रायकर **प्रायुक्त** (निरीक्षण), **श्रर्णन** रेंज, एरणाकुलम

ता**रीख**: 4-12-1979

मोहए:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 378/79-80---यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

स्नायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के स्रितीत तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-श्पण् से स्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के श्रनुसार है, जो इरिजालाकुडा में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बांणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इरिजाला-कुडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा िसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपघारा (1) के श्रधीन; निम्निखिल व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) (1) कृष्ण ऐयर (2) हरिहरन (3) वैद्यनायन द्वारा कृष्ण एँयर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० वेलायुथा मेनोन। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त समात्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसुची

59 Cents of land with buildings as per Schedulc attached to Doc. No. 661/79.

कें० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 11-12-1979

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, बहुपक अधिकर प्राप्तकत (तिरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कोच्चिन

कोच्चिन-16, दिनांक 11 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० मी० 379/79-80---पतः मुझे के० श्नारायणा मेनोन भायकर प्रिश्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधितियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० मे प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो मानंतोड़ी में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय मानंतोड़ी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 28-4-1979

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिकन के निर्पति हो गई है और पुत्रे यह विश्वाम करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिकन से, ऐने दृश्यमान प्रतिकन का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्ट या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्राीत निकालिया काशियां, श्रयों (:→→
18—416⊙1/79

- (1) (1) बी॰ नीतम्मा कावेटियप्पा द्वारा बी॰ के॰ गणापित (2) वी॰ के॰ गणापित (3) बी॰ के॰ ग्रय्यप्पा द्वारा बी॰ के॰ गणापित। (ग्रस्तरक)
- (2) (1) पी० रामाकुरूप (2) नीलिकण्डि कुजहम्मद हाजि (3) ए० टी० मान्यु (4) टी० पी० पुश्रूस (5) एम० बालकृष्णन (6) एन० पक्कट (7) नोमज० जे० ए० (8) टी० पी० ग्रान्टणि (ग्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :--
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रोर पदों का, जो 'उक्त स्रधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Coffee estate as per Schedule attached to Doc. No. 1749.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, कोच्चिन

तारीख: 11-12-1979

भोहर :

प्ररूप हाई॰ टी॰ एन॰ एम०---

अ(यकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भ्रा<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-16, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एषा० मी० 380/79-80--यतः मुझे, के० नारामणा मेनोन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० श्रृत्यूची के श्रनुसार है, जो मानंतोडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय मानंतोडी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 क्रा के ग्रधीन, 28-4-1979

को पूर्वोक्त सम्मिन के उधित बागार मृत्य से कम के दृष्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बागार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रक्षिक है और प्रन्यरक (भन्तरकों) और प्रन्यरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के चिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों भो, जिन्हें भारतीय आयकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुक्षिधा के लिए;

अतः घव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भें, उक्त धिवनियम की धारा 269-म की उपकाश (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चात् :---

- (1) (1) बी० के० गणापित (2) बी० के० नंजण्पा (3) बी० के० ग्रय्यप्पाद्वारा बी० के० गणापित)। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) पी० रामाकरुप (2) नीलिकण्डि कुअहम्मद हाजी (3) ए० टी० मात्यु (4) टी० पी० पुन्तूस (5) एम० बालक्रुष्णन (6) एन० पाक्कर (7) थोमस जे० ए० (8) टी० पी० श्रन्टोनी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उना सन्तरि हे अजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत:---

- (क) इन पूबना के राजात्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ग्रविध बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजात में प्रकाशा की तारोख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर समाति में हिनबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताक्षरी के
 पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के अक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्व होगा जो उस प्रकार में दिया गया है।

अनुसूची

Coffee estate as per Schedule attached to Doc. No. 1750/

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, कोण्चिन

सारी**च**: 11-12-1979

नोइर:

अक्ष भाई• टी• एन• एस•----

बायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कोच्चिन

कोष्टिन-16, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 381/79-80--यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० में अपिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुभूची के श्रनुसार है, जो पावरिट्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुल्लाशेरी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 9-4-1979

को पूर्जोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रस्तु प्रतिद्यत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया यथा प्रतिकल, निम्नस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वान में बास्तिक हा न स्था नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते बुई कियो आय की बावा करा अधि-नियम के घ्यान कर वैसे के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे वचने में सुविक्षा के लिये;
 और/या
- (ख) एनी किसी आय या किसी घन या अथ धास्तियों को, जिम्हें भारतीय घायकर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टियम या अन-कर अक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था, या किया जाना खाइए था, छिपाने में मुविद्या के जिये;

अतः प्रया, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम, की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयाद :→-

- (1) श्री बालाचन्द्रन। पालूबाई देसोग, चावाकाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वरुगीस जोंब। वादाके हालाकल पावारा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की सर्विध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी भविध बाद ल्में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भ से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास निवास में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:→-इसमें प्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित है, वहों धर्य होगा, जो उन भव्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

20.75 Cents of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 569/79.

के० नारायणा मेनोन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कोच्चिन

तारीख: 11-12-1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 17th December 1979

No. P/1890-Admn.I—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 12th December 1977, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to continue the appointment of Dr. T. Ramasami as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission for a period of two more years with effect from 1st December, 1979 (F.N.) or until further orders, whichever is earlier, under the powers vested in him vide proviso to Regulation 4 of the UPSC (Staff) Regulations 1938.

S. BALACHANDRAN Under Secretary (Admn.) for Chairman Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 26th December 1979

No. A-11/6/79.—Shri Inder Mohan Bhatia, Sr. Stenographer, Hqrs. Office has been appointed to officiate as Enforcement Officer with effect from 19-11-1979 (FN) and until further orders.

D. C. MANDAL Deputy Director (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 28th December 1979

No. 78 RCT 16.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. J. Singh, Executive Engineer (Elect) of the Central Public Works Department, as Technical Externiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating Capacity, with effect from 19-12-1979 (forenoon) until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 27th December 1979

No. O. II-1032/75-Estt.—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from 3-12-1979 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

B. K. KARKRA Asstt. Director (Adm.)

INDIA GOVERNMENT MINT, ALIPORE

Calcutta-700 053, the 28th December 1979

No. P. 157/14035.—Shri R. N. Neogy, officiating Bullion Registrar, India Government Mint, Alipore, Calcutta-700 053 has been confirmed in the post of Bullion Registrar in the same Mint with effect from 1st December, 1976.

B: M. MISTRY Master of the Mint.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-1 MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th December 1979

No. Admn. 1/P. F/GNG/434:—Shri G. N. Ghose a permanent Accounts Officer is permitted to retire from Government service with effect from 31-12-1979 afternoon on attaining the age of superannuation.

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

DGØF HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 24th December 1979

No. 21/79/A/E-1(NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals, in Offg., capacity on ad-hoc basis in existing vacancies in grades and on dates shown against each:—S/Shri

1. B.K. Nandi, Permt. Asstt. . Offg. Assistant From 10-12-79 Staff Officer until further (Group 'B' orders. Gazetted)

2. Goverdhan Lal
Permtt. Asstt. . Do.

Permtt. Asstt. . Do. Do. 3. M.K. Khastagir,

Permtt, Asstt. . . Do. Do.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.

for Director General, Ordonnee Factories.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 26th December 1979

No. A-1/1(873).—The President is pleased to appoint Shri I. S. Garg, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate on ad hoc basis as Deputy Director of Supplies (Gr. II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi, with effect from the forenoon of 10-12-1979.

P. D. SETH Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 21st December 1979

No. A-17011/167/79-A6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri K. N. Nagraj, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad hoc basis in the Office of the Director of Inspection, Bombay w.e.f. the forenoon of 22nd Nov. 1979 and until further orders.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 21st December 1979

No. A-6/247(492)/III.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Sharma, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of the Director of Inspection, Calcutta as Inspecting Officer (Engg.) in the same Office w.e.f. the forenoon of 3rd December, 1979 and until further orders.

Shri Sharma relinquished charge of the post of AIO (E) and assumed charge of the post of IO (E) in the office of Director of Inspection, Calcutta on 3-12-1979 (FN).

No. A-17011/81/74-A6.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Malakar, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engg. Branch) in the same office w.c.f. the forenoon of 3rd December, 1979 and until further orders.

Shri Malakar relinquished charge of the post of AIO (E) and assumed charge of the post of IO (E) in the office of Director of Inspection, Calcutta on 3-12-1979 (F.N.).

P. D. SETH Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF ANFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

A LECTION OF THE PROPERTY OF

New Delh-1, the 26th December 1979

No. A-20012/14/70-Exh.(A).—The Director of Advertising and Visual Publicity appoints Shri S. N. Gupta as Field Exhibition Officer in this Directorate in the Field Exhibition Office (Van Unit), Ahmedabad in a purely temporary capacity on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 12-12-1979 until further orders.

J. R. LIKHI Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 19th December 1979

No. A. 35017 f1/79 (HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Rustogi to the post of Deputy Director Accounts (Stores) in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoun of the 7th November, 1979 and until further orders.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 31st December 1979

No. A-19023/14/79-A. HI.—On the recommendations of the UPSC, Shii A. N. Rao, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Bembay in the forenoon of 29-10-1979 until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer Shi Pao, relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Bangalore in the offermoon of 17-10-1979.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESFARCH CENTRE

VARIABLE FNERGY CYCLOTRON

Calcutta-700 064, the 29th December 1979

No. VFC/C/Per-DKG/13197.—Add). Director, DARC, Bombuy has accepted the resignation of Shri Dwipendu Kumar Ghosh, permanent SA(B)/officialing Scientific Officer (SB) in the Variable Energy Cyclotron Project, Bhabha Atomic Research Centre, Calcutta with effect from the afternoon of 13-11-1979.

R. P. HARAN Administrative Officer-III

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 29th December 1979

No. 05052/79/6948.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Trikkalur Variath Radha-krishan. a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

No. 05052/79/6949.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Davinder Kapur, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until furth, r orders.

R. C. KOTTANKAR Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 24th December 1979

No. SAC/EST/ISCES/1410/79.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri Arun Kumar Saksena, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the alternoon of December 24, 1979.

MFR PANICKER Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st December 1979

No. A. 32013/2/77-E1.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/2/77-E!, dated the 16th April 1979, the President is pleased to sanction continued ad-hoc appointment of Shri V. Ramasubramanyam, Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department to the Post of Director, Communication (Planning & Evaluation), in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department, beyond 31-7-1979 and upto 31-12-1979 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 17th December 1979

No. A. 32014/3/79-EA—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad):—

S. No. Name			 	Date
S/Shri			 	
1. B. Kumar .				26-11-79
2. M. S. Malick .				26-11-79
C. V. Raisinghani				26-11-79
4. S. Nandan .				26-11-79
N. R. Chowdhury	-	-		27-11-79
S. K. Deb Mondel				27-11-79
7. R. Y. Pol ,	•			30-11-79

The 20th December 1979

No. A-32014/2/79-EA—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the date shown against their names or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

S. No.	Names					Date
1	2			 	 	3
S	/Shri			 	 	
1. Dh	aram Pal				-	17-9-79
2. S	A. Krishnan					19-9-79
						AN.
3. Y.	P. Sawhney		_			17-9-79
4. J.	C. Kartania					17-9-79
5. N.	K. G. Rao					19-9-79
						AN.
6. H,	B. Roy.					25-9-79
7. S.	N. Sarkar					17-9-79
8. J.	V. Subha Ra	0			•	19-9-79 - AN

- - 			_:: <u>_</u>		 	
1 2	~					3
S/S'tri				,		
9. S. K. Sen Gup	ta					17-9-79
10. S. P. Rikhi						18-9-79
11. P. S. Jaswai						17-9-79
12. V. P. Saini						17-9-79
Amar Chand	-					17-9 -7 9
14. R. D. Bajoai			٠,			17-9 79
15. G. B. Prohit		-				17-9-79

The 22nd December 1979

No. A-32014/1/79-EA-The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following Acrodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officers with effect from the dates mentioned against each and until further orders :--

S. No. Name	 			·	Dat
S/Shri 1. Mahan Singh .		,	ē	·	17-9-79
2. M. Gnanapragasam					24-9-79

V. V. JOHRI Assistant Director of Administration

New Delhi, the 22nd December 1979

No. A. 44012/1/79-ES,--Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from service of Shri A. S. Verma, Licensed Engineer, Calibration Units in the office of Director, Radio Construction & Development Units, Saldarjung Airport, New Delhi with effect from 6-12-1979 (A.N.).

> R. N. DAS Asstt. Director of Administration

> > Date from

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th December 1979

No. 1/439/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar, Supervisor, Calcutta Branch, as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch, for the following periods, on ad hoc basis:

	From	To
(1)	30-4-1979	30-5-1979
(2)	4-6-1979	21-7-1979.

(

S. No.

Name

The 10th December 1979

No. 12/19/79-EST—The Director, General, Overseas Communications Service hereby appoints the following officiating Deputy Traflic Managers as Deputy Traffic Managers, in a substantive capacity, with effect from the date shown against each under column No. 3.—

					which appointed as Deputy Traffic Manager in a substantive capacity.
1	2	 	_		 3
 Jag K. 	hri M. Sharma gdish Chande V. Subrama J. Barboza				13-3-1975 1-6-1977 2-6-1977
	Athaide				1-1-1978

The 20th December 1979

No. 1/311/79-EST.—The Director General Overseas communications Service hereby appoints Shri A. S. Paes, Perm. Supervisor, Bombay Branch, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, on ad hoc basis, for the period from 28-8-1979 to 26-9-1979.

The 21st December 1979

No. 1, 258/79-EST.—Shri G. D. Verma, Officiating Assistant Engancer, R&D Unit, Headquarters Office, Bombay, was permitted to resign his appointment, with effect from the alternoon of the 31st October, 1979.

No. 1/455/79-EST.—The Director General, Overseas communications Service, hereby appoints Shri S. D. Garg, Officiating Technical Assistant, Ohond Branch of O.C.S. as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same tranen, for the period from 26-3-1979 to 30-6-1979 (both days inclusive) purely on ad hoc basis.

No. 1/84/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Tirkey, Superviser, Calcutta Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity on *ad-live* basis in the same Branch from 4-6-1979 to 4-8-1979. (Both days inclusive).

The 27th December 1979

No. 1/9/79-EST.--Shri P. V. Perumal, who was appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity in Madras Branch, on ad hoc basis w.c.f. the 2nd May, 1978, was reverted to his original post of Technical Assistant in the Branch, with effect from the afternoon of the 30th April,

No. 1/487/79-151.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Sari Kewal Kiishna Talwat, inspector, Directorate General of CRPF, New Delhi, as Security Officer in an officiating capacity, in Ahmed Satellite Earth Station, Dehra Dun Branch of O.C.S. on deputation basis, with effect from the forenoon of the 23rd October, 1979 and until further orders.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

Bombay, the 21st December 1979

1/99/79-EST.—The Director Overseas General. Communications Service, hereby appoints Shri Raiendra Kapoor, Officiating Technical Assistant, New Delhi Branch, as Assistant Engineer in an officiating capacity on a regular basis, in R&D Unit, Hq. Office, Bombay, w.e.f. the forenoon of the 24th August, 1979 and until further orders.

1/99/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Rajendra Kapoor, Officiating Technical Assistant, New Delhi Branch Rajendra as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the following periods, against short-term vacancies, purely on ad hoc basis :-

- (1) From 23-5-1978 to 11-8-1978
 - and
- (2) from 19-3-1979 to 28-7-1979,

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 27th December 1979

No. 16/333/79-Ests-1.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Dharam Vir Singh, Asstt. Conservator of Forests, Uttar Pradesh Forest Department, as Assistant instructor, Northern Forest Rangers College, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 15th October, 1979, until further orders.

No. 16/339/79/Fsts-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Debra Dun is pleased to appoint Shrillag Ram as Research Officer at the Sandal Research Centre, Forest Research Laboratory, Bangalore with effect from the forenoon of 26th October, 1979, until further orders.

GURDIAI, MOHAN Registrar, Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL FXC(SE & CUSTOMS

Indore, the 24th December 1979

No. 12/79.—Shi George Duke, Superintendent (Prev.) Central Excise, Group 'B' Divisional Office, Jabalpur in Madhya Pradesh Collectorate, Indore, having attained the age of superiornitation has retired from Government service in the afternoon of 30th November, 1979.

S. K. DHAR Collector

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 26th December 1979

No 6/2/79-ADM, II.—The Chairman, Central Flectricity Authority hereby appoints the undermentioned Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group 'B') Service in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against their names until further orders:

1. Shri K. L. Vorandani—?2-10-1979 2 Shri S. L. Sharma—29-11-1979.

> S. BISWAS Under Secv.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Cine Fab. & Studios Private Limited

Bombay, the 13th December 1979

No. 12551/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Cine Lab. & Studios Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act 1956 and of Arti Chit Fund & Finance Company Private Limited

Jullundur, the 24th December 1979

No. G/Stat/560/3156/9478.—Notice is hereby given to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Arti Chit Fund & Finance Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies 4ct 1956 and of Beas Chit Fund & Financiers Private Limited

Jullandur City the 24th December 1979

No. G/Stat/560/2857/9480 -- Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies

Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Beas Chit Fund & Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of New Chopsa Chit Fund & Financiers Company Private Limited

Jullundur, the 29th December 1979

No. G/Stat/560/2743/9657.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the New Chopra Chit Fund & Financiers Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of Anant Chit Fund and Financiess Private Limited

influndur, the 29th December 1979

No. G/Stat/560/2931/9659.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the late bereaf the name of the Anant Chit Fund and Finantier Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies, Punjab. H.P. & Chandigurh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Patna, the 19th December 1979 NOTICES

No. GC-3/XV-1/78-79/42262.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the Public interest to publish the names and other particulars relating to the assessees who have been assessed under section 42A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on the net wetalth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1976-77. Arrangement of entries:—(i) Indicates Status T for Individuall 'H' for HUF. (ii) Indicates assessment year, (iii) Indicates Wealth returned, (iv) Indicates Wealth assessed, (v) Indicates Wealth-tax payable, (vi) Indicates Wealth-tax paid.

- 1. T. P. Sao & Others, Jamshedpur
 - (i) H.
 - (ii) 1973-74, 1974-75, 1975-76, 1976-77.
- (iii) Rs. 9.76.119/-, Rs. 10.34,898/-, Rs. 9.77,326/- & Rs. 10.35.751/- respectively.
- (iv Rs. 11,71,200/-, Rs. 12,29,600/-, Rs. 12,04,800/- & Rs. 13,32,290/- respectively.
- (v) Rs. 20.136/-, Rs. 43,326/-, Rs. 51,389/-, Rs. 61,576/- respectively.
- (vi) Rs. 6,149/-, Rs. 1,200/-, Rs. 26,300/-, Rs. 35,050/respectively.
- 2. Shri Mishrilal Jain. Chaibasa.
 - (i) **T**.
 - (ii) 1972-73, 1973-74, 1974-75 & 1975-76.
 - (iii) Rs. 36,43,600/-, Rs. 37,29,400/-, Rs. 34,55,100/-& Rs. 66,56,900/- respectively.
 - (iv) Rs. 68.99.372/-, Rs. 70.46.906/-, Rs. 61,00,899/- & Rs. 98.87,229/- respectively.
 - (v) Rs. 4,24,707/-, Rs. 4.36.096/-, Rs. 3.61,726/- & Rs. 6,53,304/- respectively.
 - (vi) Rs. 44.24.707/- Rs. 436.096/-, Rs. 3.61.726/- & Rs. 6.53.304/- respectively.

No. GC-3/XV-1/78-79/42260. --Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars of the assesses on whom penalty of not less than Rs. 5 000/- was imposed, I hereby notify, u's 287 of the LT. Act, 1961 for publication the names and other particulars in respect of the assesses in Bihar Charges I & II on whom a penalty of not less than Rs. 5.000/- was imposed during the financial year 1977-78.

Arrangement of entries:—(i) Indicates Status, 'T for Individual 'H' for HUF, 'F' for Firm, 'C' for Company (ii) Indicates Assessment year (iii) Indicates amount of penalty.

- 1. M/s. Gumla Traders, Ranchi (i) H, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 5,079/- u/s 271(1)(a).
- 2. Yuvraj B. K. Singh, Doranga, Ranchi (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 9.000/- u/s 271(1)(c).
- 3. M/s Laxmi Narayan Ramnarain, Lalpur, Ranchi, (i) F (ii) 1957-58 to 1965-66 (iii) Rs. 60,610/-Rs. 23,250/-, Rs. 36,330/-, Rs. 30,540/-, Rs. 40,110/-. Rs. 19,590/-, Rs. 30,230/-, Rs. 25,580/-, Rs. 19.650/- respectively u/s 271(1) (c).
- 4. M/s Selected Jharia Coal Co. (p) 1.td., Jharia (i) C. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 5.736/- u/s 271(1)(b).
- 5. Shri Meghraj Agarwala. Baliapur, Dhanbad (i)1 (ii) 1973-74, (iii) Rs. 14,542/- u/s 271(1)(c).
- 6. M/s Omprakash & Co., Iharia (i) F, (ii) (iii) Rs. 26,936/-, Rs. 11,146/-, Rs. 8,318/- and Rs. 1,07,000/- u/s 271(1)(a), 271(a)(b), 273(b) & 271(1)(c) respectively.

No. GC-3/XV-1/78-79/42256.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and

other particulars in respect of an individuals, Hindu Undivided Families assessed on an income of over Rs. 2 lakhs, and I irms. Association of persons and companies assessed on an income of over Rs. 10 lakhs, I hereby notify under section 287 of the I.T. Act, 1961, the names and other particulars of the following assesses of Bihar Charges I & II who have been assessed during the linancial year 1977-78.

Arrangement of entries: --(i) Indicates Status T for Individual 'H' for Hindi Undivided Family. F' for Firm, C' for Company. (ii) Indicates assessment year. (iii) Indicates Returned income, (iv) Indicates assessed income, (v) Indicates Tax payable by the assessee and (vi) Indicates Tax paid by the assessee.

- Shri Ganaatrai Jain, Jamshedpur (i) H. (ii) 1976-77. (iii) Rs. 23,19,220/s. (iv) Rs. 23,19,220/-, (v) Rs. 17,68,639/-, (vi) Rs. 17,68,639/-.
- M/s Tewari Bechar & Co., Jamshedpur (i) C, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 3,34,375/-, (iv) Rs. 11,35,207/-, (v) Rs. 2,41,509/-, (vi) Rs. 2,41,509/-.
- 3. M/s Yodogawa Steel Works Ltd. (Japan), Jamshedpur. (i) C, (ii) 1977-78, (iii) Rs. 15,03,910/-, (iv) Rs. 15,03,910/-, (v) Rs. 7,91,600/-, (vi) Rs. 7,91,600/-.
- M/s Steel City Beverages (p) Ltd., Jamshedpur (i) C, (ii) 1976-77, (iii) Rs. 8,78,918/-, (iv) Rs. 10,03,590/-, (v) Rs. 6,20,834/-, (vi) Rs. 6,20,834/-.
- 5. M/s Mecor, Ranchi (i) C (ii) 1975-76 (iii) NIL (iv) Rs. 1,09,510/- (v) Rs. 69,59,997/- (vi) Rs. 60,61,805/-,
- 6. M/s Mecon, Ranchi (i) C (ii) 1976-77 (iii) NIL (iv) Rs. 66,38,850/- (v) Rs. 40,61,400/- (vi) Rs 35,49,640/-.
- 7. M/s Westurn India Sales & Services, Ranchi, (i) F, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 8,10,060/-, (iv) Rs. 10.29,692/-, (v) Rs. 3,51,460/- (vi) Rs. 1,00,000/-.

S. DWIVEDI Commissioner of Income-tax, Bihar-I, Patna

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 12th October 1979

Ref. No. 79-80/Acqn.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 158'25 situated at Guirim. Sangolda, Tq. Bardez, Dist. Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardez under Document No. 236 on 7-4-1979 for an apparent consideration which is less to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—19—416 GI/79

(1) (1) Shri Janim Martin Fernandes,
(2) Shri Anna Guiteria Victor Fernandes,
R/o Bastora, Bardez, Goa.

(Transferors)

(2) Smt. Maria Assis De Souza, Porvorim. Bardez, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 236 dated 7-4-1979] Property bearing S. No. 158/25 known as "Aradi" situated at Guirim, Sangolda, Tq. Bardez.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Dated: 12-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, I + 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELMI-110002

New Delhi, the 31st December 1979

Ref. No. IAC/Acq.-I/12-79/981.—Whereas, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 1660 situated at Kotla Mubarakpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 17-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mohini Shankar w/o Shri Vijay Shaukar R/o 43-B, Honuman Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Narain Gupta s. o Shri Nand I al and Naurang Lal s/o Shri Giassi Lal, R/o 1660, Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 1660 (Old No. 88-E then 1750 and now 1660) constructed on a freehold plot measuring 401 sq. yds, situated in village Kotla Mubarakpur, New Delhi bounded as under:—

East: House of Shri Shera and Luchhu in possession of Shan Chand.

West: House of Sunder Lal, Lal Chand etc.

North: Thorough-fare, South: House of Hargu Lal.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1979

(1) Shri Saroj Kumar Paul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Probhat Kr. Sur and Smt. Malabika Ghosh.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcuita, the 31st December 1979

Ref No Ac-52/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 97, situated at Dhan Debi Khanna Road, Calcutta (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 10-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-cottahs, 1-chittak and 28-sq. ft. situated at 97. Dhan Debi Khanna Road, Calcutta, under P. S. Beliaghata.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 31-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Baljinder Kaur d/o Shri Bawa Singh, R/o 222, Phase 7 Mohali, Teh, Kharar. (Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Bhagat Singh, r/o Ramgarh Sainia, Distt. Patiala.

(Transferec')

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. KIIR, 6/79-80.—Wherers, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 222, Phase 7 measuring 6 marles situated at Mohali Teh. Kharar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 222, Phase 7, measuring 6 marlas at Mohali Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the Registered sale deed No. 362 of April, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/25/79-80.—Whereas, J. R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 3570, Cheema Park, near Model Gram Station, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Λct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Surjit Singh, H. No. 3570, Cheema Park, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Mohkam Singh, Shri Ajit Singh Ss.o Shri Dalip Singh s/o Shri Bishan Singh, R/o 3290, Vir Parwar Colony, New Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by may any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3570, measuring 337.79 sq. yds. on Cheema Park near Model gram Station Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 187 of April, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. KHR/7/79-80.—Whereas, 1, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 110, Phase 1, Area 262.5 sq. yds, situated a Mohali Tch. Kharar Disti, Ropar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hardeep Kaur w/o Shri Surjit Singh, R/o 3088, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (1) (1) Shri Jodh Singh wo Shri Isher Singh,
 - (2) Smt. Prem Kaur w/o Shri Jodh Singh, R/o H. No. 110, Phase I, Mohali Teh. Kharar, Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 110, Phase No. 1, measuring 262.5 sq. yds. situated in Mohali Teh. Kharar Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the Registered doed No. 367 of April, 1979 of the registered Officer, Kharar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/R/8/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (flereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanals situated at Village Nandpur Teh, and Distt, Ludhlana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shu Harjit Singh and Ajmer Singh Ss/o Shu Chanan, resident of Village Nandpur, Teh. and Distt. Ludhjana.

(Transferor)

(2) M/s. Sagar Engg. Works. Unit No. 2. Plot No. 419. Indl. Area 'A', Ludhiana through its partners Sh. Kirpal Singh s/o Shri Atma Singh, 419, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lend measuring 4 kanals situated in Village Nandpur Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 328 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, IUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. I,DH/R/111/79-80,---Whereas, I, R, K, MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 4 kanals 2 marlas situated at Village Nandpur Tehsil and Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Harjit Singh,
 (2) Shri Ajmer Singh Ss/o Shri Chanan,
 R/o Village Nandpur, Tehsil and Distt. Ludhlana,
 (Transferor)
- (2) M/s. Sagar Engg. Works Unit No. 2, Plot No. 419, Indl. Area 'A', Ludhiana, through Shri Sat Pal Singh s/o Shri Atma Singh, 419, Industrial Area 'A', Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 2 marlas situated in Village Nandpur Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned the sale deed No. 2810 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

(1) (1) Smt. Kaushalya d/o Shri Ram Kishan, (2) Smt. Kako wd/o Shri Ram Kishan, R/o Dhanauri, Teh. Ropar,

(Transferor)

(2) Shri Gurdas, Ram Chand, Karam Chand, Darshan Chand ss/o Shri Pritam Chand, Shri Pritam Chand s/o Shri Sant Ram, R/o Dhanauri, Teh. Ropar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL, REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. RPN/4/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Renge, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have rason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land measuring 19 bighas 9 biswas situated

at Dhanauri, Tehsil Ropar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ropar in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer: respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of income any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-20-416 GT/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 bighas 9 biswas situated in Village Dhanauri, Tch. Ropar. (The property as mentioned in the registered deed No. 666 of May, 1979 of the Registering Authority, Ropar).

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commessioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/24/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27-E, Sarbha Nagar, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sucha Singh s'o Shri Dalbara Singh, R/o H. No. 22/9, Dashmesh Nagar, Gali No. 1, Gill Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh s/o Shri Kartar Singh, s/o Shri Rattan Singh, R/o 258, Indl. Area 'A', Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 27-E, measuring 825 sq. yds. situated in Sarbha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 176 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/59/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to les the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. B-XIII 1409, Sukhram Nagar, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 9179

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ganga Devi w/o Shri Kala Singh C/o M/s. Shri Kala Singh Buta Singh, Cloth Merchants, Jail Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Rani w/o Shri Harish Chander, R/o B-XIII-1409, Sukhram Nagar, Ludhiana, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XIII-1409, measuring 222# sq. yds. situated at Sukhram Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Sale Deed No. 574 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income--tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. RPN/1/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludmana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Land measuring 82 bighas 17 biswas situated at Village Nunowal No. 77, Tch. Ropar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ropar in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sampuran Singh s/o Shri Pirthi Singh, 1223, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Inderpal Singh & Shri Amar Pal Singh \$\square\$ of Shri Gursharan Singh of Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 82 bighas 17 biswas situated at Village Nunowal No. 77, Tehsil Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 23 of April, 1979 of the Registering Authority, Ropar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/40/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1 share in house No. 13-R, Model Town, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Rattan Singh s/o Sh. Ranjit Singh.
 Gali No. 67, Nai Wali Gali, Gurdwara Road, Kerol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wanti w/o Shri Munshi Ram, 603/1, New Janta Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

hare in House No. 13-R Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 429 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/42/79-80.—Whereas, I. R. K. MAI.HOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. ½ share in house No. 13-R, Model Town, Ludhiana, situated at Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Juswant Kaur w/o Sh. Rattan Singh s/o Sh. Ranjit Singh, R/o 2264, Gali No. 67, Nai Wali Gali, Gurdwara Road, Korol Bagh, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Bipan Kumar s/o Sh. Munshi Ram, 604/1, New Janta Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in House No. 13-R, Model Town, Ludhjana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 460 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date · 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/63/79-80.—Whereas, I, R, K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-II/1561/1, Kucha Pt. Des Raj Near Clock Tower, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mrs. Kanta Saggar w/o Sh. Dharambir Saggar, R/o 66-Sant Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
- (2) Mis. Kanta Goyal w/o Shri Bhim Sain, R/o 33-B, Udbam Singh Nagar, Ludhiana. (Transferee)
- (3) M/s, Mukim Medical Agencies, Shop No. B-II-1561/1, Kucha Pt. Des Raj, Ludhiana. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One double storcy Commercial cum residential property measuring 53-1/3 sq. yds. in Kucha Pt. Des Raj Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 636 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

Seal

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/26/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 6 kanal 5 marlas situated at Village Attewali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Inder Singh s/o Shri Arur Singh, R/o Village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) S/Shri Dalip Singh and Jagir Sings ss/o Shri Khazan Singh, R/o Village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 kanals 5 marlas situated at Village Atewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patlala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 501 of May 1979 of the Registering Authority, Sirhind.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/27/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 12 kanals 12 marlas situated at Village Attewali Tehsil Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the ttansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---21—416 GI/79

(1) Shri Inder Singh and Balkar Singh ss/o Shri Arur Singh R/o Village Attewali, Ichsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh and Jagir Singh ss/o Shri Khazan Singh, Village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanals 12 marlas situated at village Attewali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 502 of May 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/52/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 40-D, Model Town, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hazura Singh s/o Shri Kirpa Singh s/o Shri Jawahar Singh, R/o H. No. 40-D, Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) (1) Shri Surjit singh s/o Shri Gurdit Singh and
 (2) Shri Charan Pal Singh s/o Shri Surjit Singh,
 R/o H. No. 40-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 40-D, measuring 300 sq. yds. situated in Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 765 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/17/79-80,-Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 8, situated in Ajit Nagor, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:-35-416GI/79

(1) Smt. Satinder Kaur w/o Shri Jagdish Singh Phoolka R/o Vill. P.O. Ber Khurd, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Raj Dulari Wd/o Late Shri Des Raj,

 - (2) Shri Om Parkash,(3) Shri Subash Chander,
 - (4) Shri Anil Kumar, Ss/o Late Des Raj, R/o Amit Nagar, Patiala.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, measuring 500 sq. yds. situated in Ajit Nagar,

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 374 of April, 1979 of the Registering Authority, Patlala).

> R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. CHD/20/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. 1571, Sector 34-D, Chandigarh situated at Chandigar h

(and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Mrs. Major Sarla Sharma, Command Hospital, Alipur Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Dr. D. V. Vadehra and Mrs. Surinder Vadehra, R/o W-4, Sector 14, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1571 measuring 631.37 sq. yds. situated in Sector 34-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 87 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. CHD/1/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 share in plot No. 767, Sector 8-B, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chandigath in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Col. Phuman Singh Gill s/o Shri Sunder Singh Gill, Amritsur Cantt., through his Attorney Smt. Gian Kaur w/o Shri Mohan Singh, R/o 767, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh s/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) Mrs, Gian Kuar w/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Person in occupation of the Property).
- (4) Shri Inderjit Singh s/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 share in Plot No. 767 measuring 999.4 sq. yds. situated in Sector 8-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 8 of April. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. CHD/2/79-80.--Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinufter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. ½ share in plot No. 767, sector 8-B, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not zeen truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Col. Phuman Singh Gill s/o Shri Sunder Singh Gill, r/o Amritsar, Cantt., through his Attorney Smt. Gian Kaur w/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh.
 (Transferor)
- Sh. Inderjit Singh s/o S. Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Smt, Gian Kuar w/o Shri Mohan Singh. R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh. (Person in occupation of the Property).
- (4) Shri Sukhdev Singh s/o Shri Mohan Singh, R/o H. No. 767, Sector 8-B, Chandigarh, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in Plot No. 767 measuring 999.4 sq. yds. situated in Sector 8-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered sale deed No. 9 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. RAJ/34/79-80.-Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land measuring 77 kanals 10 marlas situated at Vil. Kehargarh Teh. Rajpura Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajpura in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

24-416GI/79

(1) (1) Shri Lal Singh s/o Shri Ugar Singh, (2) S/Shri Ajmer Singh,

(2) S/Shri Alther Singh,
(3) Shri Gurbachan Singh,
(4) Shri Gurcharan Singh, and
(5) Harjit Singh ss/o Lal Singh s/o Ugar Singh,
R/o Village Kehargarh T.h. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri

Bahadur Singh
 Chattar Singh
 Amrik Singh

(4) Bhupinder Singh ss/o Shri Inder Singh s/o Uttam Singh, t/o Village Gurditpura Alias Natain, Teh. Rajpura Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77 kanals 10 marlas situated at Kehargarh Teh, Rajpura, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 509 of May, 1979 of the Registering Authority, Raipura).

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/10/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 31 kanals 11 marlas situated at Narainpura Alias Sheikhpura, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 (1) (1) Maj. Surinder Pal Singh, & Amar Pal Singh ss/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Gobind Singh of Dehradun, R/o Village Narainpura alias Sheikhpura, Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) Shri Virrnder Singh s/o Shri Harbaksh Singh, Ajit Singh s/o Shri Atma Singh s/o Shri Jata Singh Resident of Khampur Sub-Teh. Sirhind r/o Khanpur Sub Teh. Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 kanals 11 marlas situated at Narainpura Alias Sheikhpura Tehsil Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 171 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SML/4/79-80.—Wherens, i, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property and land known as 'Edgeworth' Simla, situated at Station Ward, Chhota Simla Tehfi and Distt. Simla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—416 GI/79

- (1) Shri Kartar Singh Malhotra I.A. & A.S. (Retired) 3/0 Late Shri Labh Singh Malhotra of Gujranwala, R/0 Edgeworth, Chhota Simla (H.P.).

 (Transferor)
- (2)(1) Sh. Krishan Gopal Bhasin s/o Late Shri
 - Lachman Dass Bhasin,
 (2) Shri Om Parkash Bhasin s/o Late Shri
 Lachman Dass Bhasin
 - Lachman Dass Bhasin,

 (3) Shri Surinder Kumar Bhasin s/o Late Shri Lachman Dass Bhasin,
 - (4) Shri Arun Kumar Bhasin s/o Shri Krishan Gopal Bhasin,
 All R/o New Ellingam Lodge, Cart Road,
 Simla-I(H.P.). (Transferees)

(4) Shri Suresh Chand Bhalaik & Others, Edgeworth, Chotta Simla. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building known as 'Edgeworth' situated in Station ward, Chhota Simla (H.P.).

(The property as mentioned in the Registered deed No. 244 of April, 1979 of the Registering Authority, Simla).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 7th December 1979

Ref. No. SMN/12/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land measuring 72 kanals 16 marlas situated at Village Bahamana Sub. Teh. Samana, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Samtana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurbari Singh s/o Shri Harnam Singh, R/o Village Bahamana Sub. Teh. Samana, Distt. Patiala.
 - (Transferor)
- (2) Shri Sewa Singh s/o Shri Gurhari Singh, R/o Village Bahamena Sub Teh, Samana Disti. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 72 kanals 16 marlas at Vill. Bahamana Sub-Teh. Samana Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No 280 of May, 1979 of the Registering Authority, Samana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/3/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 28 bighas 18 biswas at Village Balahari Tehsil Sirhind situated at Village Balahari Teh. Sirhind and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in sursuance of Section 269°C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Surjan Singh s/o Shri Maha Singh, R/o Balahari Khurd Teh. Sirhind, Disst Patiala. (Transferor)
- (2) S/Shri Gamdoor Singh, Charanjit Singh, Ss/o Rai Shri Singh s/o Shri Amar Singh, R/o Village Balahari Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 bighas 18 biswas situated at Balahari Khurd Teb. Sirhind, Disst. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 66 of April 1979 of the Registering Authority, Sirhind)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DBS/4/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agricultural land 11 kanals 12 marlas situated at Lohgarh

Teh. Dera Bassi Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto),, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Akki Devi w/o Shri Dawarka Dass, S/o Shri Shankar Dass, R/o Bhawt Teh. Kharar Distt. Ropar. (Transferor)
- (2) (1) Shri Hira Lal Sibal s/o Shri D. D. Sibal, R/o Kothi No. 29, Sector 5, Chandigarh.
 (2) Shri R. K. Nanda s/o Shri M. L. Nanda, R/o 16 Bellvedare Road, Calcutta-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of prb. cation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 kanals 12 marlas situated at Village Lohgarh Sub-Tch, Dera Bassi Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 110 of May 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi)

R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DBS/22/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 24 bighas situated at Vill. Jarrot Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dera bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) (1) Shri Hakam Singh,
 - Shri Ram Karan, Sh. Ram Singh ss/o Sh. Pritam Singh of Jarrot R/o Kardhan Teh, and Distt. Ambala. (3) (Transferor)
- (2) (1) Shri Rattan Singh, (2) Shri Nirmal Singh,

(3) Gurmail Singh ss/o Shri Narang Singh s/o Shri Dial Singh and
(4) Shri Harjinder Singh s/o Shri Bhag Singh s/o Diala Singh, R/o Batauli Sub-Teh. Dera Bassi, Teh. and Distt. Patiala.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 baghas situated at Jarrot Sub-Teh, Dera Bassi, Distt, Patiala,

(The property as mentioned in the sale deed No. 254 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. NBA/34/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25, and bearing No.

Agr. Land measuring 20 kannls situated at Village Pedan Teh, Nabha Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Nabha on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair markt value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Baldev Singh s/o Smt. Nihal Kaur w/o Shri Hardit Singh, R/o Village Balpur Teh. Sirhind Distt, Patiala (Transferor)

(2) S/Shri

(1) Parmjit Singh, (2) Surinder Singh,

(3) Baljit Singh,

(4) Baljinder Singh ss/o Shri Kartar Singh s/o Shri Bishan Singh, R/o Village Pedan Teh. Nabha Dis't. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanals situated in Village Pedan Teh. Nabha Distt. Patiala, (The property as mentioned in the Registered Deed No. 471 of May, 1979 of the Registering Officer, Nabha).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. CHD/13/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2 share of incomplete industrial building No. 73, Ind. No. 81, Industrial Area, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

S/Shri Raghbir Singh and Chattar Singh ss/o Late Shri Jagat Singh R/o 240/9C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (1) Smt Sita Wanti w.o Shri Mohan Singh,

(2) Smt. Biba Bakshi w/o Shri Amarjit Singh,
(3) Shri Gobind Singh s/o Shri Mohan Singh,
R/o H. No. 120. Sector 36-Λ. Chandigarh.
(4) Smt. Gurbinder Kaur w/o Shri Harmohinder

Singh and Shri Jatinder Singh 9/0 Shri Harmohinder

Singh, R/o 141, Sector 16-A, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of incomplete Industrial Building No. 73, Ind. No. 81, Industrial Area, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 50 of April, 1979 of the Registering Authority at Chandigarh).

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DLH/1/79-80.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 'Diwan Lodge', North Block, Panjpulla Road, Dalhousic situated at Dalhousic

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dalhousie in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Iqbal Nath Khosla s/o Late Shri Prem Nath Khosla through General Attorney Shri Som Nath Khosla s/o Late Shri Prem Nath Khosla, R/o Diwan Lodge, GPO Penipulia Road, Dalhousic.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Mahajan w/o Shri Shori Lal Mahajan, R/o Diwan Lodge, Panjpulia Road, Dalhousie (H.P.).

(Transferce)

(4) Shri Manmohan Nath Khosla and
(2) Shri Som Naht Khosla ss/o Shri Prem Nath Khosla,
R/o Diwan Lodge, Panjpulla Road, Dalhousle (H.P.).
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Diwan Lodge, North Block Panjpulla Road, Dalhousie. (The property as mentioned in the registered deed No. 62 of April, 1979 of the Registering Authority. Dalhousie).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

PORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME- TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DLH/2/79-80.--Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 'Diwan Lodge', South Block on Panjpulla Road, Dalhousie situated at Dalhousie,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dalhousie in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

23-416 GI/79

(1) Shri Som Nath Khosla s/o Late Shri Prem Nath Khosla. Diwan Lodge, GPO Panjpulla Road, Dalhousie (H.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Mahajan w/o Shri Shori Lal Mahajan R/o 'Diwan Lodge' Panjpulla Road, Dalhousie.

(4) (1) Shri Manmohan Nath Khosla and

(2) Shri Iqbal Nath Khosla ss/o Late Shri Prem Khosla, R/o Diwan Lodge, Panjpulla Road, Dalhousie. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Diwan Lodge, South Block on Panjpulla Road, Dalhousie (H.P.).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 63, of April, 1979 of the Registering Authority, Dalhousie).

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

(1) Smt. Akki Devi w/o Shri Dwarka Dass ss/o Shri Shankar Dass, R/o Bhawat Teh. Kharar Distt. Ropar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Smt. Asha Nanda w/o Shri P. K. Nanda, R/o 16 Belvedare Road, Calcutta-27. (2) Shri Hira Lal Sibbal Advocate

s/o Shri D. D. Sibal, R/o 29/5, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. DBS/1/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 11 kanals 12 marlas situated at Lohgarh Sub-Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dora Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 kanals 12 marlas situated at Lohgarh Teh. Dera Bassi, Disst. Patlala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 65 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/9/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 31 Kanals 11 Marlas situated at Narainpura alias Sheikhpura Teh. Sirhind Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Maj. Surinder Pal Singh & Amar Pal Singh Ss/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Gobind Singh of Dehradun r/o Vill. Narainpura alias Sheikhpura, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) S/Shri Sukhbir Singh, Rajbir Singh & Bikrambir Singh ss/o Shri Harbans Singh, Resident of V. & P.O. Khanpur Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 Kanal 11 Marlas situated at Narainpura alias Sheikhpura Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 170 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/7/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 31 Kanals 12 Marlas situated at Narainpura alias Sheikhpura Teh. Sirhind Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maj. Surinder Pal Singh & Amar Pal Singh Ss/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Gobind Singh of Dehradun r/o Vill. Narainpura alias Sheikhpura, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.
- (2) S/Shri Jagdev Singh & Harbhajan Singh Ss/o Shri Mohan Singh, R/o V. Khanpur P.O. Tehsil Sirhind, Distt. Patials.

(Transferees)

(Transferors)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 31 Kanals 11 Marias, situated at Narainpura alias Sheikhpura Tehsil Sirbind, Distt, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 168 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/8/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 31 Kanals 12 Marlas situated at Narainpura alias Sheikhpura Teh. Sirhind Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maj. Surinder Pal Singh & Amar Pal Singh Ss/o Shri Rajinder Singh s/o Shri Gobind Singh of Dehradun r/o Vill. Narainpura alias Shelkhpura, Tehsil Sirhind, Distt. Patlala.

(Transferors)

(2) Shri Virinder Singh a/o Shri Harbans Singh, R/o V. Khanpur, Tebail & P.O. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TME SCHEDULE

Agrl. land measuring 31 Kanala 12 Marlas, situated at Narainpura alias Sheikhpura Tehsil Sirhind, Distt. Patlala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 169 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/6/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land measuring 31 Knnals 12 Marlas, situated at Nairainpura alias Sheikhpura, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maj. Surinder Pal Singh & Amar Pal Singh Ss/o Shri Rajinder Singh of Dehradun r/o Vill. Narainpura alias Sheikhpura, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.
 - (Transferors)
- (2) Shri Satnam Singh s/o Shri Nachhatar Singh, Resident of V. & P.O. Khaupur Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

('Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l.and measuring 31 Kanals 12 Marlas, situated at Narainpura alias Sheikhpura Tehsil Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 167 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Sate: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/6/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 40 kanals 19 marlas situated at Vill. Dadoa Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Shri Jangir Singh s/o Shri Bishan Singh, R/o Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

 S/Shri Mohinder Singh and Mal Singh Ss/o Bachan Singh R/o Dadoa Teh. & Distt. Patlala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 40 kanals 19 marlas situated at Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 81 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jangir Singh s/o Shri Bishan Singh, R/o Village Dadoa Teh. & Distt. Patlala.

(2) \$/Shri Ishar Singh & Lal Singh Ss/o Bachan Singh R/o Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/8/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorre-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. Land measuring 40 kanals 19 marlas situated at Vill. Dadoa Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 kanals 19 marlas situated at Village Dadoa Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 130 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent' Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

Scal:

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PAT/20/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storeyed shop No. 3482/2, situated at Sirhindi Bazar,, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—24—416 GI/79

(1) Shri Ruldu Ram a/o Shri Charanji Lal, R/o Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferor)

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Deepak Madan, Sh. Rakesh Madan s/o Shri Chetan Dass, R/o Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferee)

(3) Shri Hans Raj, R/o Shop No. 3482/2, 1st Floor, Sirhindi Bazar, Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3482/2, Sirhindi Bazar, Patlala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 427 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. BRN/92/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe 'that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 kanal 2 marlas situated at Barnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or -
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Joginder Singh s/o Rur Singh, Janda Wala Road, Near Radha Sawami Bhawan, Barnala. (Transferor)

(2) (1) Smt. Swaran Kaur C/o Shri Sukhdev Singh C/O Shri Sukhdev Singh (Clerk Food & Supply Oflice), Ward No. 4, Kacha College Road, Near Income-tax Office, Barnala. (ii) S/Shri Karam Singh, Mangal Singh, Amarjit Singh ss/o Shri Dalip Singh Tailor Master, H. No. B-10-376, Ward No. 5, Near Bus Stand, Barnala

Barnala.

(iii) Shri Jit Singh s/o Shri Jagar Singh, Smart Tailors, Choura Morcha Bazar. Barnala.

(iv) Shri Darshan Singh Kaith s/o Shri Bhag Singh, Sandhu Patti, H. No. B-V-394, Barnala.

(v) Shri Ram Gopal s/o Shri Baru Ram, Drawing Teacher, Govt. High School, V. Dhaunala Teh. Barnala.

(vi) Shri Gian Chand s/o Shrl Brij Lal Gupta, Chief Booking Clerk, Railway Station, Barnala.

(vii) Sh. Bhushan Kumar s/o Sh. Om Parkash Pandit H. No. B-X-258, Purani Sabji Mandi, (College Rond), Barnala.

(viii) Shri Manish Kumar s/o Shri Jagan Nath. Gold Smith, Main Bazar, Vill. Dhaunala Teh. Barnala.

(ix) Shri Prem Kumar s/o Chet Ram, Lawaria Mohala, near Telephone Exchange, Dhaunala Teh. Barnala.

(x) Smt. Indera Devi w/o Shri Sarup Chand, V. & P.O. Harigarh Via. Dhaunala Tch, Barnala.

(xi) Smt. Lakshmi Devi W/o Shri Daya Krishan Barnala C/o Shri Joginder Singh s/o Rurh Singh, Janda Wala Road, Near Radha Sawami Bhawan, Barnala.

(xii) Smt. Swatri Devi W/o Shri Gobind Ram Dhaunala C/o Shri Joginder Singh s/o Shri Rurh Singh, Janda Wala Road, Near Radha Swami Bhawan, Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kaoal 2 marlas situated at Radha Swami Bhawan, Barnala,

(The property as mentioned in the sale deed No. 3884 of June, 1979 of the Registering Authority, Barnala)

> R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/39/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Share in Plot No. 3-B, measuring 1000 sq. vds. situated at Industrial Area 'A' Extension, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Sudhir Kumar Bhalla & Rajinder Kumar Bhalla
 Sa/o Shri Dharam Parkash Bhalla
 R/o 25-Green Park, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Ram Sahai Aggarwal & Sons, Qal Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in Plot No. 3-B, measuring 1000 sq. yards situated in Industrial Area 'A' Extension, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 395 of April, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dato: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. IDH/50/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot No. 2-B, measuring 400 Sq. yds. in Industrial Area 'A' Gupta Road, situated at Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Santokh Singh S/o Sh. Karnail Singh s/o Sh. Babu Singh R5/o Jandiala Teh. Phillaur Distt. Jullundur Now R/o Ganilag Road, South Hall Middle Sex., U.K. Through Shri Pawittar Singh s/o Mastan Singh, Geenral Attorney.
- (2) Shri Gurbax Singh s/o Shri Kishau Singh, C/o Quality Scientific Dyers, 2-A, Gupta Road, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 2-B, measuring 400 Sq. yds. situated in Industrial Area 'A', Gupta Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 532 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhlana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/172 79-80.--Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No. 2A. measuring 400 sq. yds. situated in Industrial Arca 'A', Gupta Road, Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Balbir Kaur w/o Shri Santokh Singh, R/o Jandiala Teh. Phillaur Distt. Jullundur Now 87-Gannilag Road, South Hall Middle Sex, Through Shri Pawitter Singh s/o Mastan Singh General Attorney.

 (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Gurbax Singh S/o Kishan Singh C/o M/s. Quality Scientific Dyers, 2-A, Gupta Road, Industrial Area 'A', Ludhiana.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2-A, measuring 400 Sq. yds. situated in Industrial Aren 'A' Ludhianu.

(The property as mentioned in the Registered Sale Deed No. 1858 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. NBA/12/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rv. 25,000/- and bearing No. Land measuring 15 bighas 7 biswas,

situated at village Aggetti, Teh. Nabha, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Tara Rani alias Tara Devi D/o Shri Basant Rai now w/o Sh. Sarbjit Rai R/o Village Aggetti, through General Attorney, Shri Gian Chand s/o Basant Rai.
 - Sh. Sarvesh Kumar alias Sudesh Kumar S/o Shri Wishva Mittar s/o Sh. Rattan Chand, r/o Village Rahon Distt. Jullundur, Tthrough General Attorney Shri Gian Chand s/o Shri Basant Rai.
 - 3. Suraj Kumari, Suraksha Devi Grand daughters of Shri Basant Rai and D/o Wishwa Mittar s/o Rattan Chand r/o Rahon Distt, Jullundur, through General Attorney Shri Gian Chand s/o Shri Basant Rai.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurdev Singh, Ajmer Singh, Bhag Singh, Nirbhai Singh ss/o Shri Sadhu Singh, R/o Village Aggetti, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bighas 7 biswas situated in Village Aggetti, Teh. Nabha, Djstt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 220 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 7-12-1979

FORM ITNS.

(1) S/Shri Gian Chand, Rameth Chand, Dhani Ram Ss/o Shri Roshan Lal Gupta, R/o Sirhindi Bazar, Darshani Gate, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Arjan Dass s/o Shri Balu Rum, General Marchants. 3475/2, Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/13/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop property No. 3475/2, situated at Sirhindi Bazar, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-.

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop property No. 3475/2, Sirhindi Bazar, Patiala. (The property as mentioned in the registered deed No. 259 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date - 7th December 1979

- (1) Shri Labh Singh s/o Amar Singh, R/o Village Kukkar Majta, 5. Feb. Amlob. (Transferor)
- (2) Shri Babu Singh s/o Santa Singh, R/o Lad Pur S. Teh Amloh Distt. Patiala. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA. CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/8/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 10 biswas situated at Kukkar Majra, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 10 biswas situated in Village Kukkar Majra S. Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 74 of April, 1979 of the registering Authority, Amloh.)

R. K. MAI HOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Judhiana,

Date: 7th December 1979

(1) Shri Harmit Singh s/o Shri Hardial Singh, R/o 5-E, Baradari, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gurjit Singh s/o Shri Ram Narain, Smt. Romesh Kumari d/o Chiman Lal, R/o Village Jhill, Teh. Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/14/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 kanals 10 marlas situated at Village Jhill, Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—.

25—416 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 10 marlas situated in Village Jhill. Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 339 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tux.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th Deceember 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/1/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Plot of land measuring 12 biswas at Kukkarmajra Mandi Gobind Sub-Teh. Amloh situated at Kukkarmajra Mandi Gobindgarb Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said "Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Singh s/o Shri Amar Singh R/o Village Kukkarmajra Mandi Gobindgarh Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.
 - (Transferor)
- (2) Shri Baldev Kumar s/o Sh. Ghansham Dass R/o Mandi Gobindgarh Sub-Teh. Amloh Diett. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 12 biswas situated in Kukkarmajra Mandi Gobindgarh Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 12 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/15/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 15 highes! biswas situated at Village Ajnali Teh. Sirhind Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kamal Dutt s/o Shri Dharam Pal S/o Shri Ganda Mal R/o Village Ajnali Teh. Sirhind Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh s/o Shri Chanan Singh, Son of Shri Roda Singh, Village Ajnali Teh. Sirhind Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bighas 4 biswas at Vill. Ajnali Teh. Sirhind Distt, Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 223 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

R. K. MALHOTRA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7th December 1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Dharam Pal s/o Sh. Ganda Mal s/o Sh. Jawahar Mal r/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala. (Transferor)

(2) Smt. Malkiat Kaur w/o Sh. Bachan Singh s/o Chanan Singh, r/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/14/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 15 bighas ½ biswas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sirhind in April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it. respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bighas 1 biswas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 222 of April, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/53·79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 13 bighas, situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of th etransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Badri Nath s/o Sh. Mast Ram, r/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Haidev Singh s/o Sh. Darbara Singh, r/o Kukarmajra S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas situated in Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 713 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AMI /7/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 13 biswas 4 biswasi, situated at Kukkarmajra, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amloh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Labh Singh s/o Amar Singh, r/o Vill. Kukkarmajra, S. Teh. 9mlor, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi w.o Sh. Gian Chand and Sh. Sanjiv Kumar s/o Sh. Mohan Lal r/o Mandi Gobindgarh S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 biswas 4 biswasi situated in Vill. Kukkar-Majra, S. Tch. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 73 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

P. K. MALHOTRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Rcf. No. SRD/50/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Land measuring 12 Bighas 5 biswas situated at Vill. Ajnali. Tch. Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons mamely --

(1) Sh. Kartar Singh s/o Sh. Mihal Singh, resident of Vill. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Sh. Hardev Singh, Baldev Singh, Sukhdev Singh and Randhir Singh sons of Sh. Kartar Singh 1/0 Vill. Kukkar Majra, Sub. Teh. Amloh, Distf. Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 5 biswas at Vill. Ainali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 672 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. LDH/R/1/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 51 kanals situated at Kutbewal Gujjran, Teh. & Distt. Ludhiana, situated at V. Kutbewal Gujjran, Teh.

& Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 1 udhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Jagjit Singh, Mohan Singh & Smt. Harbhajan Kaur sons & daughter of Sh. Dewa Singh s/o Sh. Jagat Singh, Brown Road, Ludhlana through Sh. Harminder Singh s/o Sh. Panjab Singh, General Attorney, B.X-796, Khud Mohalla, Brown Road, Ludhlana.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Karwal w/o Sh, Satya Pal Karwal, resident of 148/11-A, Chandigarh through Sh. Satya Pal Karwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 51 kanals situated at Kutbewal Gujjran Teh. & Distt, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 51 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 7-12-1979

(1) Sh. Sadhu Singh s/o Sh. Rurh Singh, Jandawal Road, Near Radha Swami Bhawan, Barnala.

(Transferor)

(2) Sh. Kultar Singh s/o Sh. Khem Singh, B-FI-684, Ward No. 9, Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferec.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. BRN/95/79-80.—Whereas I. R. K. MALHOTRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land measuring 3 kanals situated at Barnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
26—416 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals situated at Barnala (Near Radha Swami Bhawan).

(The property as mentioned in the sale deed No. 3887 of June, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Darshan Singh s/o Sh. Gian Singh, 1/o Vill. Kukkarmajra Sub.-Teh. Amloh, Distt. Patlala. (Transferor)

(2) M/s. Hansco Steel, Nasrali Gate, Mandi Gobindgarh, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala through Sh. Hans Raj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. SRD/2/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 9 bighas 15 biswas situated at Vill. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in April. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 15 biswas in Vill. Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 50 of April. 1979 of the Registering Authority. Sirhind).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/4/79-80.--Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

No. Land measuring 7 bighas 1 biswas situated at Vill. Jasran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Analoh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Dhanna Singh s/o Sh. Jagat Singh Jassaran Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala. Vill. (Transferor)
- (2) S/Sh. & Smt. 1. Rattan Chand s/o Charanji Lal, 2. Dhanwant Rai s/o Faquir Chand, 3. Santosh Kumari w/o Rajinder Kumar and 4. Norinder Kumar s/o Bhagwan Dass—all residents of Vill. Jassran Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the stald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas I biswas situated at Vill. Jassran Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 24 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA 16/79-80.—Whereas I, R, K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land with Godown & Huose building, situated at Sanaur Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Dinesh Kumar s/o Sh. Dev Barat, r/o Sanauri Road, Patiala.

(Transferor)

(2) S. Shri Chanda Singh, Mukhtiar Singh ss/o Sh. Nahar Singh, Village Kula Majra, Smt. Parminder Kaur d o Shri Ishar Singh, Smt. Ranjit Kaur d/o Shri Mohar Singh, r/o Patiala.

(Transferees)

(3) Shri Priya Barat s/o Shri Dev Barat, Farm House, Sanauri Road, opp. Brick Kiln, Patinla.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land with Godown & House building situated at Sanaurl Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 368 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. NBA/6/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 share of House No. 790, situated at Cinema Road, Nabha, Distl. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Paramjit Kaur wd/o Sh. Bachittar Singh, Shri Jagminder Singh, Inderjit Singh, Satwant Singh minor ss o Shri Bachittar Singh, Kuljit Kaur (Minor) d/o Sh. Bachittar Singh through N/G Smt. Paramjit Kaur, Smt. Kartar Kaur wd/o Sh. Gurdial Singh, r/o Cinema Road, Nabha.

(Transferors)

 S/Shri Vidya Rattan, Rajinder Kumar ss/o Thakar Dass, 1/0 Bansan Street, Nabha.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 $\frac{1}{2}$ share of House No. 790, situated at Cinema Road, Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 128 of April, 1979 of the Registering Authority, Nabba).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. NBA/4/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2 share of House No. 790, situated at Cinema Road, Nabha, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Nabla in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kartar Kaur wd/o Sh. Gurdial Singh r/o Cinema Road, Nabha. (Transferor)
- (2) Sh. Raj Kumar s/o Sh. Thakar Dass s/o Sh. Gujjar Mal, r/o Bansan Street, Nabha, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. 790, situated at Cinema Road, Nabha. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 118 of 'April. 1979 of the Registering Authority, Nabha).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

FORM JTNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/9/79-80.—Whereas. I. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range. Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Land measuring 2 bighas 6 biswas, situated at Guru-Ki Nagari, Dudheri Road, Mandi Gobindearh, S. Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amloh in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mehar Singh
 Sho Shri Pakhar Singh
 Dadberi Road, Mandi Gobindgath
 Teh Amloh, Distt, Patiala,

(Transferor)

(2) M/s. Navyug Steel Corporation, through Shri Prem Singh, Prop., Guru Ki Nagari, Dedheri Road, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in thes aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 6 biswas situated at Guru Ki Nagari, Dedheri Road, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh. Distr. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 77 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. AML/5/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 bighas 71 biswas, Guru-Ki-Nagri, Dedheri Road, situated at Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh, Distt Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mehar Singh
 s/o Shri Pakhar Singh
 r/o Dadheri Road, Mandi Gobindgarh
 Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)
(2) M/s Guru Ram Dass Iron & Steel Rolling Mills,
Guru-Ki-Nagri Dedheri Road,
Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh,
through Sh. Kirpul Singh (Partner).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas 7½ biswas situated at Guru-Ki-Nagri, Dedheri Road, Mandi Gobindgarh, Sub-Tehsil, Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 64 of April, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/22/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range, Ludhlana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plot No. 15-A(1), measuring 1492 Sq. Yds.

situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said' Act', to the following persons nmely:—
27—416 G1/79

 Smt. Harbans Kaur d/o Shri Dhian Singh r/o B-66, Greater Kajlash, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Manmohan Singh s/o Shri Avtar Singh, r/o 741/3, Mohalla Khalsa, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-A(1), measuring 1492 Sq. Yds., situated at Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 434 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE

BUILDING, LUDHJANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. PTA/24/79-80.—Whereas, I, R. K. MAI.HOTRA. Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Plot No. 15-A(2), measuring 1668 Sq. Yds.

situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Patiala in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Harbans Kaur d/o Shri Dhian Singh r/o B-66, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Avtar Singh, r/o 741/3, Mohalla Khalsa, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-A(2) measuring 1668 Sq. Yds. situated at Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 449 of the April, 1979 of the Registering Authority, Pathala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1979

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th December 1979

Ref. No. KHR/5/79-80.—Whereas, J. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/-and bearing No.

Land measuring 12 kanal 12 marlss with poultry sheds etc. situated at Vill. Bhago Majra Tehsil Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Harcharan Singh s/o Shri Daljit Sjingh s/o Shri Bhola Singh, r/o H. No. 1113, Sector 33-C, Chandigarh. (29, Sector 8-A, Chandigarh).

 (Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Avtar Singh s/o Shri Harnam Singh, r/o 1172, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereIn as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals 12 marlas with poultry sheds etc. situated at Vill. Bhago Majra Tehsil Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 346 of April, 1979 of the Registering Authority, Kharar):

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-12-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/19/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 3312, Sector 27-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigah in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atolesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mohinder Pal Kaur wd/o Lt. Cap. Randhir Singh, Shri Devinder Singh s/o Lt. Cap. Randhir Singh, Miss Ravinder Kaur d/o Lt. Cap. Randhir Singh, r/o Q. No. 3, Police Station, Sector 26, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Raj Tandon s/o Shri Jagan Nath, r/o H. No. B-57, CSIO Colony, Sector 30, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the toforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 3312, Sector 27-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 78 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Rcf. No. CHD/22/79-80.-Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4 share in H. No. 1471, situated at Sector 22-B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties hus not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Ram Chand Mahajan s/o Shri Duni Chand Mahajan, r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Urmila Sood w/o Shri Sat Pal Sood, through General Attorney, Shri Š. D. Sood s/o Shri Jagat Ram Sood, r/o H. No. 1645, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Sh. Ram Chand Mahajan s/o Shri Duni Chand Mahajan,

Shri Punit Pal,

Smt. Krishna Abrol, F.F., Shri Chaman Lal Abrol,

Shri Amir Chand, Smt. Kesra Devi

7. Smt. Krishna Oberoi, all r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in H. No. 1471, Sector 22-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 92 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1979

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Naib Subedar Gurmeet Singh s/o Shri Dharam Singh c/o 371, Signal Regiment c/o 99 APO through his Special Attorney Shri Chander Mohan s/o Shri Ishar Dass r/o 1925, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur w/o Cap. D. S. Oberoi, r/o 1740, Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludbiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/25/79-80.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1740, measuring 253.5 sq. yds., situated at Sector 34-D. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1740, measuring 253.5 sq. yds., Sector 34-D, Chandigarh.

(The Property as mentioned in the Registered Deed No. 96 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHANE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta: Acquisition Range, Ludhian

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/16/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 1417, measuring 338 sq. yds., situated at Sector 34-C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Flt. Lt. Amarjit Singh Chawla s/o Shri Sarup Singh Chawla c/o H. No. 1104, Sector 23-B, Chandigarh through Special Attorney Shri Bhagwan Das Bector s/o Shri Hardayal Chand Bector, r/o 1104, Sector 23-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Urmil Bector w/o Shri Bhagwan Das Bector, r/o H. No. 1104, Sector 23-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1417, measuring 338 sq. yds., Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 59 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I udhiana

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/24/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 3383, measuring 169 sq. yds. situated at Sector 35-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Uttam Singh s/o Shri Jiwan Singh r/o IG-30-NIT, Kalyan Singh Chowk, Faridabad, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o Shri Sadhu Ram, r/o H. No. 3050, Sector 15-D, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3383, Sector 35-D, Chandigarh measuring 169 sq. yds.

(The property as mentioned in the registered deed No. 94 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1979

Scal:

FORM ITNS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. CHD/32/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. ½ share in H. No. 1471, Sector 22-B, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal namely:—

28-416 GI/79

(1) Sh. Narinder Nath Mahajan r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. S. D. Sood s/o Jagat Ram Sood, r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Sh. Ram Chand Mahajan s/o Sh. Duni Chand Mahajan,

2. Sh. Punit Pal,

3. Mrs. Krishna Abrol, F.F., 4. Sh. Chaman Lal Abrol,

5. Sh. Amri Chand,

6. Smt. Kesra Devi,
7. Smt. Krishna Oberoi,

all r/o 1471, Sector 22-B, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDILE

Ishare in H.No. 1471, Sector 22-B, Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registered deed No. 154 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. DHR/1-A/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 19 bighas 4 biswas situated at Village Balla, S. Teh. Dhuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sh. Hazura Singh s/o Sh. Harnam Singh, r/o Village Balia, Sub-Teh. Dhuri.

(Transferor)

(2) Sh. Pargat Singh s/o Jagrup Singh, Sh. Lakhmir Singh s/o Sh. Ram Singh, Sh. Pardeep Singh s/o Sh. Baldev Singh, r/o Village Balia, S. Teh. Dhuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 bighas 4 biswas situated in Village

Balia, S. Teh. Dhuri.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 944 of April, 1979 of the Registering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1979

Ref. No. KHR/8/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. I.and measuring 50 bighas situated at Kurari, Teh. Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kharar in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons; namely:—

- (1) Sh. Jarnail Singh Rangi s/o Sh. Mehar Singh s/o Niranjan Singh, Sh. Ujjagar Singh, Karam Singh, Charan Singh s/o Sh. Mehar Singh s/o Sh. Niranjan Singh r/o Dalautpur Teh. Sirhind, Distt, Patiala, (Transferor)
- (2) Sh. Kirti Singh Bedi s/o Sh. Kanwar Dhanwant Singh Bedi s/o Raja Gurbax Singh r/o A-13, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 50 bighas situated at Kurari, Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 345 of April, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 15-12-1979

· · · · · · · · · · · · · · · ·

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDBIANA

Ludhiana, the 17th December 1979

Ref. No. CHD/8/79-80.—Whoreas I, SUKEDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/ and bearing

Plot No. 1303, Sector 33-C, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Chain Singh &/o Sh. Tara Singh r/o Safidon, Distt. Jind, through Special Attorney Sh. Hari Singh Randhawa s/o Hakam Singh r/o 1239, Sector 33-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Gurbachan Kaur Randhawa w/o Sh. Hari Singh Randhawa r/o H. No. 1239, Sector 33-C, Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1303, situated in Sector 33-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 30 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 17-12-1979

en a la la la company de la calcada de la ca

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 26th December 1979

Ref. No. AMD/2/79-80.--Whereas I, GUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

No. Property situated in Koshar Mohalla, Near Telephone

Exchange, Mandi Ahmedgarh, situated at Mandi Ahmedgarh (and more fully decribed in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Ahmedgarh in April, 1979

for an apparent consideration which i, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Tilak Roj s/o Sh. Bogha Ram alias Sh. Bagha Raj son of Sh. Dharam Chand resident of Ahmed-

(2) Nanaksai Thatli Ishar Darbar, M-41, Greater Kailash No. 2, New Delhi through Sant Baba Amar Singh Ji s'o Sh. Bakhtawar Singh s'o Shri Inder Singh through Sh. Piara Singh Sidhu son of Sh. Maghar Singh s/o Sh. Inder Singh resident of Barundi Distt, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Mohalla Keshar Near Telephone Exchanger, Mandi Ahmedgarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 374 of April, 1979 of the Registering Authority, Ahmedgarh)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 26-12-1979

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 26th December 1979

Ref. No. AMD/1/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property situated in Keshar Mohalla, Near Telephone Exchange, Mandi Ahmedgarh. situated at Mandi Ahmedgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedgarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Tilak Raj s/o Sh, Bhoga Ram alias Bagha Raj resident of Λhmedgarh,

(Transferor)

(2) Nanaksar Thath Ishar Darbar, M-41, Greater Kailash No. 2, New Delhi through Sant Baba Amar Singh Ji s/o Bakhtawar Singh s/o Sh. Inder Singh through Sh. Piara Singh Sidhu son of Sh. Maghar Singh s/o Sh. Inder Singh resident of Barundi Distt. Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall hhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Mohalla Keshar Near Telephone Exchange, Mandi Ahmedgarh.

(The property as mentioned the sale deed No. 357 of April, 1979 of the Registering Authority, Mandi Ahmedgarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 26-12-79

1 111—DEC. 1)

FORM ITNS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 942.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section **269B** of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No......situated at Krishnamurthy St. behind Popular Shoe Mart. Gandhinagar, VZA,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Chukkapalli Tirumala Rao, S/o 'Thirupathi Venkaiah, Gandhinagar, Vijayawada-3.
 (Transferor)
- (2) M/s Popular Shoe Mart, Gandhinagar, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Chzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule of the property as per the registered document No. 2314, dated 9-4-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 10-10-79

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 918.—Whereas, I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Ward No. 8, Pithapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 18-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sti D. V. S. Ranga Rao, Stuartozta, Pithapuram. (Transferor)

(2) Smt. Muppana Salyavathi, (ii) Sri Muppana Somaraju, PEDDAPURAM.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 571, dat J 18-4-79 registered before the S.R.O. Pithapuram.

K. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Dated: 6-9-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 953.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7-3-17 situated at Prakasam Road, Ramaraopeta, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 21-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29-416 GT/79

- (1) (1) Sri Alamuri Suryanarayana (2) Alamuri Scetharamalakshmi Dwarapudi, R. C. Puram Tq., (Transferor)
- (2) Shri Chitturi Krishnamurthy, Prakasam St., Ramaraopet, Kakinada. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2089, dated 21-4-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

Dated: 19-11-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 954.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

7-3-17 situated at Prakasam Road, Ramaraopet, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 21-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the trasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Alamuri Suryanarayana (2) Alamuri Seetharamalakshmi Dwarapudi, R.C. Puram Tq. (Transferor)
- Sri Chitturi Ramakrishna, Prakasam St. Ramaraopet, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2090 dated 21-4-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

Dated: 19-11-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 955.—Whereas, f, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projecty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

23-11-98 situated at Nageswararao Pantulu St., S.N. Puram, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 20-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopaluni Krishna Venamma, (2) Gopaluni Venkata Bhogeswara Sarma, (3) G.T.V.I.N. Sarma, (4) G. Ajaya Kumar m/g, father Gopaluni Venkata Bhogeswara Sarma, Satyanarayanapuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Darivemula Nalgava Lakshmi Narsu, S/o Shri Guravayya, Tavvavari St., Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2665 dated April 79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 19-11-79.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 956.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing No.

23:41-98 situated at Nageswara Ruo Pantulu St., Near Andhra Bank, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on, 3-4-79

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Snit. Gopaluni Krishna Venamma, W/o Purushothama Sarma,
 (2) Gopaluni Venkata Bogeswara Rao,
 (3) G.T.V.L.N. Sarma,
 (4) G. Ajayakumar, m/g. father G. Venkata Bogeswara Sarma,
 23-11-98, Nageswararao Pantulu St.,
 S.N. Puram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Darivemula Lakshmi Kumari, W/o Yoginath Babu, c/o Brindavan Vilas, Canal Road, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2104, dated 3-4-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

Dated: 19-11-79.

(1) Shri Tammina Satyanarayana, S/o Apparao, Silpasramam, Kothapeta, Vijayawada-1.

Transferor

(2) Smt. Bharathi Jeetendra Parekh, W/o Sri Parekh, 11-12-28, Mekalavari St., Kothapet, Vijayawada-1. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 957.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

11-12-28 situated at Mckalavari St., Vijayawada-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer at

Vijayawada on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2328 dated 9-4-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c), Kakinada

Dated: 19-11-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 958.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-12-28 situated at Mekalavari St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tammina Atchuta Rao, Motor Vehicles Inspector, R.T.O.'s office, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Vecna Ramesh Parekh, W/o Ramesh Parekh, 11-12-28, Mekalavari St., Vijayawada-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2329 dated 9-4-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Dated: 19-11-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 959.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23.000/- and bearing No.

17/22 situated at Achammapeta, Patamata, Vijayawara-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Koneru Ramachandrarao, S/o Kutumbarao, Vani Niketan, Ramachandrarao Road, Suryaraopet, Vijavawada.

(Transferor)

(2) Sri Koneru Gandhi, D. No. 17/22, Patamata, Vijayawada-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2760 dated April, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada,

B. V. SUBBA RAO.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Dated: 19-11-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 960.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

26-23-24 situated at Sundaramma St., Gandhinagar, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Surisetti Lakshmikanthamma, W/o Venkateswara Rao.
 - S. Sivaji, 3. Vithal, 4. Rama Krishna, 5. Padmavati, 6. Rama Devi, 7. Saroja, minors by guardian mother Smt. Surisetti 1 ekshmi Kanthamma, w/o Venkateswara Rao.
 - 8. Katragadda Kanaka Durga, G.P.A. holder Smt. Surisetti Lakshmi Kanthamma. W/o Venkateswara Rao.
 - 9. Yarramsetti Ihansi Rani, G.P.A. holder Sri S. Sivaji,
 - Boppana Sri Lakshmi, G.P.A. holder Sri Vithal Sundaramma St., Gandhinagar, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Smt. Rudramraju Padmovathi, W/o Ramakrishnaraju, Muthyalampadu— Vijayawada-11.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2574 dated 21st April 79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge, Kakinada

Duted: 19-11-79.

Shri Kilaru Basava Purnachandra Rao, S/o Ven-kata Krishnaiah, Dokiparru village, Gudivada Tq., Krishna Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sanikommu Audilakshmi, W/o Tirupathireddy, Vegetable Merchant, Kaleswara Rao (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 964.-Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31-9-33 situated at Kakani St., Maruthinagar, Vijavawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 30-416 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2565 dated April 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

> B. V. SUBBA RAO. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

Dated: 19-11-79,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 961.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31-16-19 situated at Bullemma St., Jagir Machavaram, Vijayawada

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Dandamudi Anasuya Devi W/o Dasaratha Ramaiah, Tenueru village, Gannavaram Tq. (Transferor)
- (2) Sri Ravi Koteswara Rao, S/o Appaiah, Agrl. Asst. in Andhra Bank, Regional Office, Vijayawada-1.

 (Transferee)

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2582 dated April 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, (i/c) Kakinada.

Dated: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 962.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

29-1-2 situated at Governorpet, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri T. Markandeya Sastry, C/o M/s. Siva Rama Krishna Agencies, 12-10-59, Convent St., Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Late Smt. Yarlagadda Lakshmikanthamma, represented by (1) Y. Raja Gopala Rao, Lecturer in Physics. Andhra Loyola College, Vijayawada, (2) Y. Veerabhadrarao, Lecturer, Andhra Loyola College, Vijayawada.

(Transferee)

(3) (1) Sri D. Subramanya Sastry (2) V. L. Panda—29-1-2 Seshadra Sastry St., Governorpet, Vijayawada-2.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said roperty may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2413, dated April 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, (i/c) Kukinada.

Dated: 19-11-1979

 Sri Chalamalasetti Sectharamaiah, S/o Sastrulu, C/o Sivarjuna Automobiles, Eluru Road, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Dowlathram Sobhragmal, S/o Sobhrajmal, Paramount Automobiles, Prakasam Road, Governorpet, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Kakinada, the 19th November 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 963.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing No. 24-3-24/3 situated at Andhra Ratna Road, Ramnagar,

publication of this notice in the Official Gazette.

24-3-24/3 situated at Andhra Ratna Road, Ramnagar. Vijayawada

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijavawada

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2202 dated April 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada,

B. V. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-11-1979

Shri A. Chandramohanarao, Nazarpet, Tenali
 Shri A. Venkata Ramanarao, Bapatla
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kavuri Bharathi Devi, W/o Venkateswararao, 3rd lane, Brodlpet, Guntur-2.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Kakinada, the 19th November 1979

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 965.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

552-20, situated at Brodipet, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 9108) in the Office of the Registering Officer at Guntur

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2220 & 2224 dated April 1979 registered before the S.R.O. Guntur.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-11-1979

(1) Sri Pandipati Venugopala Reddy, Visakhapatnam-3
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Syamala Chistie, W/o Dr. K. M. Chistie, Private Medical Practitioner, Visakhapatnam-3.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Rcf. No. 966.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Dyce Road, Visakahpatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April, '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2243 dated April '79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 967.—Whereas, f, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Morampudi Junction in Vemagiri Lalacheruvu Bypass Road, Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shrimati Logu Bangaramma, w/o Laxmanarao,
 - Shri Logu Venkateswararao,

may be made in writing to the undersigned-

- Shri L. Chandrasekhararao,
 Kuamri Vijayalakshmi, D/o No. 1, (5) Maheswari, D/o No. 1, Rajahmundry.

(Transferor)

(Transferee)

 M/s. Hindusthan Industries Corpn., Enugu Gummala Veedhi, Rajahmundry By Its partners (1) Mohanlal, (2) Jugraj, (3) Manikchand, (4) Devichand, (5) Bai Sazan, (6) Bai Laxmi and (7) Sri Kailashkumar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1934 dated 28-4-79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

> B. V. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 968,-Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-3-1 situated at Sambamurthy street, Kakinada (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 2-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ruja Bommadevara Srirama Venkatarayulu Pangidi Eluru Tq. West Godavari District. (Transferor)

(2) Shrimati Datla Mermani, W/o D. Venkata Tirupathiraju, C/o Sri Lakshmi Finance & Commercial Corpn. Subash Road, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1623 dated 2-4-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 969.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11-3-1 situated at Sambamurthy street, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kakinada on April *79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31-416 GI /79

 Sri Raja Bommadevara Sreerama Venkatrayulu, S/o Venkata Narasimharaldu, PANGIDI, Eluru Tq. West Godavari District.

(Transferor)

(2) Sri Dantaluru Khadar Haksha Valli Sadhu Krishna Varma, S/o D. Venkataragahayaraju, Pr. in M/s. Laxmi Finance Corporation, Subash Road, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1609 dated April '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 970.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 34-1-8 situated at Jawahar St., Kakinada

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) Shrimati Dadala Subhadramma, W/o Ramanaiah, Gopalakrishna St., Kakinada.

 (Transferor)
- Shri Merla Surya Prabhakara Chowdary,
 Merla Durga Prasad Chodary
 Pr. in Laxmi Rice Mill, Temple St., Kakinada.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1761 dated April, 1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-1979

PORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 971.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34-1-8 situated at Jawahar St., Kakinada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shrimati Dadala Subhadrama, W/o Ramanaiah, Gopalakrishna St., Kakinada
 (Transferor)
- Shri Merla Surya Prabhakara Chowdary,
 Merla Durga Prasad Chowdary,
 Pr. in Laxmi Rice Mill, Temple St., Kakinada.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1803 dated April 1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 972.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 54-5-55 situated at Vivalayam Street, Jagannadhapuram, Kakinada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Kanumuri Venkata Seshagiri Rao, Near Munsiff Gari Junction & Market, Jagannadhapuram, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Manda Kesava Rao, S/o Ammiraju, Oil Merchant, Jagannadhapuram, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1611 dated April '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 973.-Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2',000/- and bearing

No. 54-5-55 situated at Sivalayam street, Jagannadhapuram, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April '79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Kanumuri Venkata Seshagiri Rao, Near Munisiff gari Junction and Market, Jagannadhapuram,
 - (Transferor)
- (2) Sri Manda Ammirajum Cloth Merchant, Srinivasa Emporium, Jagannadhapuram, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2286 dated April '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

> B. V. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th November 1979

Ref. No. 974.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 54-5-55 situated at Sivalayam street, Jagannadhapuram, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on April '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Kanumuri Venkata Seshagiri Rao, Near Munsiffgari Junction and Market, Jagannadhapuram, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Manda Kesavarao, S/o Ammiraju, Oil Merchant, Jagannadhapuram, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2264 dated April '79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-11-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1396/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 17th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;....

 Smt. Durgarai Devi, W/o Shri S. D. Mukherji and Shri S. D. Mukherji, Fafadih, Raipur.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Amima, W/o Shri Abdul Rashid, and 2. Smt. Nazima, W/o Shri Mohd. Illash, Moudhapara, Raipur (at present Near Ram Mandir, Fafadih, Raipur).

 (Transferce)
- (3) Shri S. Ranganna, Professor, Durga Mahavidyalaya, Raipur.

 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot measuring 3599 sft. bearing Kh. No. 55/18 near Ram Mandir, Fafadih, Ralpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1397/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 24th May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramgopal S/o Saklu Prasad Kashyap Juna Bilaspur, Distt. Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Moolchand Khandelwal S/o Late Shri Chironjilal, Adarsh Colony, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 0.85 hectare (9150 sft.) at New Bus Stand, Juna Bilaspur, Bilaspur,

K. K. ROY.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-12-1979.

Soal:

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQN/BPL/1398/79-80.—Whereas, I. K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-32—416 GI/79

- (1) 1. S/Shri Vishwasrao, S/o Trimbakrao Holkar;
 - Noravantao:
 - 3. Sureshchandra:
 - 4. Chandrasen, sons of Vishwasrao Holkar; Smt. Tarabai, W/o Vishwasrao Holkar, Vill. Kambi, Tehsil Sengave, Maharashtra;
 Mrs. Mirabai, W/o Madhusudan, Harsiddhi Main W/o Vishwastao Holkar, Vill.
 - Rd., Indore; and
 - 7. Shri Trimbakrao, S/o Vishwasrao Holkar 15/2, Manoramagani, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kanhaiyalal, S/o Mohanlal, 147, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 27, Mahavir Marg, Indore.

K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1399/79-80.—Whereas, J, K, K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House (Part) situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Mohandas and Kishandayal Sharma, Anand Niwas, Gali No. 4, Simla (H.P.).

(Transferor)

(2) Shri Fakruddin Bhai, S/o Mulla Asgarali Bhai Bohra, H. No. 36, Jawahar Marg, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern half portion of House No. 36, Jawahar Marg, Indore

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTON RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1400/79-80.-Whereas, I. K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28th May 1979,

for an apparent consideration

which is fess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shei Shyamlal Sharma S/o Shri Ramswarupji Sharma, Daily College, Indore. (Transferor)
- (2) 1. S/Shri Mahendrakumar
 - 2. Mukeshkumar sons of Shri Madangopal Agrawal and
 - 3. Payankumar and
 - Sanjay Kumar, sons of Shri Satayanarayan Agra-wal, 182, Jail Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 3 on plot measuring 28,000 sft. situated at Street No. 3, Manoramaganj, Indore.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1401/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Radheyshyam, S/o Shri Pannalalji Gupta 28, Kalali Mohalla, Chhawni Main Road, Indore. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Madhubala, W/o Bhagat Singh Rai.

Shri Shital Prasad, S/o Bhuralal;
 Rajendra Prasad, S/o Gopilalji;

 Sunil Kumar, S/o Ramprasadji (Minor) through guardian Smt. Premvati, W/o Shrilal Rai and Mithalal, S/o Purshottam Jaiswal, Kanongo Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9, situated at St. No. 3, Block No. 56A, Manoramaganj, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1402/79-80.—Whereus, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indote on 26-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Prabhawati Devi, Wd/o Gajanan Godbole, Nath Mandir Colony, 2, South Tukoganj, Indore;
 - 2. Shri Rajaram, S/o Shreedhar Godbole;
 - 3. Smt. Shalinibai, W/o Dinkar Godbole, Arera Colony, Bhopal;
 4. Shri Pachyanth, S. J. Shrandhar, Godbole, Nugar
 - 4. Shri Raghunath, S/o Shreedhar Godbole, Nagpur;
 - 5. Madhukar, S/o Shreedhar Godbole, LIG Colony, Indore.

(transferor)

(2) Shri Fateh Ali, S/o Gulam Ali, 713, Sangli Street, Mhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and half storeyed house on Rakba 4490 sq. ft. at 12/1, Chandra Bagh, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1403/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No. House situactd at Indorc,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-4-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pandurang Raghunath Rojinder, 50, M.I.G., Vaishali Nagar, Bhilai. (Transferor)

(2) Prof. Balkrishna, S/o Rambhan Nilose, Principal, Govt. College, Shujalpur, 52, Anoop Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied pacca house on Rakba 2616 sq. ft. at 52, Anoop Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopai

Date: 6-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1404/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 21st April 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proferty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Kumar, S/o Anokhilal Dakh, Dalu Modi Bazar, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Nazamuddin S/o Taher Ali Bohra, Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12/336, Rakba 7000 sq. ft. at Mitra Niwas Road, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-12-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1405/79-80.---Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. S/Shri Ramchandra;
 - Prabhakar;
 Arun;
 - Arun;
 - Anil;
 - 5. Anand and Avinash, sons of Govind Joshi; and
 - Ku. Manjiri, D/o Govind Joshi, Park Road, Telephone Exchange, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Yogendrakumar S/o Muralidhar Puranik, 52, Aada Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied pacca house on Rakba 720 sq. ft at 99/1, Dubey-ka-Bagicha (Vallabh Nagar), Indorc.

> K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1406/79-80.—Whereas, I.

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. House (Part) situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Indore on 28th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—33—416 GI/79

- (1) 1. S/Shri Ramchandra;
 - Prabhakar;
 - Arun;
 - 4. Anil;
 - Anand;
 - 6. Avinash, sons of Govind Joshi and
 7. Ku. Manjiri, D/o Govind Joshi,
 Telephone Fertines Joshi, Park Road, Telephone Exchange, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Basant S/o Gangadhar Bhende, 34, Nandlalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storied house on Rakba 585 sq. ft. at 99/1, Dubey-ka-bagicha (Vallabh Nagar), Indore,

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-12-1979.

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1407/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Indore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 4th April 1979,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar S/o Vithaldas Sheth, 21, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal S/o Vasanji Doshi, Manager, Dena Bank, Bhawanipur Branch, 109, Ashutosh Mukherji Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor flat of 'Seth Apartment' measuring 1305 sq. ft. at 7B Kailash Park Colony, Indore with rights, title and interest in common areas and facilities.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopul

Date: 6-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1408/79-80.-Whereas, I. K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 20th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) Shri Mahendra Narayan, S/o Ramgopal Gupta, 589, Sneh Nagar, Naolakha, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vidhyasagar, S/o Beharilal Chaturvedi, R-/o Japla Cement Factory, Vill. Devarikalan, Distt. Palamu, Husainabad, Bihar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property roay be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Rakba 2400 sq. ft. at 36, Khedapati Colony,

K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-12-1979.

[PART III—SEC. 1

FORM TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhogal, the 16th December 1979

Raf. No. IA€/A@Q/BPL/1489/79-80.--Whereas, I, K. R. ROY,

whing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the intersovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Rutham,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rutlam on 21st April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ashok Kumar S/o Anokhilal Dakh Mahejan Dalu Modi Bazar, Ratlam. (Transferor)
- (2) Shri Huned, S/o Haji Fakruddin Bohra, Chandni Chowk, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12/335 measuring 7000 sq. ft. at Mitra Niwas Road. Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269-1) (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY, COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1410/79-80 ----Whereas, I, K. K. ROY.

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25000/- and bearing

No. Building situated at Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 13th April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of action 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Gurucharansingh S/o Harjasvaj Chawla, Fatehgarh, Bhopal. (Transferor)
- (2) Smt. Kamala W/o Lilarum Khatri, 50-C, Idgah Hills, Bhopal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 situated at Royal Market, near G.P.O., Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 19th December 1979

Ref. No. IAC/ACQN/BPL/1411/79-80.—Whereas, I, K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Raipur on 28th April 1979

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gaytri Bai, W/o Shri Triyugi Narayan; 2. Shri Triyugi Narayan S/o Chandra Narayan Dubey, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Surivastava S/o Kamta Prasad Shrivastava, Budhapara, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 309/15 situated at Brahmapuri Raipur, Distt. and Tehsil, Raipur.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 19-12-1979.

FORM ITNS-

(1) Mrs. Sulekha Bai, C/o H. E. Abulkareem Sait, Opposite to Naval College, Veli, Cochin-682001.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri P. A. Haneefa Haji, 12/599, Manthara Road, Cochin-682002. (Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 7th November 1979

Ref. No. L.C. 346/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Cochin on 2-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein was are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 cents of land with buildings in Sy. No. 699 of Mattancherry village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 7-11-1979

(1) Shri N. Krishna Iyer (For the Curdamom Marketing Co. (Travancere) Ltd., Kottayam.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri K. M. Marakkar Haji.
 Shri K. M. Hassan.
 Shri K. M. Aliyar.

Kodavathu House, Erumathala, Alwaye.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 26th November 1979

Ref. No. L.C. 364/79-80.—Whereas f, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alwaye,

Nakodar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Alwaye on 9-4-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24.775 cents of land with buildings in Sy, No. 261/1C of Alwaye village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 26-11-1979

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 367/79-80.-Whereas 1, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Mallapuzhacherry,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kozhencherry on 30-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-34-416 GI/79

- (1) Shri P. M. Chocko, Palliath, Kozhencherry. (Transferors)
- (2) 1. Mathew,
 - 2. Mrs. Sosamma Mathew,
 - 3. Roy M. Mathew, 4. Nissi Mathew,
 - Saramma Mammen,
 - Sisily Mathew.
 For M/s Muthoott Mini Chitty Fund, Kozhencherry.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.5 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 440/79.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ernakulam

Date: 6-12-1979.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Harikanth Manaklal Shah, 83, Jai Prakash Road, 5, Nand Bhavan, Andheri (West), Bombay-400058.

(Transferors)

(2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

●FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. 1,.C. 370/79-80,—Wherens, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Quilon,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 18-4-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscetion (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 1563/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 6-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 371/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Quilon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Outlon on 18-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chanchal Bai Manaklal Shah,
 - 2. Navin Manaklal Shah,
 - 3. Subhadra R. Shah. [By Sri Harikanth Manaklal Shah, 83, Jai Prakash Road, 5, Nand Bhavan, Andheri (West), Bombay-400058.]

(Transferors)

(2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) byby any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Dec. No. 1564/79.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernekulans

Date: 6-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 372/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ouilon on 18-4-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason tobelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

- (1) 1. Kishori N. Parekh,
 - Kumud S. Kapadia,
 - 3. Kishore Manaklal Shah, 4. Nina N. Choda.

By Harikanth Manaklal Shah, 83 Jai Prakash Road, 5, Nand Bhavan, Andheri (West) Bombay-400058.1

(Transferors)

(2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

building as per schedule attached to Doc. Land and No. 1565/79.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ernakulam

Date: 6-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER $\hspace{1.5cm} \text{OF INCOME TAX}$

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 373/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 18-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Jayanth Manaklal Shah, 2. Sheela Manaklal Shah, 3. Pradeep Manaklal Shah, [By Shri Harikanth Manakal Shah, 83, Jaj Prakash Road, 5, Nand Bhavan, Andheri (West), Bombay-400058.]
- (2) Shri M. Balan Pillai, Quilon Tourist Home, Quilon (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 1566/79.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 6-12-1979.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 374/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Quilon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Quilon on 18-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) 1. Harikanth Manaklal Shah,
 - Navin Manaklal Shah, $\overline{3}$.
 - Kishore Manaklal Shah Jayakanth Manaklal Shah,
 - 5. Pradeep Manaklal Shah,
 - 6. Chanchal Bai Manaklal Shah. 83. Jai Prakash Road. 5. Nand Bhavan, Andheri

(West), Bombay-400058.

(Transferors)

(2) Shri M. Balan Pillei, Quilon Tourist Home, Quilon. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 1567/79.

> K. NARAYANA MENON. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 6-12-1979.

'(1) Sri C. K. P. Kamath, Union Bank of India, Willingdon Island, Cochin-3.

(Transferors)

(2) Sri M. R. Chandran, M/s Babuchand Engineers, Chittoor Road, Cochin-16.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP.TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 4th December 1979

Ref. No. L.C. 366/79-80.—Whereas. I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 30-4-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.566 cents of land with buildings in Sy. No. 922/2 of Ernakulam village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 4-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 378/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

Sy. No. as per schedule situated at Irinjalakuda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Irinjalakuda on 9-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Krishna Iyer, Kunnathu Madom, Irinjala kuda.
 - 2. Hariharan,
 - Vaidyanathan.
 - by Krishna Iyer, Irinjalakuda.

(Transferors)

(2) Sri M. Velayudha Menon, Shyam Textiles, Nada-varambu.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

59 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 661/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE "ANJIPARAMBIL BUILDINGS" ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 379/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Manantoddv.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the office of the Registering Officer at Manantoddy on 28-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Mrs. B. Seethamma Kaveriappa (by B. K. Ganapathi).

 - Ganapathi).

 2. B. K. Ganapathi,

 3. B. K. Nenjappa, (by B. K. Ganapathi).

 4. B. K. Achappa (by B. K. Ganapathi).

 No. 19, Lalitha Mahal Road, Mysore.

 (Transferors)

- (2) 1. P. Ramakurup,
 - 2. Neelikandi Kunhammed Haji.
 - A. T. Mathew.
 T. P. Punnoose.
 M. Balakrishnan.

 - 6. N. Pokker.
 7. J. A. Thomas.
 8. T. P. Antony.

(Pan Enterprises).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Coffee estate as per schedule attached to Doc. No. 1749.

K. NARAYANA MENON Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 380/79-80.-Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Manan oddy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manan oddy on 28-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Shri B. K. Ganapa Hi, No. 19, Leli ha Mahal Road, Mysore. Shri B. K. Nanjappa,

 - (by B. K. Ganapa hi). (3) B. K. Achappa, (Transferor)
- Shri P. Ramakurup, Shri Neelikandikunnammed Haji,
 - Shri A. T. Mahow.
 - (4) Shri M. Balakri (5) Shri N. Pakker, M. Balakrishnan,
 - Shri Thomas J. A.,
 - Shri T. P. Antony. (For Pan Enterprises)

(Transferce +

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Coffee estates as per schedule attached to Doc. No. 1750/ 79.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulau

Date: 11-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS." ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. 381/79-80.—Whereas, J. K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R_5 . 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Pavaratty

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mullasseri on 9-4-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Balachandran, Paluvayi Desom, Chavakkad.

(Transferor)

(2) Dr. Varghese Job, Vadakke halakkal, Pavara Y.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20.75 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 569/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-12-1979